एथेनॉल आधारित स्टोव से सस्ता... 02

राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 02, अंक - 52 | गाजियाबाद / मंगलवार 26 मई 2026 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

अक्षय कुमार के डांस की मुरीद... 11

संक्षिप्त समाचार

800 फीट गहरी खाई में गिरी कार, 8 की मौत

- कर्नाटक में नदी में डूबने से 11 की जान गई

रायगढ़/भटकल (एजेंसी)। महाराष्ट्र और कर्नाटक में दो हादसों में 19 लोगों की मौत हो गई। महाराष्ट्र के रायगड में पोलादपुर–महाबलेश्वर रोड के अंबेनली घाट इलाके में एसयूवी कार 800 फीट गहरी खाई में गिर गई। घटना में 8 लोगों की मौत हुई है। पीड़ित परिवारों की शिकायत पर पुलिस ने मृतकों के मोबाइल की लास्ट लोकेशन ट्रेस की। तब जाकर घटना की जानकरी मिली।

इधर, कर्नाटक के भटकल में टट्टीहक्कल नदी में सीप इकट्ठा करते समय डूबने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई।

एक–दूसरे को बचाने में बह गए 11 लोग– कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ जिले के भटकल में एक ही परिवार के 11 लोगों की डूबने से मौत हो गई। इनमें 9 महिलाएं शामिल हैं। परिवार के 14 लोग तट्टीहक्कल कालिनट्टी स्ट्रीम में सीपियां (क्लैम्स) इकट्ठा करने गए थे। पुलिस के मुताबिक, शरदाहोले गांव का परिवार सीपियां इकट्ठा करने उस जगह गया था, जहां स्ट्रीम अरब सागर से मिलती है।

अमृतसर में कपिल शर्मा के घर पर फायरिंग का दावा

- डीवीआर जब्त करने के बाद पुलिस का इनकार, कनाडा में कैफे पर भी फायरिंग हो चुकी

अमृतसर (एजेंसी)। कॉमेडियन–एक्टर कपिल शर्मा के अमृतसर स्थित घर के बाहर सोमवार को फायरिंग का दावा किया गया है। पारिवारिक सदस्यों से जुड़े सूत्रों के मुताबिक हमलावर बाइक पर आए थे। उन्होंने 2 राउंड फायरिंग की और फिर फरार हो गए। अभी तक हमले की जिम्मेदारी किसी ने नहीं ली है।

अमृतसर के पॉश इलाके हॉली सिटी में कपिल शर्मा का घर है। इसकी सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और इलाके को सील कर दिया। आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए। घर और आसपास के वीआईपी घरों के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को चेक किया। पुलिस ने डीवीआर को कब्जे में लिया है। हालांकि मौके पर पहुंचे एसपी कमलजीत सिंह औलख ने बताया कि अब तक की जांच में गोली चलने की कोई पुष्टि नहीं हुई है इस घर में कपिल के बहन और जीजा रहते हैं, जबकि कपिल शर्मा फिलहाल परिवार के साथ मुंबई में हैं। इससे पहले उनके कनाडा में स्थित कैफे पर 3 बार फायरिंग हुई थी।

कश्मीर- गुलमर्ग रोपवे अचानक रुका

हवा में 300 पर्यटक फंसे

- *इनमें बच्चे-बुजुर्ग भी थे, कई लोग घबराकर रोने लगे, सेना-पुलिस ने सुरक्षित रेस्क्यू ऑपरेशन किया*

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर का प्रसिद्ध गुलमर्ग रोपवे (गुलमर्ग गोंडोला) सोमवार को बड़ी तकनीकी खराबी आ गई थी, इससे रोपवे की सभी केबिन बीच हवा में रुक गई। करीब 300 पर्यटक फंस गए थे। लोगों में अफरा-तफरी मच गई थी। कई पर्यटक घबराकर रोने लगे और नीचे उतारने के लिए चिल्लाने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बच्चों और बुजुर्गों में सबसे ज्यादा डर का माहौल देखा गया। घटना की सूचना मिलते ही श्रीनगर से स्पेशल रेस्क्यू टीमें मौके पर भेजी सेना भी मौजूद थी। सेना, पुलिस और प्रशासन ने बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर सुरक्षित निकाल लिया।

सीएम बोले- पर्यटक सुरक्षित, एलजी ने हालात पर नजर रखी

घटना को लेकर जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा– सरकार स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। सभी केबिन और उसमें फंसे पर्यटक सुरक्षित हैं। लोगों को बाहर निकालने के लिए प्रशिक्षित टीमें ऑपरेशन चलाया गया घबराने की कोई जरूरत नहीं है। जम्मू और कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने कहा– केबल कार के केबिनों में फंसे पर्यटकों के रेस्क्यू ऑपरेशन पर मैं नजर रख रहा था। मैंने डीजीपी को घटनास्थल पर जाने का निर्देश दिया है। पुलिस, सेना, एसडीआरएफ , डीसी और एसएसपी की जॉइंट टीम मौके पर मौजूद है।

गुलमर्ग रोपवे दुनिया का दूसरा सबसे ऊंचा केबल कार सिस्टम

गुलमर्ग रोपवे एशिया का सबसे ऊंचा और सबसे लंबा केबल कार प्रोजेक्ट है, और यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा और सबसे ऊंचा केबल कार सिस्टम है। यह दो फेज में गुलमर्ग के आधार से कोंगदोरी और फिर अफरवत चोटी तक जाता है। यहां से बर्फीली चोटियों के शानदार नजारे दिखाई देते हैं। गुलमर्ग गोंडोला देश के सबसे लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में गिना जाता है और गर्मियों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। हालांकि, घटना के बाद सुरक्षा मानकों और रखरखाव को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एनटीए से पूछा-

पिछली गलती से क्या सीखा, कोई सबक नहीं लिया, ये दुखद है...

नीट पेपर लीक पर केंद्र-सीबीआई से भी जवाब मांगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने नीट पेपर लीक मामले में सोमवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा- यह दुखद है कि एनटीए ने पहले हुए पेपर लीक मामले से कोई सबक नहीं लिया।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच सोमवार को फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया मेडिकल एसोसिएशन (एफएआईएमए), यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट और अन्य याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इस दौरान उन्होंने कहा, यह मामला 2024 में भी सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा था। तब एक कमेटी बनाई गई थी, जिसने कई सिफारिशें दीं, जिन्हें स्वीकार भी किया गया था। कोर्ट ने निर्देश दिया कि एनटीए गुरुवार तक हलफनामा दाखिल करे और बताए कि 2024 में दिए गए निर्देशों और मॉनिटरिंग कमेटी की सिफारिशों पर क्या कदम उठाए गए। साथ ही केंद्र सरकार और सीबीआई से भी जवाब मांगा है।

- **कॉकरोच जनता पार्टी के खिलाफ याचिका, जल्द सुनवाई की मांग, सुप्रीम कोर्ट बोला– इतने भावुक न हों –** सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) से जुड़े व्यक्तियों की गतिविधियों की सीबीआई से जांच करवाने की मांग पर तुरंत सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कॉकरोच जनता पार्टी एक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की हालिया कॉकरोच टिप्पणी के बाद

सामने आया। सोमवार दोपहर 12 बजे तक सीजेपी के इंस्टाग्राम पर 2.29 करोड़ फॉलोअर्स हो गए हैं।

कोर्ट में याचिकाकर्ता के वकील एनके गोस्वामी ने कहा कि सीजेपी, ज्यूडीशियरी की इमेज खराब कर रही है। इसके बाद सीजेआई और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पंचोली की बेंच ने कहा, 'इसे इतनी भावुकता से मत लें।' याचिका एडवोकेट राजा चौधरी ने दायर की है। उसने आंदोलन से जुड़े फर्जी अधिवक्ताओं और फर्जी कानून की डिग्रियों की जांच की भी मांग की है।

एक्ट्रेस ट्विशा केस

रिटायर्ड जज सास को हाईकोर्ट का नोटिस

- मप्र सरकार बोली- वे जांच में मदद नहीं कर रहीं, दिल्ली से सीबीआई टीम भोपाल रवाना

जबलपुर/भोपाल/दिल्ली (एजेंसी)। एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने आरोपी सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी किया है। यह नोटिस राज्य सरकार और ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा की उस याचिका पर जारी हुआ, जिसमें ट्रायल कोर्ट से मिली गिरिबाला सिंह की अग्रिम जमानत का विरोध किया गया है।

सोमवार को सुनवाई के दौरान सरकार की ओर से पेश महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने कहा कि गिरिबाला जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं। वहीं, गिरिबाला सिंह के वकील मृगेंद्र सिंह ने कहा- यह कहना गलत है कि हम जांच में सपोर्ट नहीं कर रहे हैं। हमें पिटीशन के दस्तावेज नहीं मिले हैं, इसलिए जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए।

वहीं भोपाल जिला कोर्ट ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह मामले की सुनवाई मंगलवार तक के लिए टाल दी है। पुलिस प्रतिवेदन नहीं मिलने के कारण सुनवाई स्थगित की गई। कोर्ट ने पुलिस को कल तक प्रतिवेदन पेश करने के निर्देश दिए हैं। ट्विशा के पिता के वकील पीयूष सिंह ने मीडिया से बातचीत में बताया-अदालत ने रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को नोटिस जारी कर दो दिन में जवाब पेश करने को कहा है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-

दोनों पक्ष बयानबाजी से बचें– सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मामले में खुद नोटिस लेते हुए सुनवाई की। चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि मीडिया पीड़ित या दूसरे परिवार के बयानों के पीछे न भागे और मामले को कानून के मुताबिक आगे बढ़ने दिया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठने से वे दुखी हैं। वहीं, मध्य प्रदेश सरकार की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने आरोप लगाया कि ट्विशा की सास और पूर्व जज गिरिबाला सिंह जांच में बाधा डाल रही हैं। दरअसल ट्विशा शर्मा 12 मई को भोपाल के कटारा हिल्स स्थित अपने ससुराल में फंदे से लटकी मिली थीं। ट्विशा की मौत को ससुराल पक्ष आत्महत्या बता रहा है, जबकि मायके पक्ष ने पति और ससुरालवालों पर हत्या का आरोप लगाया है।

पेट्रोल-डीजल के दाम इस महीने चौथी बार बढ़े

- पेट्रोल 2.61 और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेल कंपनियों ने आज, 25 मई को पेट्रोल 2.61 प्रति लीटर और डीजल 2.71 प्रति लीटर महंगा कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.12 और डीजल की कीमत 95.20 हो गई है।

अन्य चीजों के दाम भी बढ़ सकते हैं

- **मालभाड़ा बढ़ेगा–** ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।
- **खेती की लागत–**ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।
- **बस–ऑटो का किराया–** सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

बेस प्राइस से तीन–चार गुना तक बढ़ जाती है कीमत– अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियां 'डेली प्राइस रिवीजन' के तहत हर दिन सुबह 6 बजे नए रेट अपडेट करती हैं।

तबीयत बिगड़ने के बाद 9 दिन से पदयात्रा बंद, प्रेमानंदजी की अपील

- मैं रहूं न रहूं, हमेशा साथ रहूंगा, मेरी चिंता छोड़िए, श्रीजी का ध्यान लगाइए

मथुरा (एजेंसी)। 'बिल्कुल चिंता मत करो। हम मिलें न मिलें, बोलें न बोलें, हम आप सबको बहुत प्यार करते हैं। अंतिम बात यही कि चिंता नहीं करनी। न ये चिंता करनी है कि कैसे हमारा उत्थान होगा। बिना बोले तुम्हारे दिमाग में हम होंगे।'

ये भावुक अपील वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज ने वीडियो जारी कर अपने शिष्यों और भक्तों से की। 1 मिनट 19 सेकेंड का वीडियो केली कुंज आश्रम ट्रस्ट के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया।

17 मई यानी 9 दिन से प्रेमानंद महाराज की रात्रि पदयात्रा बंद है। शिष्यों ने तब बताया था कि प्रेमानंद महाराज की तबीयत ठीक नहीं है। वह भक्तों से

एकांतिक मुलाकात भी नहीं कर रहे हैं। प्रेमानंद महाराज की दोनों किडनी खराब हैं। उनकी हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस होती है। प्रेमानंद महाराज ने आगे कहा- देख लेना तुम वही करोगे, जो गुरुदेव कहेंगे। आप बिल्कुल निश्चिंत रहिएगा। जो जहां जिस सेवा में आए, उस सेवा में रहिएगा। खूब नाम जप करो। मंगल होगा। तुम्हारे गुरुदेव तुम्हारे दिमाग में बैठे रहेंगे। आप निर्भय, निश्चिंत, निशोक होकर भजन करो। हमारा जब मन होगा, तब हम बोल देंगे।

नौतपा शुरू, गर्मी-हीटवेव बढ़ी

- महाराष्ट्र का ब्रह्मपुरी 47.2 डिग्री के साथ देश में सबसे गर्म, मप्र-यूपी के 8 शहरों में पारा 45 डिग्री पार

नई दिल्ली/भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ (एजेंसी)। देश में नौतपा की शुरुआत हो गई है। इसका मतलब है कि अगले 9 दिन और ज्यादा गर्मी रहेगी। हीटवेव और तापमान भी बढ़ेगा। तापमान 45 डिग्री से ज्यादा बना रह सकता है।

महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र का ब्रह्मपुरी लगातार तीसरे दिन देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.6 डिग्री ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में बांदा 46.8 डिग्री तापमान के साथ सबसे गर्म जिला रहा। इसके अलावा प्रयागराज और उरई में 45.6 डिग्री, झांसी में 45.6 डिग्री, आगरा में 45.4 डिग्री और हमीरपुर में 45.2 डिग्री तापमान रिकॉर्ड हुआ। मप्र के दो शहरों, नौगांव और खजुराहो में सबसे ज्यादा तापमान 45.8 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर और मध्य भारत में 29 मई से मौसम बदल सकता है। बारिश की संभावना है।

हरियाणा, दिल्ली, पंजाब, राजस्थान, छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हीटवेव चलने की आशंक है। पश्चिम बंगाल और ओडिशा में उमस भरी गर्मी परेशान करेगी। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, केरलम, लक्षद्वीप, तमिलनाडु समेत कई राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट है। बिहार में गरज-चमक के साथ तेज हवाएं चल सकती हैं।

जिप लाइन झूले से 45 फीट नीचे गिरा बच्चा, मौत

- आगरा में बड़ी लापरवाही, सेफ्टी बेल्ट खुली, पिता बोले- घुमाने लाया था, लाश कैसे ले जाऊं

आगरा (एजेंसी)। आगरा में चूड़ी कारोबारी के 16 साल के लड़के की जिप लाइन से गिरकर मौत हो गई। वह अपने माता-पिता के सामने ही 45 फीट ऊंचे झूले से नीचे गिर गया। नाबालिग जैसे ही जिप लाइन झूले के एक छोर से दूसरे छोर की तरफ बढ़ा, उसके सेफ्टी बेल्ट का हुक खुल गया। वह धड़ाम से जमीन पर आ गिरा। उसकी मौके पर ही तड़प-तड़पकर मौत हो गई।

जब कुनाल अग्रवाल जिप लाइन झूले पर था, तो नीचे मां और भाई उसका वीडियो बना रहे थे। पूरा हादसा उनके फोन में रिकॉर्ड हुआ। घटना शहर के ताजगंज में रविवार को हुई। कुनाल माता-पिता और छोटे भाई के साथ फिरोजाबाद से आगरा घूमने आया था। माता-पिता बेटे की लाश से लिपटकर रोते-रोते बेसुध हो गए। पिता ने रोते हुए कहा-जिप लाइन संचालकों की लापरवाही की वजह से मेरा बेटा चला गया। मैं तो उसे घुमाने लाया था, अब उसकी लाश कैसे घर लेकर जाऊं। हादसे के बाद पुलिस ने जिप लाइन का संचालन बंद करा दिया।

ईरान बोला– अमेरिका की धमकियों से नहीं डरते

- उसकी गारंटी पर भरोसा नहीं, इजराइल बातचीत बिगाड़ने की कोशिश करेगा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ईस्माइल बघाई ने कहा कि उनका देश अमेरिका की धमकियों की परवाह नहीं करता। उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि अमेरिका किसी संभावित समझौते का पूरी तरह पालन करेगा।

बघाई ने कहा कि इजराइल अमेरिका और ईरान के बीच चल रही बातचीत को कमजोर करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि इजराइली शासन पूरी कोशिश कर रहा है कि यह समझौता न हो सके। हमें उम्मीद है कि वह बातचीत को प्रभावित करने की कोशिश करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ देश लगातार युद्ध और टकराव की बात कर रहे हैं, जिसका असर अमेरिकी अधिकारियों पर भी पड़ सकता है।बघाई के मुताबिक पिछले कुछ हफ्तों में जो बदलाव देखने को मिले हैं, उनमें पाकिस्तान और कुछ दूसरे देशों की मध्यस्थता की बड़ी भूमिका रही है। हालांकि फिलहाल किसी पाकिस्तानी अधिकारियों के तेहरान आने की कोई आधिकारिक योजना नहीं है।

अमेरिका–ईरान में समझौते पर दस्तखत नहीं– अमेरिका और ईरान के बीच समझौते पर दस्तखत नहीं हो सके। इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रविवार को ही दोनों देश सीजफायर बढ़ाने और होर्मुज खोलने को लेकर समझौता कर सकते थे।

एथेनॉल आधारित स्टोव से सस्ता होगा खाना बनाना

– नितिन गडकरी ने पेश की स्वदेशी तकनीक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने देश में विकसित एथेनॉल आधारित स्वदेशी कुकिंग स्टोव तकनीक का अनावरण करते हुए दावा किया है कि इस तकनीक से खाना बनाने की लागत एलपीजी गैस की तुलना में कम होगी। नागपुर में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह तकनीक न केवल घरेलू ऊर्जा खर्च को कम करने में मदद करेगी, बल्कि भारत को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी बड़ा कदम साबित हो सकती है। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं में विज्ञान और नवाचार के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए 40 करोड़ रुपये की नई परियोजना शुरू करने की भी घोषणा की। गडकरी ने बताया कि इस नए स्टोव में एथेनॉल और पानी के मिश्रण का उपयोग किया जाता है। उन्होंने कहा कि केवल 7 प्रतिशत एथेनॉल को पानी में मिलाकर ऐसी लौ तैयार की जा सकती है, जो खाना पकाने के लिए पूरी तरह उपयुक्त है। उनके अनुसार यह तकनीक पूरी तरह स्वदेशी है और भारतीय वैज्ञानिकों तथा इंजीनियरों द्वारा विकसित की गई है। उन्होंने कहा कि यदि इसे बड़े स्तर पर लागू किया जाता है, तो यह एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भरता कम

कर सकता है और आम लोगों के लिए रसोई गैस का सस्ता विकल्प बन सकता है।

केंद्रीय मंत्री लंबे समय से एथेनॉल को वैकल्पिक ईंधन के रूप में बढ़ावा देते रहे हैं। उनका मानना है कि एथेनॉल के इस्तेमाल से भारत की आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम होगी और किसानों को भी आर्थिक लाभ मिलेगा। वर्तमान में भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का लगभग 87 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे ऊर्जा सुरक्षा सरकार की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। इसी कारण केंद्र सरकार लगातार पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। वर्ष 2014 में जहां पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण का स्तर केवल 1.53 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। गडकरी ने कहा कि एथेनॉल आधारित स्टोव तकनीक घरेलू रसोई के क्षेत्र में बड़ा बदलाव ला सकती है। देश के करोड़ों परिवार आज भी एलपीजी सिलेंडरों पर निर्भर हैं और लगातार बढ़ती कीमतों से प्रभावित होते हैं। ऐसे में यह तकनीक सस्ती, पर्यावरण अनुकूल और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध विकल्प प्रदान कर सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने पर जोर दे रही है। इसी उद्देश्य से 40 करोड़ रुपये की परियोजना शुरू की जा रही है, जिससे बच्चों और युवाओं में विज्ञान के प्रति जिज्ञासा और नवाचार की भावना विकसित की जा सके।

बिजनौर में 28 मई को मनाई जाएगी ईद उल अजहा, शहर काजी ने जारी की गाइडलाइन

बिजनौर (शिखर समाचार)। शहर काजी मौलाना माजिद अली ने ऐलान किया है कि इस वर्ष ईद उल अजहा (बकरीद) का त्योहार आगामी 28 मई 2026, दिन बृहस्पतिवार को अकीदत और एहतराम के साथ मनाया जाएगा। उन्होंने बताया कि ईद की मुख्य नमाज बिजनौर की ऐतिहासिक ईदगाह में सुबह ठीक 7 बजे अदा की जाएगी। काजी साहब ने सभी अकीदतमंदों से वक्त का पाबंद रहने और समय पर ईदगाह पहुंचने की अपील की है। त्योहार को शांतिपूर्ण और पाकीजगी के साथ मनाने के लिए शहर काजी ने मुस्लिम समाज के लिए विशेष दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि कुबार्नी किसी भी खुले स्थान पर न की जाए। इसके लिए कनात या पर्दे का पुख्ता इंतजाम होना जरूरी है। गंदगी से बचने के लिए कुबार्नी का खून किसी भी सूरत में आम नालियों में न बहाया जाए। कुबार्नी के बाद बचे अवशेषों को केवल नगर पालिका की निर्धारित गाड़ियों में ही डालें और उन्हें इधर-उधर न फेंकें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि गोश्त को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाना हो तो उसे अच्छी तरह ढककर ले जाया जाए, ताकि किसी राहगीर को असुविधा न हो। साथ ही कुबार्नी की कोई भी तस्वीर या वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट न करने की अपील की गई है। शहर काजी मौलाना माजिद अली ने सभी देशवासियों से आपसी भाईचारे, मोहब्बत और शांति के साथ इस मुकद्दस त्योहार को मनाने का आह्वान किया है।

बिजनौर शहर काजी मौलाना माजिद अली

एनटीए की कार्यशैली पर सवालिया निशान, केंद्रीय शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें : कांग्रेस

रांची(एजेंसी)। कांग्रेस की पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने नीट परीक्षा विवाद को सिर्फ पेपर लीक तक सीमित नहीं बताते हुए पूरे नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाया है।उन्होंने कहा कि यह सिर्फ नीट घोटाला नहीं, बल्कि एनटीए घोटाला है. इसकी सीबीआई एवं ईडी से जांच करायी जानी चाहिये।साथ ही केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से इस्तीफे की मांग की।कांग्रेस मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर अंबा प्रसाद ने कहा कि एनटीए देश में केवल नीट ही नहीं, बल्कि इंजीनियरिंग, मेडिकल, मैनेजमेंट और वैज्ञानिक क्षेत्रों सहित 21 से अधिक परीक्षाएं आयोजित करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्ष 2017 में पारदर्शिता और केंद्रीकरण के नाम पर गठित एनटीए अब छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 23 लाख छात्र नीट परीक्षा से प्रभावित हुए हैं, लेकिन अब तक जवाबदेही तय नहीं हुई है।उन्होंने आरोप लगाया कि पेपर लीक मामले में कुछ कोचिंग संचालकों, दलालों और छोटे व्यापारियों पर कार्रवाई हुई, लेकिन शिक्षा मंत्रालय और एनटीए प्रबंधन पर कोई कार्रवाई नहीं की गयी। सुश्री प्रसाद ने कहा कि यदि नीट जैसी परीक्षा प्रभावित हो सकती है, तो एनटीए द्वारा आयोजित अन्य परीक्षाओं की निष्पक्षता पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।कांग्रेस नेता ने कहा कि परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विशेष कानून बनाया जाना चाहिए और पेपर लीक मामलों की जांच विशेषज्ञ एजेंसी से करायी जानी चाहिये। दोषियों के लिए कठोर सजा का प्रावधान भी होना चाहिये। प्रेस वार्ता में प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा, प्रवक्ता सोनल शांति समेत अन्य नेता उपस्थित थे।

जिला जेल दंतेवाड़ा परिसर एवं परिसर के आस-पास के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन'' घोषित

दंतेवाड़ा (एजेंसी)। कार्यालय अधीक्षक जिला जेल जारी विज्ञप्ति अनुसार जिला जेल दंतेवाड़ा के संपूर्ण परिसर एवं आस-पास के क्षेत्र को सुरक्षा की दृष्टि से भारतीय सुरक्षा संहिता-2023 की प्रासंगिक धाराओं के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एवं स्थानीय पुलिस तथा सुरक्षा एजेंसियों से परामर्श उपरांत जिला जेल दंतेवाड़ा के सम्पूर्ण परिसर के चारों दिशाओं में 200 मीटर की दूरी तक के क्षेत्र को ''नो फ्लाई जोन''घोषित किया जाता है। क्योंकि बिना अनुमति ड्रोन का संचालन जेल परिसर क्षेत्र में सुरक्षा उल्लंघन एवं अवैध निगरानी को बढ़ावा दे सकता है। तद्नुसार – कोई भी व्यक्ति बिना पूर्व लिखित अनुमति जिला दण्डाधिकारी अथवा सक्षम सुरक्षा प्राधिकरण की अनुमति प्राप्त किए बिना इस क्षेत्र में किसी प्रकार के ड्रोन मानवरहित विमान का संचालन नहीं करेगा। अधिसूचित क्षेत्र मंत किसी भी प्रकार की अनाधिकृत ड्रोन गतिविधि दण्डनीय अपराध मानी जाएगी एवं संबंधित कानूनों के अंतर्गत कठोर कार्यवाही की जाएगी। यह अधिसूचना तत्काल प्रभाव से लागू होगी तथा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगी।

14 साल लड़की ने अस्पताल के बाथरूम में बच्ची को दिया जन्म

-पुलिस ने करीबी रिश्तेदार को किया गिरफ्तार, पॉक्सो के तहत मामला दर्ज

रांची (एजेंसी)। झारखंड के गिरिडीह जिले में एक किशोरी ने सरकारी अस्पताल में बच्ची को जन्म देने के बाद रेप के आरोप में एक युवक को रविवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि नाबालिग लड़की ने शुक्रवार शाम को अस्पताल के बाथरूम में एक बच्ची को जन्म दिया, जिसके बाद अस्पताल कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। संभागीय पदाधिकारी ने बताया कि पीड़िता के पिता के बयान के आधार पर प्राथमिकी दर्ज की गई और शनिवार को बेंगाबाद पुलिस थाना क्षेत्र से लड़की के एक करीबी रिश्तेदार को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि लड़की का बयान एक महिला पुलिस अधिकारी ने दर्ज किया और पॉक्सो के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में एक अधिकारी ने बताया कि अस्पताल पहुंचने के तुरंत बाद लड़की बाथरूम गई, जहां उसने एक बच्ची को जन्म दिया। उन्होंने बताया कि बाद में उसने अस्पताल परिसर से निकलने की कोशिश की, लेकिन कर्मचारियों ने उसे रोक लिया और पुलिस को सूचना दी। उन्होंने कहा कि मां और नवजात शिशु को बाद में एम्बुलेंस से दूसरे चिकित्सा केंद्र में ले जाया गया। दोनों स्वस्थ हैं और चिकित्सकीय निगरानी में हैं।

ट्विशा शर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट सख्त, मीडिया से संयम बरतने की अपील

नई दिल्ली (एजेंसी)। मॉडल और अभिनेत्री ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सुनवाई के दौरान मीडिया और दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। मामले की सुनवाई तीन सदस्यीय पीठ कर रही है, जिसकी अध्यक्षता भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे हैं। अदालत ने कहा कि मामले को लेकर मीडिया में आ रहे बयानों और चर्चाओं से जांच प्रभावित हो सकती है, इसलिए किसी भी पक्ष को सार्वजनिक बयानबाजी से बचना चाहिए। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने इस घटना पर दुख जताते हुए कहा कि मृतका की सास एक पूर्व जिला न्यायाधीश हैं और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि न्यायपालिका पर ट्रायल में देरी के आरोप लगाए जा रहे हैं। उन्होंने मीडिया से अपील की कि वह रिश्तेदारों और परिचितों के बयानों को सनसनीखेज तरीके से पेश न करे। अदालत ने यह भी कहा कि जांच प्रक्रिया को निष्पक्ष और शांतिपूर्ण वातावरण में पूरा होने दिया जाना चाहिए। मध्य प्रदेश सरकार की ओर से अदालत को बताया गया कि मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो को सौंपने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। सरकार ने कहा कि मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाएगी। नोएडा निवासी ट्विशा शर्मा 12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स क्षेत्र स्थित अपने घर में संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटकी मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया है, जबकि ट्विशा के परिवार ने पति और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने दहेज उत्पीड़न के आरोप में ट्विशा के पति समर्थ सिंह और उनकी मां गिरिबाला सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया है। भोपाल की एक अदालत ने समर्थ सिंह को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। वहीं गिरिबाला सिंह ने कहा है कि पुलिस ने अब तक इस मामले में उनका बयान दर्ज नहीं किया है। मामले को लेकर लगातार राजनीतिक और सामाजिक प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम करें और मीडिया रिपोर्टिंग तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

अपराधियों के सम्राट जवाब दें कि पिछले 1 महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चे गायब क्यों हुए?- नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव

पटना(एजेंसी)। बिहार में बढ़ते अपराध को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने राज्य की सम्राट सरकार पर तीखा हमला किया है। उन्होंने कहा, आज समूचे बिहार की महिलाएं, बच्चे और आम नागरिक असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। डायलॉग बाजी से ही बिहार सम्भालने की गलतफहमी पाले बैठे 'बयान बहादुर' की सरकार में बिहार की कानून व्यवस्था इतनी बुरी तरह खराब हो चुकी है कि पिछले 1महीने में ही बिहार से 8 हजार 681 बच्चों के गायब हुए है, जिसमें 85 फीसद लड़कियां हैं। बिहार में प्रतिदिन अनेकों दुष्कर्म की जघन्य घटनाएं घटती है। घर में घुसकर महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया जाता है। चंद दिनों में 75 से अधिक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। स्वर्णकारों के साथ दिनदहाड़े लूट की घटनाएँ होती है। हर जिले में हर दिन हत्या, लूट और चोरी की वारदात हो रही है। लेकिन इसके बावजूद पूरे जीवन में बार-बार राजनीतिक गमछा और चश्मा बदलने वाले असहाय मुख्यमंत्री 'एआई तकनीकयुक्त कैमरा' का इस्तेमाल नहीं कर पाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि आर्टिफिशियल बातें करने वाले आर्टिफिशियल सीएम को न तो बिहार की फिक्र है और न ही बिहारवासियों की। बिहार की एनडीए सरकार में पहले रेप पीड़िता नीट छात्रा की हत्या और अब पॉलिटेक्निक परीक्षा देने पटना आई नाबालिग छात्रा के साथ होटल में छेड़छाड़ और अपहरण का प्रयास, बिहार में 'अपराधियों के सम्राट रूप धारण करने का प्रमाण है।' बिहार के अलग-अलग जिलों की छात्राएं पटना में रहकर पढ़ाई करती है लेकिन एनडीए राज में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा बेहद चिंताजनक है। नारी 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, पटना महिलाओं के लिए देश का सबसे असुरक्षित शहर है। तेजस्वी यादव कहते कि पाताल से अपराधियों को ढूंढ़ने का दावा कर डायलॉग बांचने वाले कृत्रिम तरीके से नॉमिनेटेड मुख्यमंत्री बने 'अपराधियों के सम्राट' की सरकार में पुलिस और कानून का डर पूरी तरह से खत्म हो चुका है। बड़बोले मुख्यमंत्री से आग्रह है कि टपोरियों की तरह सड़कछाप डायलॉगबाजी छोड़, रीलबाजी से फुर्सत निकाल कर बिहार की मातृशक्ति की सुरक्षा के लिए कारगर उपाय करें। हम महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होने देंगे।

अचानक सिद्धारमैया को दिल्ली बुलावा, नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें शुरु

आज होने वाली बैठक के एजेंडे में संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल

बैंग्लुरु (एजेंसी)। कर्नाटक कांग्रेस में सीएम पद को लेकर चल रही अंदरूनी कलह और खींचतान के बीच एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। मंगलवार को सीएम सिद्धारमैया को दिल्ली बुलाया है, जहां वे कांग्रेस आलाकमान के साथ बैठक करेंगे। मीडिया रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि अपनी इस यात्रा के दौरान सिद्धारमैया कांग्रेस के शीर्ष नेता राहुल गांधी से भी मुलाकात कर सकते हैं। बुलावे के बाद राज्य में नेतृत्व परिवर्तन को लेकर चल रही अटकलें एक बार फिर तेज हो गई हैं।

आधिकारिक तौर पर इस बैठक के एजेंडे में आगामी संगठनात्मक और चुनावी रणनीतियां शामिल हैं। माना जा रहा है कि सिद्धारमैया आलाकमान के साथ बैठक में इन मुख्य विषयों पर चर्चा कर सकते हैं जिसमें आगामी राज्यसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों के चयन और रणनीति पर बात होना तय है। कर्नाटक में होने वाले आगामी विधान परिषद चुनावों की तैयारियों और टिकट बंटवारे को लेकर भी मंथन होगा। हालांकि, राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि इन चुनावों के बहाने असली बातचीत राज्य सरकार के नेतृत्व और सीएम की कुर्सी को लेकर होना है।

बता दें इससे पहले 20 मई को, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सिद्धारमैया और शिवकुमार के साथ बातचीत की थी। सूत्रों के मुताबिक खड़गे तिरुवनंतपुरम से सिद्धारमैया, शिवकुमार और अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ बेंगलुरु आए थे। बाद में सोमवार को उन्होंने राज्य के ऊर्जा मंत्री के जे जॉर्ज के आवास पर चर्चा की। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में राज्य में हाल के राजनीतिक घटनाक्रमों और सीएम पद को लेकर चल रही लगातार अटकलों पर चर्चा हुई।

यह घटनाक्रम कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के तीन साल पूरे होने के बाद सामने आया। साथ ही, यह सीएम पद को लेकर सिद्धारमैया और उनके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार के बीच चल रही लंबी सत्ता की खींचतान के बीच हुआ है। पिछले साल नवंबर में जब कांग्रेस सरकार ने अपने कार्यकाल का आधा सफर पूरा कर लिया, तो नेतृत्व-साझेदारी का मुद्दा और भी जोर पकड़ गया। इससे इन दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच रोटेशनल मुख्यमंत्री की व्यवस्था को लेकर अटकलें फिर से तेज हो गई हैं।

बता दें पिछले 18 महीनों से शिवकुमार के समर्थक दावा करते आ रहे हैं कि वह जल्द ही सीएम का पद संभाल लेंगे, हालांकि अभी तक ऐसा कोई बदलाव नहीं हुआ है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा कि पिछले तीन सालों से एक ही बात दोहराई जा रही है। राज्य इकाई के भीतर असंतोष बढ़ रहा है। कई नेता आलाकमान से आग्रह कर रहे हैं कि इस भ्रम को जल्द से जल्द खत्म किया जाए। उनका तर्क है कि यह लंबी अनिश्चितता कर्नाटक में पार्टी की छवि को नुकसान पहुंचा रही है। अब तक केंद्रीय नेतृत्व ने कई कारणों का हवाला देते हुए इस पर कोई अंतिम फैसला लेने से परहेज़ किया है।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की चेतावनी – सबका हिसाब होगा

कोलकाता(एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुए कथित हमलों को लेकर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि वर्ष 2021 के विधानसभा चुनावों के बाद हुई हिंसा की कानूनी जांच कराई जाएगी और पीड़ितों को न्याय दिलाया जाएगा। नंदीग्राम में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों पर हुए हमलों का पूरा रिकॉर्ड रखा गया है और समय आने पर कानून के तहत कार्रवाई होगी। हालांकि उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं से कानून हाथ में न लेने की भी अपील की। मुख्यमंत्री के रूप में जीत के बाद पहली बार नंदीग्राम पहुंचे शुभेंदु अधिकारी ने इस क्षेत्र को अपनी राजनीतिक यात्रा का केंद्र बताते हुए भावुक अंदाज में कहा कि यहां के लोगों ने उन्हें हमेशा समर्थन दिया और कई लोगों ने उनके लिए संघर्ष भी किया। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद कई भाजपा समर्थकों के घर तोड़े गए और अनेक लोगों पर हमले हुए। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे किसी प्रकार की प्रतिशोधात्मक कार्रवाई न करें, क्योंकि भाजपा इस तरह की राजनीति में विश्वास नहीं करती। अधिकारी ने कहा कि उन्हें हर घटना याद है और किसी भी पीड़ित को न्याय से वंचित नहीं किया जाएगा।

सड़कों पर जानवर चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं वहां नमाज जायज नहीं

–मौलाना रशीदी ने सीएम योगी का किया समर्थन, मुस्लिमों को पिटवाना चाहती हैं पार्टियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन (एआईआईए) के प्रमुख मौलाना साजिद रशीदी ने सड़क पर नमाज को लेकर शिफ्ट में नमाज को जायज ठहराते हुए कहा कि सड़क नापाक होती है और इसलिए वहां मुसलमानों के इबादत नहीं करनी चाहिए। रशीदी ने कहा कि सड़क पर जानवर भी चलते हैं और लोग थूकते, पेशाब भी करते हैं। उन्होंने मुसलमानों को उकसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कुछ पार्टियां उन्हें पिटवाना चाहती हैं।

एक यूट्यूब चैनल से बातचीत में मौलाना रशीदी ने सड़क पर नमाज ना पढ़ने का सीएम योगी का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि सीएम का बयान बिलकुल सही है। हमने कोरोना काल में भी नमाजे शिफ्ट में पढ़ी हैं। उन्हें पता है कि शिफ्ट में नमाज हो सकती है, इसलिए उन्होंने ऐसा बयान दिया है। पूरे देश और प्रदेश में किसी मौलवी ने उनका खंडन नहीं किया। कोई खंडन कर रहा है तो वह कांग्रेस-सपा के लोग या उनसे जुड़े नेता हैं। उनको पता नहीं दीन के बारे में कि नमाज शिफ्ट में भी पढ़ी जा सकती है।

मौलाना रशीदी ने इस्लाम के दो सिद्धांतों का जिक्र करते हुए बताया कि क्यों सड़क पर नमाज पढ़ना जायज नहीं है। उन्होंने कहा कि इस्लाम का बुनियादी सिद्धांत है कि नमाज नापाक जगह पर नहीं पढ़ी जा सकती है। सड़क पाक नहीं हो सकती है, कैसे पाक होगी जब उस पर लोग, जानवर चलते हैं, थूकते हैं और पेशाब भी करते हैं। सबकुछ होता है तो कैसे नमाज हो सकती है। दूसरा सिद्धांत यह है कि वह मुसलमान नहीं हो सकता है जिससे किसी दूसरे को तकलीफ पहुंचे। अगर आप सड़क जाम करते हैं तो लोगों तकलीफ भी हो सकती है।

मौलाना साजिद रशीदी ने कहा कि कुछ समय पहले तक कुछ मुसलमान अपराधों में लिप्त थे, लेकिन बीजेपी सरकार आने के बाद अब वे शिक्षा की राह पर चल रहे हैं। रशीदी ने कहा कि पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने जो फ्री हैंड दिया था मुसलमानों को उससे कई कमियां आ गईं। उससे मुसलमानों का भला नहीं हुआ, शिक्षा से दूर हो गए। कई बुराइयां उनमें आ गईं। आज मुसलमान 15-20 साल से और जब से बीजेपी सरकार आई है मुसलमानों ने बच्चों को पढ़ाना शुरू कर दिया है। चाहे गरीब मजदूर है वह भी पढ़ा रहा है।

रशीदी ने कहा कि बुलडोजर ऐक्शन को लेकर कहा कि यह उन लोगों के खिलाफ रहा है जो गलत काम में शामिल होते हैं। उन्होंने कहा कि अक्लमंदी इसी में है कि हवा के खिलाफ मत चलो। सपा से जुड़े एक सवाल पर रशीदी ने कहा कि हमें नहीं चाहिए ऐसी पार्टी जिसका मकसद यह हो कि मुसलमान नमाज के लिए सड़क पर उतरे, उनकी पिटाई हो, मुकदमे लगे, जेल जाएं और उनके घर टूटे। क्या अखिलेश यादव बनवा देंगे घर किसी का। आजम खान को तो बचा नहीं पाए।

बीजेपी के माननीय दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचा रहे

–सपा अध्यक्ष अखिलेश ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट पर सरकार को घेरा

लखनऊ (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी सुप्रीमो अखिलेश यादव ने प्रदेश में गहराते बिजली संकट और भीषण गर्मी को लेकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि जनता के बढ़ते आक्रोश से भयभीत बीजेपी विधायक और सांसद अब दिखावटी चिट्ठियां लिखकर अपनी राजनीतिक जमीन बचाने में जुटे हैं। अखिलेश ने आरोप लगाया कि यह जनहित की चिंता नहीं, बल्कि आगामी चुनावों से पहले डूबती बीजेपी से दूरी बनाकर अपनी सियासत सुरक्षित करने की कोशिश है, जबकि बिजली संकट और अव्यवस्था का खामियाजा आम जनता भुगत रही है।

अखिलेश ने सोमवार को एक्स पर लिखा कि यूपी में असहनीय 'महा विद्युत आपदा' की वजह से लगातार बढ़ते आक्रोश से बचने के लिए भयभीत भाजपाई विधायक-सांसद दिखावटी चिट्ठियों के रूप में जिस 'कागजी कवच' से खुद को बचाना चाह रहे हैं, वह चिट्ठी दरअसल अपनी सरकार को लिखा कोई 'जनहित का पत्र' नहीं, बल्कि बीजेपी रूपी डूबते जहाज को छोड़कर आगामी चुनावों में विपक्ष से टिकट पाने के लिए लिखा गया 'आवेदन पत्र' है। उन्होंने लिखा कि हमारे गठबंधन में ऐसे नेताओं के लिए कोई जगह नहीं है, जो जनता को दुख-दर्द और दिक्कतों के सिवा कुछ नहीं देते। इस जानलेवा गर्मी में परिवारों के बड़े-बुजुर्गों, बीमारों, बच्चों और खाने-पानी की व्यवस्था में जुटी महिलाओं की क्या दुर्दशा हो रही है, यह केवल परिवार वाले ही समझ सकते हैं। अखिलेश ने कहा कि कभी आपदा में अवसर ढूंढने वालों ने अवसर की जगह जिस 'अफसर' को ढूंढा था, वही अफसर अब स्वयं आपदा साबित हो रहा है। समस्या का समाधान पूछने पर दोनों हाथ खड़े करके नारे लगाकर बच निकलने वालों के रहते समस्या नहीं सुलझेगी। अखिलेश ने कहा कि यूपी की बीजेपी सरकार भी जानती है कि अब वह कभी वापस नहीं आएगी, इसलिए वह जनता की मुश्किलों और मांगों को पूरी तरह नजरअंदाज करके बस अपने खजाने भरने में लगी है।

यामाहा म्यूजिक इंडिया ने ट्रिनिटी कॉलेज लंदन के सहयोग से "टीन्स रॉक 2026-द बैटल ऑफ बैंड्स" के 7वें संस्करण की घोषणा की

नई दिल्ली (शिखर समाचार)। यामाहा म्यूजिक इंडिया ने अपने प्रमुख कार्यक्रम "टीन्स रॉक - द बैटल ऑफ बैंड्स" के 7वें संस्करण की घोषणा की है, जो पूरे भारत में युवा संगीतकारों को समर्थन और प्रोत्साहन देने के अपने प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है। इस वर्ष का संस्करण ट्रिनिटी कॉलेज लंदन द्वारा संचालित किया जाएगा, जिससे संगीत शिक्षा और प्रदर्शन उत्कृष्टता पर मंच का फोकस और मजबूत होगा। यह प्रतियोगिता छह वर्षों के बाद और भी बड़े स्वरूप में वापस लौटी है। ट्रिनिटी कॉलेज लंदन के सहयोग से इस वर्ष का संस्करण स्कूलों और म्यूजिक अकादमियों दोनों के लिए खुला होगा, जिससे मंच की पहुंच उभरती हुई युवा प्रतिभाओं के बड़े समुदाय तक विस्तारित होगी। इस घोषणा पर बोलते हुए, यामाहा म्यूजिक इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री केन्नेई सकाई ने कहा, ह्लटीन्स रॉक 2026 केवल एक प्रतियोगिता नहीं है, बल्कि यह एक ऐसा मंच है जो युवा कलाकारों के बीच रचनात्मकता, सहयोग और संगीत के प्रति जुनून का उत्सव मनाता है। हम छह वर्षों के बाद ट्रिनिटी कॉलेज लंदन के साथ इस कार्यक्रम को वापस लाकर बेहद उत्साहित हैं और स्कूलों तथा म्यूजिक अकादमियों से अगली पीढ़ी की संगीत प्रतिभाओं को खोजने के लिए उत्सुक हैं। अपने लॉन्च के बाद से, टीन्स रॉक भारत की सबसे प्रतिष्ठित संगीत प्रतियोगिताओं में से एक बन चुका है, जो देशभर के प्रतिभाशाली संगीतकारों को एक साथ लाकर उन्हें पेशेवर मंच पर प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान करता है। यह प्रतियोगिता कई शहरों में विभिन्न चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसके बाद 4 अक्टूबर 2026 को बेंगलुरु में ग्रैंड फिनाले होगा। प्रतिभागी बैंड्स प्रतिष्ठित जजों, लाइव दर्शकों और संगीत उद्योग के प्रसिद्ध पेशेवरों के सामने प्रस्तुति देंगे। विजेता बैंड को यामाहा के म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ टीन्स रॉक 2026 विनर का प्रतिष्ठित खिताब प्रदान किया जाएगा। ट्रिनिटी कॉलेज लंदन के साथ यह सहयोग इस पहल में अतिरिक्त संगीत शिक्षा विशेषज्ञता और व्यापक दृष्टिकोण लाने की उम्मीद रखता है। यामाहा म्यूजिक इंडिया के सेल्स यूनिट हेड श्री रयोजी मारुयामा ने कहा, टीन्स रॉक 2026 अब स्कूलों और म्यूजिक अकादमियों दोनों के लिए खुला है, इसलिए हम इस मंच की पहुंच को भारत भर के और अधिक संगीतकारों तक विस्तारित करने को लेकर उत्साहित हैं। ट्रिनिटी कॉलेज लंदन में, हम संगीत शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्ति में दृढ़ विश्वास रखते हैं। यह साझेदारी छात्रों के बीच रचनात्मकता, आत्मविश्वास, सहयोग और कलात्मक अभिव्यक्ति को विकसित करने की हमारी प्रतिबद्धता को दशार्ती है, ट्रिनिटी कॉलेज लंदन के इंडिया हेड सचिन दास ने कहा। टीन्स रॉक 2026 का 7वां संस्करण अगली पीढ़ी के संगीतकारों को बड़े सपने देखने, और अधिक जोश के साथ प्रदर्शन करने और अपने संगीत सफर को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रेरित करने का लक्ष्य रखता है। यामाहा म्यूजिक इंडिया के बारे में: मार्च 2008 में स्थापित, यामाहा म्यूजिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, यामाहा कॉर्पोरेशन के वैश्विक समूह का हिस्सा है और भारत में यामाहा के संपूर्ण म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स और ऑडियो प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराती है। ट्रिनिटी कॉलेज लंदन के बारे में: ट्रिनिटी कॉलेज लंदन यूनाइटेड किंगडम के लंदन स्थित एक अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने वाला संगठन, प्रकाशक और स्वतंत्र शैक्षिक चैरिटी है।

शहर के विकास में बाधा न बने बिटूमिन्स के बढ़े दाम, नगर आयुक्त ने ठेकेदारों को दिए सख्त निर्देश

निर्माण कार्यों में लापरवाही और जन असुविधा बर्दाश्त नहीं : नगर आयुक्त

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सोमवार को निर्माण विभाग के अधिकारियों एवं ठेकेदारों के साथ विशेष बैठक कर शहर में चल रहे विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में वायु गुणवत्ता सुधार, 15वें वित्त आयोग एवं अवस्थापना निधि के अंतर्गत लगभग 160 करोड़ रुपये लागत के 85 निर्माण कार्यों को तत्काल प्रभाव से शुरू कराने के निर्देश दिए गए।

बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों और ईरान युद्ध के प्रभाव से बढ़े बिटूमिन्स के दामों पर भी चर्चा हुई। नगर आयुक्त ने स्पष्ट कहा कि बढ़ी हुई लागत किसी भी स्थिति में शहर के विकास कार्यों में बाधा नहीं बननी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन फर्मों को वर्क ऑर्डर

जारी किए जा चुके हैं, वे बिना देरी कार्य प्रारंभ करें।

नगर आयुक्त ने कहा कि नगर निगम द्वारा

भुगतान प्रक्रिया को पहले की अपेक्षा अधिक सुगम और व्यवस्थित बनाया गया है तथा ठेकेदारों की समस्याओं के समाधान में भी निगम सहयोग कर रहा है। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग बढ़ाने और लापरवाही पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

बैठक में उपस्थित ठेकेदारों ने नगर आयुक्त को आश्वस्त किया कि वे शीघ्र ही कार्य प्रारंभ करेंगे तथा वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बावजूद शहर हित को प्राथमिकता देते हुए विकास कार्यों को गति दी जाएगी।

नगर आयुक्त ने विशेष रूप से इंदिरापुरम समेत शहर के सभी जोनों में चल रहे निर्माण कार्यों के दौरान आम जनता की सुविधा का ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों के कारण नागरिकों को अनावश्यक परेशानी न हो तथा सभी कार्य निर्धारित मानकों और नियमों के तहत तेजी से पूरे किए जाएं। बैठक में मुख्य अभियंता निर्माण नरेंद्र कुमार चौधरी, अधिशासी अभियंता विपुल सहित निर्माण विभाग की टीम उपस्थित रही।

हाईवे पर चलती कार बनी आग का गोला, चंद सेकेंड में जलकर राख

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजमार्ग-9 पर सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पिलखुवा क्षेत्र के निजामपुर स्थित शिवा ढाबे के सामने काशीपुर से दिल्ली जा रही एक निसान टेरैनो कार में अचानक आग लग गई। कुछ ही सेकेंड में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। चालक ने तत्परता दिखाते हुए वाहन को सड़क किनारे रोककर सभी सवारों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार के इंजन से पहले

धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसे चालक ने सामान्य तकनीकी खराबी समझा, लेकिन देखते ही देखते धुआं आग की लपटों में बदल गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन केंद्र पिलखुवा और हापुड़ की टीमें मौके पर पहुंचीं। लीडिंग फायरमैन संजीव कुमार के नेतृत्व में दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक लाखों रुपये कीमत की कार पूरी तरह जल चुकी थी। मुख्य अग्निशमन अधिकारी अजय शर्मा ने बताया कि प्रारंभिक जांच में इंजन में तकनीकी खराबी अथवा शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने की संभावना सामने आई है। समय रहते कार्रवाई कर आग को आसपास फैलने से रोक लिया गया।

16 जुलाई को निकलेगी भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा

हापुड़ (शिखर समाचार)। भगवान जगन्नाथ रथयात्रा सेवा समिति के तत्वावधान में आगामी 16 जुलाई को शहर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली जाएगी। रथयात्रा को लेकर समिति ने तैयारियां प्रारंभ कर दी हैं और श्रद्धालुओं में उत्साह का माहौल है। समिति के पदाधिकारियों हरिओम अग्रवाल एवं अजय सिंघल ने बताया कि जगन्नाथ मंदिर पुरी के निदेर्शानुसार हापुड़ में रथयात्रा की तिथि 16 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। वर्ष 2001 से लगातार प्रत्येक वर्ष इस धार्मिक आयोजन

का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होते हैं। रथयात्रा 16 जुलाई की सुबह पुराना बाजार स्थित शिव मंदिर से प्रारंभ होगी और विभिन्न मार्गों से गुजरते हुए दोपहर में लक्ष्मी नारायण मंदिर पहुंचेगी, जहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के विग्रहों का विश्राम होगा। समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

गंगा दशहरा पर आस्था का महासंगम : लाखों श्रद्धालुओं ने लगाई मां गंगा में पुण्य की डुबकी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि पर मनाए जाने वाले पावन गंगा दशहरा पर्व पर तीर्थ नगरी बृजघाट, पुष्पावती पुठ एवं गंगा खादर के कच्चे स्नान घाटों पर आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे लाखों श्रद्धालुओं ने मां गंगा में स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया तथा अपने इष्ट देवों का स्मरण करते हुए परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की। पर्व के अवसर पर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उल्लास और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिला। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के साथ पूजा-अर्चना, दान-पुण्य और धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। मेले की व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए एडीजी जोन भानु भास्कर, पुलिस महानिरीक्षक कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी कविता मीणा, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक विनीत भटनागर, एसडीएम श्रीराम यादव, क्षेत्राधिकारी वरुण मिश्रा, स्तुति सिंह तथा अधिशासी अधिकारी पवित्रा त्रिपाठी सहित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारी लगातार निगरानी में जुटे रहे। भीषण गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं के उत्साह में कोई कमी नहीं दिखी। पुलिस प्रशासन और नगर पालिका द्वारा सुरक्षा, यातायात, पेयजल, चिकित्सा तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था किए जाने से श्रद्धालुओं को काफी राहत मिली और पर्व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

1942 के अमर शहीदों को मिलेगा सम्मान? अवनीश त्यागी ने मुख्यमंत्री के समक्ष उठाया हापुड़ के ऐतिहासिक स्मारक का मुद्दा

हापुड़ (शिखर समाचार)। स्वतंत्रता संग्राम के अमर बलिदानियों की स्मृतियों को सहेजने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अवनीश त्यागी ने सोमवार को लखनऊ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात कर हापुड़ के ऐतिहासिक शहीद स्मृति स्थल को अतिक्रमणमुक्त कराने और उसके व्यापक सौंदर्यीकरण की मांग की। उन्होंने कहा कि यह स्थल केवल एक स्मारक नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले वीर सपूतों के अदम्य साहस और बलिदान का जीवंत प्रतीक है। अवनीश त्यागी ने मुख्यमंत्री को बताया कि 11 अगस्त 1942 को भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान हापुड़ के अतरपुरा चौराहे पर अंग्रेजी हुकूमत के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे स्वतंत्रता सेनानियों पर ब्रिटिश पुलिस ने गोलियां बरसाई थीं। इस गोलीकांड में चार वीर क्रांतिकारियों ने मातृभूमि की रक्षा और स्वतंत्रता के संकल्प के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी थी। आज भी

स्मृति स्थल पर मौजूद गोलियों के निशान उस ऐतिहासिक संघर्ष और बलिदान की कहानी बयां करते हैं।

उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण रूप से स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति से जुड़ा यह महत्वपूर्ण स्थल वर्षों से उपेक्षा और अतिक्रमण का शिकार बना हुआ है। स्मारक की बदहाल स्थिति को लेकर क्षेत्र के लोगों में गहरी नाराजगी है। स्थानीय नागरिक लंबे समय से इसकी सुरक्षा, संरक्षण और विकास की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक अपेक्षित कदम नहीं उठाए गए हैं।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता ने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि आजादी के अमृत काल में शहीदों के सम्मान और राष्ट्रभक्ति की भावना को मजबूत करने के लिए इस ऐतिहासिक स्थल को तत्काल कब्जामुक्त कराया जाए तथा इसे एक भव्य और प्रेरणादायी स्मारक के रूप में विकसित किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि स्मारक का संरक्षण और सौंदर्यीकरण किया जाता है तो यह आने वाली पीढ़ियों को देशभक्ति, त्याग और राष्ट्रसेवा की प्रेरणा देने वाला प्रमुख केंद्र बन सकता है। मुख्यमंत्री ने पूरे विषय को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक कार्रवाई कराने का आश्वासन दिया। क्षेत्रीय जनता को उम्मीद है कि सरकार के हस्तक्षेप से स्वतंत्रता संग्राम की इस अमूल्य धरोहर को नया स्वरूप मिलेगा और शहीदों के सम्मान से जुड़ी वर्षों पुरानी मांग जल्द पूरी होगी।

जनगणना कर रही महिला शिक्षिका से अभद्रता महंगी पड़ी, बहादुरगढ़ पुलिस ने दो आरोपियों को दबोचा

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार)। बहादुरगढ़ पुलिस ने जनगणना कार्य के दौरान महिला शिक्षिका से अभद्रता करने के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस द्वारा अपराधों की रोकथाम एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। जानकारी के अनुसार जनगणना कार्य में लगी एक महिला शिक्षिका के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने की शिकायत मिलने पर बहादुरगढ़ पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की और कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपक पुत्र जगदीश एवं सोनू पुत्र राजवीर, निवासी कस्बा व थाना बहादुरगढ़, जनपद हापुड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि महिला सम्मान एवं सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

आईएमएस गाजियाबाद में हार्वर्ड प्रबंधन मार्गदर्शक सम्मान समारोह आयोजित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आईएमएस गाजियाबाद यूनिवर्सिटी कोर्सेज कैंपस के सभागार में हार्वर्ड प्रबंधन मार्गदर्शक सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न पाठ्यक्रमों के कुल 549 विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इनमें बीबीए के 350, बीसीए के 68, बीएससी के 100 तथा बीएजेएमसी के 31 छात्र-छात्राएं शामिल रहे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को रणनीतिक सोच, लक्ष्य निर्धारण, रणनीति योजना एवं क्रियान्वयन, प्रक्रिया सुधार, परियोजना प्रबंधन, नवाचार एवं रचनात्मकता, व्यवसाय योजना विकास, कार्यस्थल नैतिकता, संकट प्रबंधन, वार्ता कौशल, डिजिटल बुद्धिमत्ता तथा जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमत्ता के साथ नेतृत्व जैसे विषयों में प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

डॉ राकेश छारिया ने प्रमाणन पूरा करने वाले सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों को आधुनिक उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करते हैं और उनके पेशेवर कौशल को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुख्य अतिथि अंकुश जौहरी ने कहा कि इस प्रकार के पाठ्यक्रम बड़ी कंपनियों के कर्मचारियों के साथ-साथ विद्यार्थियों के बीच भी तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए संस्थान की पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम रोजगार क्षमता और कार्यकुशलता को बढ़ाने में सहायक सिद्ध होते हैं। संस्थान की निदेशक डॉ जसकिरण कौर ने कहा कि विद्यार्थियों को अपने करियर के लिए स्वयं को निरंतर विकसित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, रणनीतिक सोच और संवाद कौशल को मजबूत बनाने का अवसर प्रदान करते हैं। कार्यक्रम में डॉ गीति शर्मा, डॉ महेश कुमार विभिन्न विभागाध्यक्षों तथा संकाय सदस्यों की उपस्थिति रही। वक्ताओं ने बताया कि हार्वर्ड प्रबंधन मार्गदर्शक कार्यक्रम वास्तविक कार्यस्थल की परिस्थितियों और व्यावसायिक चुनौतियों पर आधारित है, जिसमें अध्ययन प्रकरण, अनुकरण अभ्यास, संवादात्मक गतिविधियां और आत्ममूल्यांकन जैसी व्यावहारिक शिक्षण पद्धतियों को शामिल किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉरपोरेट जगत के लिए तैयार करना तथा उनके व्यक्तित्व और पेशेवर कौशल का समग्र विकास करना है।

वैष्णो देवी जा रही श्रद्धालुओं की बस में कैंटर ने मारी टक्कर, चार घायल

हापुड़ (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय राजमार्ग-335ए पर सोमवार तड़के श्रद्धालुओं से भरी बस और कैंटर की टक्कर में चार लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में चीख-पुकार सुनाई देने लगी। सूचना मिलते ही पुलिस और एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची तथा घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। जानकारी के अनुसार फिरोजाबाद से श्रद्धालुओं को लेकर माता वैष्णो देवी दर्शन के लिए जम्मू-कश्मीर जा रही बस सुबह करीब तीन बजे रघुनाथ कोल्ड स्टोर के निकट पहुंची थी। इसी दौरान पीछे से आ रहे तेज रफ्तार कैंटर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस में बैठे यात्रियों में हड़कंप मच गया। दुर्घटना में कैंटर चालक सोनू पुत्र हरपाल सिंह निवासी मथुरा समेत श्रद्धालु सुखवीर (55), सुदामा (68) और रामशरण निवासी फिरोजाबाद घायल हो गए। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से सभी घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। राहत की बात यह रही कि किसी भी यात्री को गंभीर चोट नहीं आई। पुलिस ने क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया। क्षेत्राधिकारी पिलखुवा अनीता चौहान ने बताया कि बुलंदशहर-हापुड़ मार्ग पर इमटोरी कोल्ड स्टोर के निकट बस और कैंटर की टक्कर की सूचना मिलने पर तत्काल पुलिस टीम मौके पर भेजी गई। दुर्घटना में चार लोग घायल हुए हैं, जिनका उपचार कराया जा रहा है।

18 लाख की अवैध शराब के साथ दो अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

हापुड़/पिलखुवा (शिखर समाचार)। अवैध शराब तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना पिलखुवा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अंतरराज्यीय शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 250 पेटी अवैध शराब, दो मोबाइल फोन, 10 हजार रुपये नकद तथा एक केंटर ट्रक बरामद किया है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 18 लाख रुपये बताई जा रही है।

थाना प्रभारी निरीक्षक अतुल कुमार ने बताया कि एसपी के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के दौरान पुलिस टीम ने छिजारसी टोल के आगे चेकिंग के दौरान दोनों आरोपियों को दबोच लिया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान छोटन साहनी पुत्र फकीरा साहनी निवासी गोपालपुर, थाना मुसहरी, जनपद मुजफ्फरपुर तथा नीरज कुमार पुत्र नंद किशोर साहनी निवासी बसंता, थाना लालगंज, जनपद वैशाली (बिहार) के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी हरियाणा से अवैध शराब लाकर बिहार में ऊंचे दामों पर सप्लाई करते थे, जहां शराबबंदी लागू होने के कारण इसकी मांग अधिक रहती है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

धर्म, सत्य और वैराग्य का संदेश देती श्रीमद्भागवत कथा

मुरादनगर (शिखर समाचार)। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ समिति के तत्वावधान में विजय मंडी में आयोजित सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के द्वितीय दिवस पर कथाव्यास मुकेश कुमार शास्त्री ने महाभारत प्रसंग, श्रीमद्भागवत के 24 अवतारों तथा शुकदेव जी के जन्म की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथाव्यास ने कहा कि महाभारत केवल युद्ध की कथा नहीं, बल्कि धर्म, सत्य और कर्तव्य का संदेश देने वाला महान ग्रंथ है। उन्होंने श्रीमद्भागवत में वर्णित भगवान विष्णु के 24 अवतारों की महिमा बताते हुए कहा कि जब-जब पृथ्वी पर अधर्म बढ़ा, तब-तब भगवान ने विभिन्न अवतार धारण कर भक्तों की रक्षा की और धर्म की स्थापना की। उन्होंने बताया कि महर्षि वेदव्यास ने कठोर तपस्या कर ऐसे पुत्र की कामना की थी, जो जन्म से ही ज्ञानी, वैराग्यवान और ब्रह्मज्ञानी हो। भगवान की कृपा से उनके यहां शुकदेव जी का जन्म हुआ। शुकदेव

जी लगभग 12 वर्षों तक अपनी माता के गर्भ में रहे, क्योंकि उन्हें भय था कि संसार में आते ही मनुष्य माया-मोह में फंस जाता है। तब महर्षि वेदव्यास ने भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान किया और भगवान ने गर्भ में स्थित शुकदेव जी को आश्वासन दिया कि उन पर माया का प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसके बाद शुकदेव जी गर्भ से बाहर आए। जन्म लेते ही वे पूर्ण युवा अवस्था में थे और तत्काल वन की ओर तपस्या के लिए प्रस्थान कर गए। महर्षि वेदव्यास उनके पीछे पीछे पुत्र! पुत्र! कहकर पुकारते रहे, लेकिन शुकदेव जी संसारिक संबंधों से परे थे। कथा के दौरान कथाव्यास ने वह प्रसंग भी सुनाया, जब वन में सरोवर में स्नान कर रही स्त्रियों ने शुकदेव जी को देखकर वस्त्र धारण नहीं किए, क्योंकि वे उनकी निर्मल और निर्विकार दृष्टि को पहचान चुकी थीं। वहीं, महर्षि वेदव्यास के वहां पहुंचने पर स्त्रियों ने संकोचवश वस्त्र धारण कर लिए। इस प्रसंग के माध्यम से शुकदेव जी के परम वैराग्य और ब्रह्मज्ञान का वर्णन किया गया, जिसे सुन श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा के समापन पर आरती एवं भजन कीर्तन के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित कार्यक्रम को लेकर प्रशासन ने शुरू की तैयारियां

बिजनौर (शिखर समाचार)। जनपद बिजनौर में आगामी 30 मई 2026 को प्रस्तावित मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विकास खंड अफजलगढ़ के ग्राम आलमपुर गांवड़ी क्षेत्र में संभावित भ्रमण कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में संबंधित अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध ढंग से पूरी कर ली जाएं। उन्होंने सभी नोडल अधिकारियों को अपने-अपने दायित्व पूरी जिम्मेदारी और सतर्कता के साथ निभाने के निर्देश दिए तथा कार्यों की प्रगति से समय-समय पर अवगत कराने को कहा। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग, यातायात प्रबंधन, पार्किंग, स्वास्थ्य सेवाएं एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान हेलीकॉप्टर लैंडिंग स्थल, सभास्थल, प्रेस गैलरी, सेफ हाउस और पार्किंग स्थलों पर सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप तैयार करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी रणविजय सिंह, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. कौशलेंद्र सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दिनकर भारती सहित लोक निर्माण विभाग, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत, कृषि एवं अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

पशु के साथ कुकर्म करने के मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज, आरोपी पर कार्रवाई

दादरी (शिखर समाचार)। कोतवाली दादरी क्षेत्र के जीटी रोड स्थित नवीन मंडी में पशु के साथ कुकर्म करने के मामले में नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कार्रवाई की है। प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार मिश्रा ने बताया कि जीटी रोड स्थित नवीन मंडी समिति में फल, सब्जी और अनाज का थोक कारोबार होता है, जहां आवारा पशु भी घूमते रहते हैं।

आवश्यकता है

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि चौधरी महेन्द्र सिंह गर्ल्स कालेज लांक शामली में BBA, BCA, BSc, Bio / Math कॉर्स हेतु अनुभवी प्रवक्ताओं की आवश्यकता है, योग्यता UGC NET/PHD वेतन UGC के नियमानुसार। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें।

मोबाइल नंबर 7248489696

संक्षिप्त समाचार

पाइप लाइन में लीकेज, घरों में पहुंच रहा गंदा पानी

अलीगढ़ , एजेंसी। शहर के रसलगंज सराय रहमान के वार्ड नंबर–42 के लोग इन दिनों गंदगी और दूषित पेयजल की समस्या से जूझ रहे हैं। इलाके में पाइपलाइन में लीकेज है। इस कारण गंदा पानी घरों तक पहुंच रहा है।लोगों का कहना है कि सुबह–शाम पेयजल की आपूर्ति कुछ समय के लिए ही होती है, लेकिन शुरुआत में पानी बेहद गंदा आता है। जब तक साफ पानी आता है, तब तक जलापूर्ति बंद हो जाती है। इससे लोगों को पीने और घरेलू कामों के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। धोबी वाली गली में तीन महीने पहले पानी की पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी। इसके बाद से न तो पानी की समस्या दूर हुई और न रास्ता सही कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में सफाई नहीं हो रही, जिससे नाले–नालियां कूड़े से अटे रहते है और बदबू के कारण लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। लोगों ने बताया कि सफाई कर्मचारी कभी–कभार आते भी हैं तो सिर्फ मुख्य रास्तों तक ही सफाई करके चले जाते है। अंदरूनी गलियों में कूड़ा लंबे समय तक जमा रहता है।

दीप्ति सिंह ने 22 हजार बेटियों को ताइक्वांडो से बनाया आत्मनिर्भर

अलीगढ़ , एजेंसी। दीप्ति सिंह बेटियों को आत्मरक्षा और आत्मविश्वास का पाठ पढ़ाकर सशक्त बनाने का सराहनीय कार्य कर रही हैं। वह आज अलीगढ़ ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश में महिला सशक्तिकरण की मिसाल बन चुकी हैं। अलीगढ़ रत्न से सम्मानित दीप्ति 2014 से अब तक 22 हजार बेटियों को निशुल्क ताइक्वांडो एवं आत्मरक्षा प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बना चुकी हैं।ब्लैक बेल्ट धारक दीप्ति ने वर्ष 2010 में प्रशिक्षण लेना शुरू किया था। वर्ष 2013 में उन्होंने ब्लैक बेल्ट हासिल की। उन्होंने कानपुर में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभा दिखाई। इसके बाद उन्होंने भूटान और देहरादून में अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देश का प्रतिनिधित्व किया। दीप्ति अब तक 22 हजार से अधिक छात्राओं को ताइक्वांडो एवं आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दे चुकी हैं। वर्तमान में वह अपनी टीम के साथ कई शिक्षण संस्थानों में नियमित प्रशिक्षण दे रही हैं। राष्ट्रीय प्रशिक्षिका एवं राष्ट्रीय रेफरी के रूप में उनकी डॉक्यूमेंट्री डीडी नेशनल पर प्रसारित हो चुकी है। वर्ष 2017 में छात्राओं की असामाजिक तत्वों से रक्षा में साहसिक भूमिका निभाने पर उन्हें अलीगढ़ रत्न सम्मान से नवाजा गया था।

जिले में पहली बार आईपीएल की तर्ज पर होगी हॉकी लीग

आगरा , एजेंसी। जिले में पहली बार क्रिकेट के आईपीएल की तर्ज पर हॉकी मास्टर फ्यूजन प्रीमियर लीग का आयोजन होने जा रहा है। यह टूर्नामेंट 25 से 29 मई तक एकलव्य स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेला जाएगा। लीग में कुल छह फ्रेंचाइजी टीमें हिस्सा लेंगी, जिनके बीच प्रतिदिन शाम सात बजे और रात आठ बजे मुकाबले होंगे।आयोजन सचिव राजीव सोई ने बताया कि यह आगरा का पहला हॉकी टूर्नामेंट है जो पूरी तरह दूधिया रोशनी में खेला जाएगा। टीमों का चयन नीलामी प्रक्रिया के जरिये हुआ है। हर गोल पर बॉन फायर जलाकर जश्न मनाने की भी तैयारी है। इस लीग में छह फ्रेंचाइजी टीमें हैं।इन टीमों में शहर और आसपास के अनुभवी व युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। शारदा शार्क की कमान शकील खान संभालेंगे, जबकि प्रेम मोटर्स का नेतृत्व उत्कर्ष अग्रवाल करेंगे। योद्धा फिलकर्स के मेंटर मनोज शर्मा हैं, रॉयल एनफील्ड टीम को मनोज जादौन संभालेंगे। जर्मन होम्यो मेडी सेंटर टीम के साथ नकुल गौतम और बंसल ऐश टैग यूनिफॉर्म टीम के साथ सजल गुप्ता जुड़े हैं।उपाध्यक्ष धर्मेंद्र बघेल ने बताया कि उद्घाटन समारोह 25 मई को होगा। टूर्नामेंट में अजय सिंह राजपूत, गोपाल भगत, हेमंत शर्मा, शाहिद अंसारी, गुरप्रीत सिंह, गौरव शर्मा, अमरजीत सिंह, गुलफाम, प्रभदीप सिंह, आमीन उल्लाह खान, शाहरुख मलिक, अमिताभ गौतम और अनुज सिंह जैसे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

आईपीएल फैन पार्क में उमड़े क्रिकेट प्रेमी, स्टेडियम जैसा रहा रोमांच

आगरा , एजेंसी। जीआईसी मैदान में सजे आईपीएल फैन पार्क में शनिवार शाम को हजारों क्रिकेट प्रेमी उमड़े। विशाल एलईडी स्क्रीन पर उन्होंने लाइव मैच देखा। आयोजकों ने दर्शकों को किसी स्टेडियम में मैच देखने जैसा अनुभव देने का प्रयास किया था। हर चौके–छक्के और विपक्षी टीम के विकेट गिरने पर दर्शकों की तालियां और सीटियों का शोर गूंजता रहा। मैदान में मौजूद भीड़ अपने पसंदीदा खिलाड़ियों और टीमों के समर्थन में जोश से लबरेज दिखी। शाम ढलते ही क्रिकेट प्रेमी युवा दोस्तों और परिवार के बच्चों के साथ इस क्रिकेट महोत्सव का हिस्सा बनने पहुंच गए। जैसे–जैसे मुकाबला रोमांचक होता गया, दर्शकों का उत्साह भी बढ़ता गया। हाई क्वालिटी विशाल एलईडी स्क्रीन, दमदार साउंड सिस्टम और लाइव कमेंट्री ने मैच के रोमांच को कई गुना बढ़ा दिया।युवाओं ने लखनऊ सुपर जॉइंट्स और किंग्स पंजाब जैसी टीमों का समर्थन किया। दूर बैठे लोगों को भी मैच का हर पल साफ दिखाई दे रहा था। खुले मैदान में बैठकर देर रात तक लोगों ने मैच का आनंद लिया।

पान के बरेजों के खात्मे से बिगड़ा बुंदेलखंड का पर्यावरण संतुलन

अब गर्म हवाओं को नहीं मिल पा रही नमी

लखनऊ, एजेंसी। पान के बरेजों के खात्मे से बुंदेलखंड का पर्यावरण संतुलन बिगड़ गया है। पहाड़ों से टकराकर नीचे आने वाली गर्म हवाओं को अब नमी नहीं मिल पाती है। पान के बरेजे तापमान घटाने में अहम भूमिका निभाते थे। रखरखाव का अभाव और उचित मूल्य नहीं मिलने से बरेजे खत्म हो गए।

यूपी के महोबा में देशी-देशावरी पान के बरेजे तेजी से खत्म हो रहे हैं। तालाबों और बरेजों की कमी बुंदेलखंड के पर्यावरण संतुलन को बिगाड़ रही है। वनस्पति वैज्ञानिकों का तर्क है कि हरियाली कम होने से तापमान में लगातार वृद्धि होगी। यह स्थिति किसानों और पर्यावरण दोनों के लिए हानिकारक है।

महोबा में कभी 550 एकड़ में पान की खेती होती थी। अब यह घटकर केवल 17 से 20 एकड़ में सिमट गई है। राष्ट्रीय

वनस्पति अनुसंधान संस्थान के पूर्व प्रधान वैज्ञानिक डॉ. राम सेवक चौरसिया ने इसे अनदेखी का परिणाम बताया।

उन्होंने कहा कि पान की खेती खत्म होने से पर्यावरण को भी नुकसान हुआ है। पान के बरेजे स्थानीय स्तर पर तापमान को नियंत्रित करते थे। वे लू के थपेड़ों को शांत करने में बड़ी भूमिका निभाते थे। बरेजों पर निरंतर पानी का छिड़काव होता था। इससे गुजरने वाली गर्म हवाएं ठंडी हो जाती थीं।

शीतलता के द्वीप और पर्यावरणीय लाभ

डॉ. राम सेवक चौरसिया के अनुसार, पान के बरेजों को शीतलता का द्वीप कहा जाता था। उनसे वाष्पीकरण से पैदा होने वाली ठंडक आगे बढ़ती थी, जिससे ग्रामीण इलाकों का तापमान स्थिर रहता था। अब बरेजे नहीं होने से बुंदेलखंड की धूप लू के असर को कई गुना बढ़ा देती है। यही वजह है कि यहां का तापमान 40 से 45 डिग्री तक पहुंच गया है।

पान की लताएं हवा को सर्द बनाती हैं : वीर भूमि राजकीय महाविद्यालय के वनस्पति विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. अनुराग सिंह कहते हैं कि हरियाली कम होने से तापमान में वृद्धि होगी। पान के बरेजे का सिमटना केवल खेती का संकट नहीं, बल्कि गंभीर पर्यावरणीय नुकसान भी है। पान की लताएं नाजुक होती है। वे धूप बर्दाश्त नहीं कर पाती हैं, लेकिन हवा को सर्द बनाती हैं। तापमान को संतुलित करती हैं। हवा में मौजूद प्रदूषण को सोख कर खत्म करती हैं।

जीआई टैगिंग के बाद भी नहीं मिला पान शोध अधिकारी : महोबा के पान को 2022 में जीआई टैग मिला है। हालांकि, यहां के पान शोध केंद्र में सात साल से कोई शोध अधिकारी नहीं है। विभागीय रिपोर्ट बताती है कि 1970 में 200 एकड़ पान की खेती थी, जो 1975-80 तक 55 एकड़ रह गई। 1995 में यह 550 एकड़ तक पहुंची, पर 2002 के बाद इसमें गिरावट आई। अब यह 17 से 20 एकड़ में सिमट गई है। रखरखाव का अभाव और उचित मूल्य न मिलना इसकी मुख्य वजहें हैं।

किसानों की मांग और समस्याएं : पान किसान राजित राम बताते हैं कि बांस की लागत 200 रुपये से बढ़कर छह हजार रुपये सैकड़ा हो गई है। वहीं, उपज की कीमत घट गई है। पहले महोबा का पान पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली और विदेश तक जाता था। अब चंद खरीदार मनचाहे दाम पर पान खरीदते हैं।

सरकारी अस्पताल में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र का शुभारंभ, मरीजों को मिलेगी सस्ती दवा

कांधला/शामली (शिखर समाचार)। नगर के सरकारी अस्पताल परिसर में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना केंद्र का शुभारंभ किया गया। केंद्र का उद्घाटन डॉ. वीरेंद्र सिंह ने फीता काटकर किया।

इस अवसर पर डॉ. वीरेंद्र सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप मरीजों को बेहतर और सस्ती दवाइयां उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जन औषधि केंद्र शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि केंद्र पर बाजार की तुलना में कम कीमत पर दवाइयां उपलब्ध होंगी, जिससे गरीब और जरूरतमंद मरीजों को राहत मिलेगी। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा पूरे देश में प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि

परियोजना के तहत जन औषधि केंद्रों का विस्तार किया जा रहा है, ताकि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी मरीज को दवा के बिना न रहना पड़े। साथ ही आयुष्मान भारत योजना से भी करोड़ों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

चिकित्सा प्रभारी ने कहा कि अब अस्पताल आने वाले मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीदने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अस्पताल परिसर में ही सस्ती दरों पर दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि कोई कर्मचारी मरीजों को बाहर से महंगी दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर करता पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

जनसमस्याओं के त्वरित समाधान को प्राथमिकता, जनता दर्शन में डीएम ने दिए अधिकारियों को निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय कक्ष में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में आमजन की समस्याओं की सुनवाई की। इस दौरान राजस्व विभाग, गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, नगर निगम, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग तथा निर्माण विभाग से संबंधित विभिन्न शिकायतें एवं प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए।

जिलाधिकारी ने जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए सभी जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक कार्यदिवस में प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक जन शिकायतों की सुनवाई अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी जूम प्लेटफॉर्म के माध्यम से लाइव रहकर शिकायतकताओं की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान करें।

जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कई शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कराया गया। साथ ही जूम माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर उन्हें शिकायतों की जानकारी दी गई तथा सभी मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) ज्योति मौर्या सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

वैशाली में झुग्गियों के अंदर आग लगने के बाद हुआ सिलेंडर ब्लास्ट, दमकल विभाग ने पाया आग पर काबू

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। वैशाली सेक्टर 3 स्थित झुग्गी झोपड़ियां में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही झोपड़ियां में सिलेंडर ब्लास्ट होने लगे। ब्लास्ट की आवाज सुनते ही पूरे क्षेत्र में भगदड़ मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए भागने लगे। आग लगने की सूचना दमकल विभाग की टीम को दी गई, जिसके बाद दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची। चीफ फायर ऑफिसर राहुल पाल ने बताया कि फायर स्टेशन पर आग की सूचना मिलते ही टीम को मौके पर भेजा गया। मौके पर देखा गया कि लगभग 10 से 12 झुग्गियों और कबाड़ के गोदाम में आग लगी हुई थी। आग की गंभीरता को देखते हुए मौके पर विभिन्न फायर स्टेशन से दमकल विभाग की 7 गाड़ियां पहुंची। टीम ने आग को बुझाने का प्रयास शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग

को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारण लगभग 4 से 5 सिलेंडर ब्लास्ट हुए हैं और मौके से 8 से 10 सिलेंडर को बाहर निकल गया है। सिलेंडर ब्लास्ट होने के कारण आग फैलती जा रही थी, जिस कारण कुछ पशु और लोग फंस गए थे। फंसे हुए सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है और आग लगने के कारण कोई जनहानि नहीं हुई है। झुग्गियों के पास आबादी क्षेत्र होने के कारण लोगों में पैनिक का माहौल हो गया था लेकिन सब को सुरक्षित रखते हुए आग को बुझा दिया गया है।

नाबालिग से दुष्कर्म, दोषी बाल अपचारी को 20 साल की सजा

वाराणसी, एजेंसी। विशेष न्यायाधीश (पॉक्सो एक्ट) नितिन पांडेय की अदालत ने नाबालिग को बहला–फुसलाकर भगा ले जाने और उसके साथ दुष्कर्म करने के मामले में बाल अपचारी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का

जुर्माना भी लगाया है। साथ ही जुर्माने की आधी धनराशि पीड़िता को क्षतिपूर्ति के रूप में देने का आदेश दिया गया है। मामले में यह फैसला घटना के करीब 28 महीने बाद आया। अभियोजन पक्ष के अनुसार, जैतपुरा थाना क्षेत्र निवासी महिला ने जनवरी 2024 में अपनी 15 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पीड़िता की मां का आरोप था कि पड़ोस में रहने वाले एक व्यक्ति का नाबालिग साला उसकी बेटी को बहला–फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया। घटना 23 जनवरी 2024 की बताई गई, जब सुबह करीब तीन बजे किशोरी घर से गायब मिली। काफी खोजबीन के बाद परिजनों ने पुलिस से शिकायत की थी।

मोहन नगर से ज्ञानी बॉर्डर तक चलेगा विशेष धूल मुक्त अभियान, नगर आयुक्त ने अधिकारियों को लगाई फटकार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा दिल्ली से गाजियाबाद आने वाले प्रमुख मार्ग को धूल मुक्त और व्यवस्थित बनाने के लिए विशेष महा अभियान शुरू किया गया है। सोमवार को नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने मोहन नगर तिराहे से लेकर ज्ञानी बॉर्डर तक निरीक्षण कर सड़क किनारे जमा धूल, ग्रीन बेल्ट की खराब स्थिति और विभिन्न विभागों की लापरवाही पर अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने नगर निगम, पीडब्ल्यूडी और जल निगम के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी 10 दिनों के भीतर मोहन नगर से ज्ञानी बॉर्डर तक पूरे मार्ग को धूल मुक्त बनाया जाए। उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अनावश्यक रूप से मलबा मिलने पर संबंधित विभागों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

नगर आयुक्त ने अपर नगर आयुक्त अवनींद्र कुमार को तत्काल प्रभाव से मशीनों और टीमों के माध्यम से धूल हटाने का अभियान चलाने के निर्देश दिए। वहीं लगभग पांच किलोमीटर लंबे मार्ग पर सेंट्रल वर्ज और ग्रीन बेल्ट को व्यवस्थित करने, पौधरोपण एवं गमले लगाने के लिए उद्यान विभाग को निर्देशित किया गया।

मोहन नगर, राजेंद्र नगर, श्याम पार्क, राजबाग, शहीद नगर होते हुए ज्ञानी

बॉर्डर तक ग्रीन बेल्ट को हरा-भरा बनाने तथा अतिक्रमण हटाने के निर्देश भी दिए गए। उद्यान प्रभारी डॉ. अनुज को ग्रीन एरिया को नर्सरी के रूप में विकसित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा गया।

जल निगम के अधिकारियों को सड़क पर फैले निर्माण मलबे को हटाने और चल रहे कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। मौके पर उपस्थित महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद को भी आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा गया। वहीं पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को सड़क को गड्ढा मुक्त करने और मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

स्वास्थ्य विभाग की कार्यशैली पर नाराजगी जताते हुए नगर आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को फटकार लगाई और प्रमुख मार्गों पर विशेष सफाई अभियान चलाने के आदेश दिए। दुकानों और प्रतिष्ठानों के बाहर फैली गंदगी और धूल को लेकर नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

नगर निगम द्वारा तत्काल प्रभाव से मोहन नगर से ज्ञानी बॉर्डर तक सफाई और धूल मुक्त अभियान शुरू कर दिया गया है। जलकल विभाग द्वारा पानी का छिड़काव कराया गया, जबकि निर्माण विभाग ने निर्माण सामग्री हटाने का अभियान चलाया। जेसीबी मशीनों और सफाई मित्रों की मदद से सड़कों से धूल हटाई गई तथा उद्यान विभाग ने ग्रीन बेल्ट को व्यवस्थित करने का कार्य शुरू कर दिया है।

नगर निगम प्रशासन के अनुसार आगामी 10 दिनों के भीतर पूरे मार्ग को व्यवस्थित और धूल मुक्त बनाने के लिए अभियान लगातार जारी रहेगा।

पति ने देखा पत्नी का 'काला सच', फिर मिलने लगी मौत की धमकी, खुदकुशी के बाद खुला खौफनाक राज, तीन पर केस

कानपुर, एजेंसी। हरदोई जिले में मझिला थाना क्षेत्र के झबरापुर गांव में युवक के बीते 29 अप्रैल को खुदकुशी करने के मामले में नया मोड़ आया है। घटना से 24 घंटे पहले मृतक ने अपनी पत्नी को प्रेमी के साथ आपत्तिजनक हालत में देखा था। इसके बाद प्रेमी ने अपने दोस्त के साथ मिलकर युवक को धमकाया था।

मृतक के पिता की शिकायत पर पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी समेत तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की प्राथमिकी दर्ज की। झबरापुर निवासी राम किशोर ने पुलिस में शिकायत की। बताया कि उनके पुत्र शिवरतन की शादी 15 साल पहले लखीमपुर के मैगलगंज कोतवाली क्षेत्र के सेमराघाट निवासी नन्हीं के साथ हुई थी।

प्रेमी ने अपने साथी के साथ मिलकर शिवरतन को धमकाया : दोनों के चार बच्चे हैं। बताया कि पिछले तीन साल से पति-पत्नी के बीच विवाद चल रहा था। आरोप है कि बीते 28 अप्रैल की रात शिवरतन ने पत्नी नन्हीं को प्रदीप नाम के युवक के साथ आपत्तिजनक स्थिति में देख लिया। दावा है कि पत्नी के प्रेमी प्रदीप ने अपने साथी पंचम के साथ मिलकर शिवरतन को धमकाया।

आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज : कहीं भी प्रेम प्रसंग की बात बताने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद 29 अप्रैल को नन्हीं घर से चली गई। पत्नी नन्हीं, प्रेमी प्रदीप और उसके सहयोगी पंचम की प्रताड़ना से तंग आकर शिवरतन ने 29 अप्रैल को फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। थाना प्रभारी सतेंद्र सिंह ने बताया कि पत्नी सहित तीन लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया गया है।

ये था पूरा मामला : मझिला थाना क्षेत्र के कोरिगवां के मजरा झबरापुरवा निवासी शिवरतन (35) मजदूरी करते थे। पिता राम किशोर ने बताया कि मंगलवार को शिवरतन की पत्नी नन्हीं देवी अपने चार बच्चों को घर छोड़कर पड़ोस में रहने वाले एक शख्स के खिलाफ चली गई थी।

बाग में गमछे के फंदे से लटका था शव : बुधवार को शिवरतन आरोपी के घर गया, तो आरोपी के परिजनों ने शिवरतन से अभद्रता की। इसके बाद शिवरतन वापस घर आ गया। कुछ देर घर में रुकने के बाद खेत चला गया। बुधवार शाम मृतक का भाई गन्ने की फसल में निराई करने पहुंचा, तो शिवरतन का शव बाग में गमछे के फंदे से लटका देखा।

जांच में जुटी थी पुलिस : इसकी जानकारी परिजनों को दी। अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी मार्तमड प्रकाश सिंह ने बताया कि परिजनों ने अगर कोई शिकायत की, तो उस आधार पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल घटना को लेकर कोई लिखित शिकायत परिजनों ने नहीं दी है।

कॉमनवेल्थ का वो गोल्डन पल और अब प्रोजेक्ट अमरजीत

अलीगढ़ , एजेंसी। जब लक्ष्य अटूट हो और इरादे फौलादी, तो बंदूक से निकली हर गोली इतिहास रचती है। आज से 16 साल पहले, यानी साल 2010 के दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में जब अलीगढ़ की बेटी अन्नूराज सिंह ने सटीक निशाना लगाकर देश की झोली में स्वर्ण पदक डाला था, तो पूरा भारत झूम उठा था। इसके बाद लंदन ओलंपिक की 22 और 25 मीटर स्पर्धा में देश का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली भारतीय महिला शूटर बनने का गौरव भी उन्होंने अपने नाम किया।

अन्नूराज सिंह भावुक होते हुए बताती हैं कि मेरी खेल यात्रा में 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स का हमेशा एक बेहद अहम स्थान रहेगा। भारत के लिए पोडियम पर खड़े होकर स्वर्ण पदक जीतना सिर्फ एक मेडल हासिल करना

नहीं था, बल्कि वह बरसों की कड़ी मेहनत और देश के मान-सम्मान को वैश्विक मंच पर स्थापित करने के सपने का सच होना था। आज भी जब मैं उस पल को याद करती हूं, तो रगों में वही पुराना उत्साह और रोंगटे खड़े कर देने वाला रोमांच दौड़ जाता है। अन्नूराज अब अहमदाबाद में अपनी एकेडमी के जरिए समाज और देश को वापस लौटाने के मिशन में जुट गई हैं। उन्होंने और उनके पति दिग्गज निशानेबाज गगन नारंग ने मिलकर प्रोजेक्ट अमरजीत की शुरुआत की है। इसके तहत वे प्रतिभावान और जरूरतमंद युवा एथलीटों को निःशुल्क वर्ल्ड क्लास ट्रेनिंग और सहायता प्रदान कर रहे हैं। अन्नूराज कहती हैं, यह मेरे लिए सिर्फ कोई अभियान नहीं है, बल्कि भारत के खेल भविष्य को संवारने में मेरा एक योगदान है।

अन्नूराज ने देश के युवा एथलीटों को कहा कि अपने सपनों पर भरोसा रखिए। आपकी मेहनत कभी जाया नहीं जाती। शार्टकट से सफलता नहीं मिलती। चुनौतियों से न डरें। हर मुश्किल आपको और ज्यादा मजबूत बनाती है। उन्होंने इस साल स्कॉटलैंड में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल को ढेर सारी शुभकामनाएं दीं। साथ ही उम्मीद जताई कि साल 2030 में अहमदाबाद में आयोजित होने वाले कॉमनवेल्थ खेलों का स्तर 2010 के दिल्ली खेलों से भी कहीं ज्यादा भव्य और शानदार होगा।एक तरफ जहां अन्नूराज सिंह देश के फलक पर चमक रही हैं, वहीं उनका गृह जनपद अलीगढ़ पिछले 16 सालों से दूसरे कॉमनवेल्थ मेडल के सूखे से जूझ रहा है।

इसकी सबसे बड़ी वजह खेल संसाधनों और बुनियादी सुविधाओं का अभाव है, जिसके चलते यहां के होनहार खिलाड़ी दूसरे शहरों या राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं।अन्नूराज सिंह के पिता और शहर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. एसपी सिंह ने कहा, अलीगढ़ में खेल प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है, लेकिन यहां संसाधन बेहद सीमित हैं।

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के कार्यों की समीक्षा बैठक संपन्न

नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना प्राधिकरण के एसीईओ की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) जनगणना-2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य की समीक्षा को लेकर सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनगणना कार्य की प्रगति की विस्तार से समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने जनपद में कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी जताई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को जनगणना कार्य को प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध ढंग से पूरा कराने के निर्देश दिए।

बैठक में जनगणना कार्य उप निदेशक, निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ अभिमन्यु सिंह ने वर्तमान प्रगति से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश का अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी चार्ज अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक मकान सूचीकरण ब्लॉक की प्रतिदिन समीक्षा की जाए तथा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों की कार्य प्रगति पर लगातार नजर रखी जाए। बैठक में नोएडा, ग्रेटर नोएडा तथा यमुना विकास प्राधिकरण क्षेत्रों में चल रहे जनगणना कार्यों की भी समीक्षा की गई। इस दौरान नोएडा, ग्रेटर नोएडा एवं यमुना विकास प्राधिकरण के एसीईओ की

अनुपस्थिति पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि इस संबंध में मुख्य सचिव को पत्र लिखा जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर कार्य प्रगति में सुधार लाने के निर्देश देते हुए स्पष्ट कहा कि जनगणना कार्य में किसी भी स्तर पर शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला जनगणना अधिकारी अजीत कुमार सिंह, जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला विद्यालय निरीक्षक राजेश कुमार सिंह, जिला विज्ञान अधिकारी डोली कुमारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, सभी उपजिलाधिकारी, चार्ज अधिकारी तथा जनगणना कार्य निदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ से उप निदेशक अभिमन्यु सिंह, जिला प्रभारी जनगणना प्रदीप कुमार और उत्कर्ष पाण्डेय उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने विद्युत व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने के दिए निर्देश

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। जनपद में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़, प्रभावी एवं सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी मेघा रूपम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संचालित विद्युत परियोजनाओं, निमार्णाधीन कार्यों तथा उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराई जा रही विद्युत सेवाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की गई।

बैठक के दौरान अधिकारियों ने विभिन्न विद्युत उपकेंद्रों की वर्तमान स्थिति, लाइन विस्तार कार्यों तथा तकनीकी व्यवस्थाओं की जानकारी प्रस्तुत की। साथ ही ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में विद्युत सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए किए जा रहे प्रयासों से भी जिलाधिकारी को अवगत कराया गया।

समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनपद में विद्युत व्यवस्था को लगातार सुचारु एवं प्रभावी बनाए रखने के लिए सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि आमजन को निर्बाध और बेहतर विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराना शासन की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है।

जिलाधिकारी ने विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निस्तारण तथा उपभोक्ता सुविधाओं को और अधिक मजबूत बनाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर कार्यों की नियमित निगरानी करें, जिससे जनता को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

बैठक में अपर जिलाधिकारी प्रशासन मंगलेश दुबे, उप जिलाधिकारी दादरी अनुज नेहरा, विद्युत विभाग के अधिकारी तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किशोर की निर्मम हत्या के शोक में बीकेयू टिकैत ने पंचायत की रद्द, पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे सपा नेता

जेवर (शिखर समाचार)। जेवर क्षेत्र के एक गांव में 15 वर्षीय किशोर की कुकर्म के बाद निर्मम हत्या के मामले में सोमवार को होने वाली भारतीय किसान यूनियन टिकैत की पंचायत को किसान नेताओं ने रद्द कर दिया। वहीं समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष कार्यकताओं के साथ पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे और शोक व्यक्त किया। उधर पुलिस की चार टीमें लगातार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं और जल्द खुलासे का दावा कर रही हैं। जानकारी के अनुसार गुरुवार को गांव का 15 वर्षीय किशोर अचानक लापता हो गया था। शुक्रवार को उसका शव गांव के पास बने एक कमरे में मिला था। घटना के बाद क्षेत्र में भारी आक्रोश है।

भारतीय किसान यूनियन टिकैत ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए सोमवार को जेवर में प्रस्तावित पंचायत को रद्द कर दिया। यूनियन नेता पवन चौरोली ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद और शर्मनाक है। संगठन पीड़ित परिवार के साथ खड़ा है। उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग को लेकर कोतवाली प्रभारी से भी मुलाकात की। वहीं समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी भी कार्यकताओं के साथ पीड़ित परिवार के घर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। उन्होंने कहा कि शव मिलने के चार दिन बाद भी पुलिस आरोपियों तक नहीं पहुंच सकी है, जिससे कई सवाल खड़े हो रहे हैं। मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होनी चाहिए तथा दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव लड़ाई लड़ेगी। उधर पुलिस का कहना है कि मामले के खुलासे के लिए चार टीमें लगातार अलग-अलग शहरों और गांवों में दबिश दे रही हैं। जिस मकान में किशोर का शव मिला था, वहां हुक्का पीने आने वाले कुछ युवक भी फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस को कुछ महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं और जल्द घटना के खुलासे का दावा किया जा रहा है। इस दौरान सुनील भाटी देवटा, नरेंद्र नागर, राहुल आवाना, सागर शर्मा, विकास, लोकेश चौधरी, नवाब कुरैशी, लोकेश भाटी और सलीम राव समेत कई लोग मौजूद रहे।

प्राधिकरण से निर्मित बहुमंजिला फ्लैट आवंटियों के लिए ओटीएस योजना लागू

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने ईडब्ल्यूएस से लेकर 135 वर्ग मीटर तक के बहुमंजिला फ्लैट आवंटियों के लिए एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू कर दी है। इस योजना के तहत आवंटियों को बकाया प्रीमियम और लीज डीड के विलंब शुल्क पर ब्याज एवं पेनल्टी में राहत प्रदान की जाएगी। योजना से संबंधित कार्यालय आदेश 22 मई को जारी किया गया है, जबकि आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। जानकारी के अनुसार, 2 मई को आयोजित प्राधिकरण की 143वीं बोर्ड बैठक में बहुमंजिला फ्लैट आवंटियों को राहत देने के उद्देश्य से ओटीएस योजना को मंजूरी दी गई थी। योजना के तहत बकाया प्रीमियम राशि पर

लगने वाला दंडात्मक ब्याज नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा जिन फ्लैटों की अब तक रजिस्ट्री नहीं हुई है, उनके लीज डीड विलंब शुल्क में 80 प्रतिशत तक की छूट दी जाएगी। ओटीएस योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए आवंटियों को एक हजार रुपये की प्रोसेसिंग फीस के साथ आवेदन करना होगा। आवेदन स्वीकृत होने के बाद बकाया राशि एकमुश्त जमा करनी होगी। प्राधिकरण के अनुसार, इस योजना से लगभग 1500 फ्लैटों की रजिस्ट्री खरीदारों के नाम होने की संभावना है। साथ ही बकाया प्रीमियम और लीज डीड शुल्क के रूप में करीब 200 करोड़ रुपये की राशि प्राधिकरण को प्राप्त होने की उम्मीद है। प्राधिकरण के एसीईओ सुनील कुमार सिंह ने आवंटियों से अपील की है कि वे ओटीएस योजना का लाभ उठाते हुए समय सीमा के भीतर बकाया राशि जमा कर लीज डीड की प्रक्रिया पूरी करा लें। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि समाप्त होने के बाद किसी भी प्रकार का आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

गंगा दशहरा पर प्रशासन अलर्ट, डीएम एसपी ने कैराना यमुना ब्रिज का लिया जायजा

कैराना/शामली (शिखर समाचार)। गंगा दशहरा पर्व के दृष्टिगत जनपद प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद नजर आया। श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं को लेकर जिला प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी आलोक यादव एवं पुलिस अधीक्षक नरेन्द्र प्रताप सिंह ने संयुक्त रूप से कैराना स्थित यमुना ब्रिज एवं आसपास के क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुविधा, यातायात व्यवस्था, बैरिकेडिंग, प्रकाश व्यवस्था, साफ-सफाई तथा सुरक्षा प्रबंधों का बारीकी से निरीक्षण किया। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न होने पाए और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

इस दौरान एसडीएम कैराना शिवाजी यादव ने गंगा दशहरा के अवसर पर यमुना घाटों पर की गई सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी अधिकारियों को दी। उन्होंने बताया कि घाटों एवं पुल क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है। साथ ही सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से निगरानी रखी जा रही है तथा आपातकालीन सेवाओं को भी सक्रिय कर दिया गया है।

निरीक्षण के समय संबंधित विभागों के अधिकारी एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारीगण मौजूद रहे।

बिजली व्यवस्था सुधारने को डीएम सख्त, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

शामली (शिखर समाचार)। जनपद में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था को बेहतर एवं सुचारु बनाए रखने के उद्देश्य से जिलाधिकारी आलोक यादव ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में बिजली आपूर्ति, लाइन लॉस, ट्रांसफार्मरों की स्थिति तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों के त्वरित निस्तारण को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भीषण गर्मी के मौसम को देखते हुए शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने खराब ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदलने तथा जर्जर विद्युत लाइनों की मरम्मत कार्य में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

डीएम ने कहा कि आमजन को बिजली संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए विभागीय अधिकारी फील्ड में सक्रिय रहकर नियमित निरीक्षण करें। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।

बैठक में अधीक्षण अभियंता विद्युत वीरेंद्र सिंह सहित समस्त अधिशासी अभियंता एवं उपखंड अधिकारी उपस्थित रहे।

बासमती धान की उन्नत तकनीक और संतुलित उर्वरक प्रबंधन पर किसानों को दिया प्रशिक्षण

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार)। कृषि विज्ञान केंद्र नगीना में सोमवार को किसानों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का विषय ह्लनिर्यात योग्य बासमती धान की उत्पादन तकनीक एवं संतुलित उर्वरक प्रबंधनह्व रहा। इसमें क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. के.के. सिंह ने किसानों को बासमती धान की उन्नत खेती की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने उन्नत बासमती किस्मों, वैज्ञानिक उत्पादन तकनीक और संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन पर विस्तार से चर्चा की। साथ ही किसानों को प्राकृतिक कृषि तकनीक अपनाकर उच्च गुणवत्ता वाले बासमती धान का उत्पादन करने के लिए प्रेरित किया, ताकि उन्हें वैश्विक बाजार में बेहतर

मूल्य प्राप्त हो सके। केंद्र की वैज्ञानिक डॉ. शिवांगी ने मिट्टी की सेहत सुधारने और संतुलित उर्वरक उपयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने धान उत्पादन की आधुनिक डीएसआर (डायरेक्ट सीडेड राइस) विधि के बारे में भी किसानों को जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस तकनीक से पानी और श्रम दोनों की बचत होती है तथा उत्पादन लागत में भी कमी आती है। यह जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (आईआईएफएसआर), मेरठ और कृषि विज्ञान केंद्र, नगीना के वैज्ञानिकों द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में रोहित सैनी, पंकज कुमार, नसीरुद्दीन, शरद कुमार और राहुल जवान सहित क्षेत्र के कई प्रगतिशील किसान उपस्थित रहे।

भारतीय विद्यार्थी संगम का 40वां अधिष्ठापन समारोह सम्पन्न, डॉ. अर्जुन वर्मा बने अध्यक्ष

शामली (शिखर समाचार)। भारतीय विद्यार्थी संगम द्वारा शहर के कैराना रोड स्थित एक बारातघर में 40वें अधिष्ठापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वर्ष 2026-27 की नई कार्यकारिणी को शपथ दिलाई गई, जिसमें डॉ. अर्जुन वर्मा को अध्यक्ष पद के लिए मनोनीत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ललित बिंदल, यशपाल पवार, विजय कौशिक, अरविंद द्रष्टा महाराज तथा सुनील गोयल ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। कार्यक्रम का संचालन अरविंद कौशिक एवं मनोज धीमान ने किया। अधिष्ठापन अधिकारी अरविंद संगल ने वर्ष 2026-27 के लिए नई टीम को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नई कार्यकारिणी में संयोजक अनुज जैन, अध्यक्ष डॉ. अर्जुन वर्मा, सचिव डॉ. नीरज वशिष्ठ, कोषाध्यक्ष ऋषभ जैन

सहित अन्य पदाधिकारियों ने शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर अरविंद संगल ने कहा कि नई कार्यकारिणी ऊर्जावान एवं समाज सेवा के प्रति समर्पित है। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ. अर्जुन वर्मा ने संगठन द्वारा सौंपे गए दायित्व को पूरी ईमानदारी एवं सहयोग के साथ निभाने का भरोसा दिलाया। वहीं सचिव डॉ. नीरज वशिष्ठ ने कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका पूरी निष्ठा से पालन किया जाएगा और यह सत्र शिक्षा जगत में नई दिशा देने का कार्य करेगा। कार्यक्रम में पुरण चंद आर्य, अनुराग जैन, मनीष भटनागर, अनिल बंसल, अजय जैन, वैभव संगल, प्रदीप बंसल, श्रीपाल गोयल, मनोज मित्तल, रामकुमार वर्मा एडवोकेट, सुधीर कुमार सिंघल, मनोज गोयल, पवन शर्मा, अजय गर्ग, विजय शर्मा, विनोद मित्तल, शरद जैन, दिव्य प्रभाकर, रूचिर गोयल एवं पंकज जैन सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दुष्कर्म के प्रयास के आरोपी की गिरफ्तारी न होने पर कोतवाली में हंगामा

मोदीनगर (शिखर समाचार)। महिला के साथ दुष्कर्म के प्रयास के मामले में नामजद आरोपी की अभी तक गिरफ्तारी नहीं होने से नाराज लोगों ने सोमवार को कोतवाली पहुंचकर हंगामा किया। लोगों ने पुलिस पर कार्रवाई में ढिलाई बरतने का आरोप लगाया। बताया गया कि कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला के साथ 10 मई की रात एक व्यक्ति ने दुष्कर्म का प्रयास किया था। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली थी, लेकिन घटना के कई दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। हंगामा कर रहे लोगों का आरोप था कि आरोपी पक्ष लगातार समझौते का दबाव बना रहा है। साथ ही समझौता नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी जा रही है। इसको लेकर पीड़ित पक्ष में आक्रोश व्याप्त है। कोतवाली पहुंचे लोगों ने पुलिस अधिकारियों से जल्द आरोपी की गिरफ्तारी करने और पीड़ित परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने लोगों को समझाकर शांत किया तथा भरोसा दिलाया कि आरोपी को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

वृद्ध आश्रम में वरिष्ठ नागरिकों को वितरित की गई समर केयर किट

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। ग्लोबल हैप्पीनेस फाउंडेशन की ओर से दुहाई स्थित वृद्ध आश्रम में कार्यक्रम आयोजित कर वरिष्ठ नागरिकों को समर केयर किट वितरित की गई। कार्यक्रम का उद्देश्य भीषण गर्मी के मौसम में बुजुर्गों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य और सुविधा का ध्यान रखना रहा। समर केयर किट का वितरण फाउंडेशन के चेयरपर्सन डॉ. सुनील दत्त, निर्देशक राधिका राजपूत, एसीपी गाजियाबाद अमित सक्सेना और अनिल अरोड़ा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम के दौरान बुजुर्गों से संवाद कर उनका हालचाल भी जाना गया। एसीपी अमित सक्सेना ने कहा कि बुजुर्गों के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ी सेवा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अपने व्यस्त जीवन से थोड़ा समय निकालकर वरिष्ठ नागरिकों के सम्मान और देखभाल के लिए आगे आएं। डॉ. सुनील दत्त ने कहा कि समाज के बुजुर्ग हमारे अनुभव और संस्कारों की अमूल्य धरोहर हैं। उनकी देखभाल करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि फाउंडेशन आगे भी समाजसेवा से जुड़े ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

अवैध मिट्टी खनन का आरोप, कार्रवाई की मांग

रबूपुरा (शिखर समाचार)। राष्ट्रीय किसान यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष शाहिद मंजूर के नेतृत्व में सोमवार को गांव तिरथली के ग्रामीणों ने यीडा के सेक्टर-32 स्थित एक निजी कंपनी में कथित अवैध मिट्टी खनन के विरोध में प्रदर्शन किया। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन कार्य के दौरान उड़ने वाली धूल और बढ़ते प्रदूषण से क्षेत्र के लोगों का जीवन प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि खनन से उठने वाली धूल के कारण आसपास के स्कूली बच्चों, स्थानीय निवासियों और राहगीरों को सांस लेने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि बच्चों के स्वास्थ्य और आमजन के जीवन के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की कि अवैध खनन पर तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए तथा पूरे मामले की नियमों के अनुरूप जांच कर दोषियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाए जाएं। शाहिद मंजूर ने कहा कि जनहित और पर्यावरण संरक्षण सर्वोपरि है तथा क्षेत्र की जनता को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि सेक्टर-32 स्थित कंपनी में एनजीटी के नियमों का उल्लंघन कर मिट्टी खनन किया जा रहा है। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि कंपनी में नियमानुसार मिट्टी भराव का कार्य कराया जा रहा है और ठेकेदार के पास मिट्टी खनन की अनुमति मौजूद है।

मुआवजा दिए बिना किसान की जमीन पर कब्जे का आरोप, यमुना प्राधिकरण (यीडा) अधिकारियों से नोकझोंक

रबूपुरा (शिखर समाचार)। यमुना प्राधिकरण (यीडा) के अधिकारियों पर किसान को मुआवजा दिए बिना उसकी जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगा है। 45 मीटर चौड़ी सड़क निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण की कार्रवाई के दौरान सोमवार सुबह गांव रौनीजा के पास सेक्टर-22डी में जमकर हंगामा हुआ। बताया गया कि प्राधिकरण के अधिकारी जेसीबी मशीन लेकर मौके पर पहुंचे और सड़क निर्माण के लिए जमीन पर कब्जा लेते हुए एक खेत की बाउंड्री वॉल गिरा दी। इसकी सूचना मिलने पर रौनीजा निवासी किसान गिरिराज अपने परिवार के साथ मौके पर पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस दौरान किसान और प्राधिकरण अधिकारियों के बीच तीखी नोकझोंक हुई। मामले की सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कराया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। किसान गिरिराज का आरोप है कि सेक्टर-22डी में खसरा संख्या 122 में उनकी करीब 6840 वर्गमीटर जमीन है, जिसका अभी तक उन्हें कोई मुआवजा नहीं मिला है। आरोप है कि सोमवार को प्राधिकरण अधिकारियों ने बिना पूर्व सूचना के उनकी जमीन पर पहुंचकर सब्जी और ज्वार की फसल नष्ट कर दी तथा जेसीबी से बाउंड्री वॉल गिरा दी। किसान ने बताया कि बाद में प्राधिकरण अधिकारियों के साथ बातचीत हुई, जिसमें उन्हें मंगलवार को प्राधिकरण कार्यालय बुलाया गया है।

रीवा की घटना को लेकर जैन समाज के लोगों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

जेवर (शिखर समाचार)। रीवा में पैदल विहार कर रहे जैन साधुओं के साथ हुई दर्दनाक घटना को लेकर सोमवार को जैन समाज के लोगों ने तहसील पहुंचकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। समाज के लोगों ने पैदल यात्रा करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा सुनिश्चित किए जाने की मांग की। बीकेयू नेता सचिन जैन के नेतृत्व में जैन समाज के लोगों ने सोमवार को मौन जुलूस निकाला और तहसील पहुंचकर एसडीएम दुर्गेश सिंह को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री तथा मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपा। सचिन जैन ने बताया कि जैन समाज के साधु

एक स्थान से दूसरे स्थान तक नंगे पैर पद विहार करते हुए पहुंचते हैं। रीवा के पास पद विहार के दौरान हुई दर्दनाक घटना में दो साधुओं की मौत हो गई थी। उन्होंने कहा कि पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि देशभर में पैदल यात्रा करने वाले साधु-संतों की सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस मौके पर संजय जैन, दीपू जैन, सम्यक जैन, संचित जैन, अंकित जैन, गोलू जैन, रोहित जैन, यीशु जैन, हिमांशु जैन, नितिन जैन, सुनीता जैन सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

संपादकीय

बदलती विश्व राजनीति में भारत अमेरिका संबंधों का नया अध्याय

नई दिल्ली में अमेरिकी स्वतंत्रता घोषणा पत्र की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम ने केवल एक सांस्कृतिक आयोजन का रूप नहीं लिया, बल्कि यह वैश्विक राजनीति के बदलते समीकरणों का प्रतीक भी बन गया। कार्यक्रम में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की उपस्थिति के दौरान उस समय सभी का ध्यान आकर्षित हुआ जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर जुड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की खुलकर प्रशंसा की। ट्रंप ने स्वयं को प्रधानमंत्री मोदी का बहुत बड़ा प्रशंसक बताते हुए कहा कि भारत और अमेरिका के संबंध आज पहले से कहीं अधिक मजबूत स्थिति में हैं। इस बयान ने एक बार फिर दुनिया को यह संकेत दिया कि भारत अब केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बन चुका है। पछले एक दशक में भारत और अमेरिका के संबंधों में उल्लेखनीय बदलाव देखने को मिला है। कभी केवल व्यापार और सीमित कूटनीतिक सहयोग तक सीमित रहने वाले रिश्ते अब रणनीतिक साझेदारी के नए स्तर पर पहुंच चुके हैं। रक्षा, तकनीक, ऊर्जा, अंतरिक्ष, समुद्री सुरक्षा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे क्षेत्रों में दोनों देशों के बीच तेजी से सहयोग बढ़ रहा है। अमेरिका यह समझ चुका है कि एशिया में चीन की बढ़ती ताकत का संतुलन बनाने के लिए भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। यही कारण है कि अमेरिकी नेतृत्व लगातार भारत के साथ अपने संबंधों को और अधिक गहरा करने का प्रयास कर रहा है। डोनाल्ड ट्रंप और नरेंद्र मोदी के बीच व्यक्तिगत संबंध भी इन बदलते समीकरणों में बड़ी भूमिका निभाते दिखाई देते हैं। हाउडी मोदी और नमस्ते ट्रंप जैसे बड़े आयोजनों ने दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक विश्वास और सार्वजनिक निकटता को दुनिया के सामने प्रदर्शित किया था। अब दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम के दौरान ट्रंप द्वारा फोन कर प्रधानमंत्री मोदी की सराहना करना इसी निरंतरता का हिस्सा माना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में व्यक्तिगत संबंध कई बार बड़े रणनीतिक फैसलों की दिशा तय करते हैं और यही कारण है कि यह घटना केवल एक औपचारिक टिप्पणी भर नहीं मानी जा रही। हाल के वर्षों में भारत की विदेश नीति भी अधिक आत्मविश्वासपूर्ण और संतुलित दिखाई दी है। रूस यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखी। दूसरी ओर भारत ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के साथ भी अपने संबंध मजबूत बनाए रखे। इस संतुलित नीति ने दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अब किसी एक शक्ति के प्रभाव में काम करने वाला देश नहीं, बल्कि स्वतंत्र रणनीतिक सोच रखने वाला राष्ट्र है। यही वजह है कि अमेरिका भी भारत के साथ संबंधों को केवल एक सहयोगी देश के रूप में नहीं, बल्कि बराबरी के साझेदार के रूप में देख रहा है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो की हालिया भारत यात्रा भी कई दृष्टियों से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। उनकी यात्रा के दौरान व्यापार, रक्षा और तकनीकी सहयोग को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। माना जा रहा है कि आने वाले समय में दोनों देशों के बीच सेमीकंडक्टर निर्माण, डिजिटल तकनीक और रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में बड़े समझौते हो सकते हैं। अमेरिका की बड़ी कंपनियां भारत को एक विशाल बाजार के साथ साथ भरोसेमंद उत्पादन केंद्र के रूप में भी देखने लगी हैं। चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने की वैश्विक रणनीति में भारत की भूमिका तेजी से बढ़ रही है।

~ मौलिक चिंतन ~

अभिमान दूसरे की हार के लिए लड़ता है और स्वाभिमान स्वयं की जीत के लिए।

~~~~~~~~

©

विनय संकोची

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया : आम आदमी पर महंगाई की मार

दिलीप कुमार पाठक

आजकल सुबह आंख खुलते ही सबसे पहला डर इसी बात का होता है कि आज कौन सी चीज महंगी हो गई। हर दिन की तरह आज भी पेट्रोल और डीजल के दाम फिर बढ़ गए हैं। आज पेट्रोल में करीब 2.61 रुपए और डीजल में 2.71 रुपए प्रति लीटर की भारी बढ़ोतरी हुई है। पिछले दस दिनों में यह चौथी बार है जब जेब पर इस तरह का डाका डाला गया है। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपए प्रति लीटर और डीजल 95.20 रुपए प्रति लीटर पर पहुंच गया है। वहीं मुंबई में तो पेट्रोल 111 रुपए के भी पार बिक रहा है। एक आम इंसान के लिए अब यह रोज का सिरदर्द बन चुका है। कमाई वही है, लेकिन खर्चे रॉकेट की रफ्तार से भाग रहे हैं।

साल 2014 में जब देश में मोदी सरकार आई थी, तब हर तरफ एक ही चर्चा थी कि अब महंगाई के दिन खत्म होने वाले हैं। बहुत हुई महंगाई की मार वाला नारा तो सबको याद ही होगा। तब लोगों को लगा था कि चलो, अब कोई ऐसी सरकार आई है जो रसोई गैस, दाल, तेल और पेट्रोल-डीजल के दाम कम करके आम जनता को चैन की सांस देगी। लेकिन आज इतने साल बीतने के बाद जब हम अपनी जेब देखते हैं, तो लगता है कि राहत की उम्मीद करना ही बेकार था। राहत मिलना तो दूर, अब तो गुजारा करना भी भारी पड़ रहा है। तेल के दाम बढ़ने का मतलब सिर्फ गाड़ी में महंगा पेट्रोल डालना नहीं होता। डीजल महंगा होते ही ट्रक और गाड़ियों का किराया बढ़ जाता है। इसका सीधा असर हमारे घर के राशन और रसोई पर पड़ता है। जो सब्जियां, दाल, दूध और अनाज मंडियों से हमारे घर तक आते हैं, उन सब की कीमतें अचानक बढ़ जाती हैं। हाल ही में सरकार ने जो खुदरा महंगाई के आंकड़े जारी किए हैं, उसके मुताबिक देश की महंगाई दर 3.48% पर है। लेकिन इसी सरकारी आंकड़े में खाने-पीने की चीजों की महंगाई 4.20% से भी ऊपर चल रही है। सरकार भले ही टीवी और अखबारों में आंकड़ों का खेल दिखाकर यह कहे कि सब कुछ नियंत्रण में है, लेकिन बाजार जाकर जब जेब से पैसे ढीले होते हैं, तब असली हकीकत समझ आती है। जो सामान कुछ महीने पहले जितने में आता था, आज उतने पैसे में आधा सामान भी नहीं मिल रहा।

त्योहारों की खुशियाँ मनाने के बजाय अब लोग महीने का खर्च देखकर डरने लगे हैं।परेशानी सिर्फ खाने-पीने की चीजों तक ही रुकी हुई नहीं है। घर का गैस सिलेंडर आज हजार रुपये के पार पहुंच चुका है। इसके ऊपर से बच्चों की स्कूल फीस, बिजली का बिल और बीमारी के समय दवाइयों का खर्च अलग से कमर तोड़ देता है। सरकारी अस्पताल हो या प्राइवेट, हर जगह इलाज और दवाइयां आम आदमी के बजट से बाहर हो चुकी हैं। नौकरीपेशा लोगों की सैलरी सालों-साल उतनी ही रहती है, लेकिन बाजार की हर चीज महंगी होती जा रही है। महीने की दस या पंद्रह तारीख आते-आते मध्यमवर्गीय लोग पैसे गिनने लगते हैं कि बाकी का आधा महीना कैसे कटेगा।जब भी इस पर बात होती है, तो सरकार की तरफ से कह दिया जाता है कि दुनिया भर में मंदी है या कच्चे तेल के दाम बढ़ रहे हैं। ठीक है, दुनिया की बातें अपनी जगह हैं, लेकिन जनता यह भी तो देखती है कि जब बाहर कच्चे तेल के दाम कम होते हैं, तब हमारे यहाँ पेट्रोल-डीजल सस्ता क्यों नहीं होता? सरकार भारी-भरकम टैक्स और सेस लगाकर अपना खजाना भरने में लगी है और उसका पूरा बोझ सीधे उस जनता पर आ रहा है जो पहले से ही पाई-पाई के लिए परेशान है।

आखिर में सवाल यही घूम-फिर कर आता है कि क्या वे अच्छे दिन सिर्फ चुनाव जीतने के वादे थे? लोगों ने बड़ी उम्मीद से वोट दिया था कि उनकी जिंदगी थोड़ी आसान होगी। लेकिन आज सच यह है कि सुबह की चाय से लेकर रात की रोटी तक, हर चीज पर महंगाई का हथौड़ा चल रहा है। अब लोग बुनियादी जरूरतों में कटौती करने लगे हैं - कोई दूध कम ले रहा है, तो कोई बच्चों की ट्यूशन बंद करवा रहा है। सरकार को अब यह कागजी आंकड़े छोड़ देने चाहिए और जमीन पर आकर देखना चाहिए, क्योंकि जब तक आम आदमी की थाली सस्ती नहीं होगी, तब तक तरक्की की सारी बातें बेकार हैं।

(लेखक पत्रकार हैं)

भारत की कृषि आत्मा को समर्पित जनसेवा प्रसारक का स्वर्णिम अध्याय

विनोद कुमार सिंह

डीडी किसान : 11 वर्षों की ऐतिहासिक यात्रा, जिसने खेत-खलिहानों को दिया ज्ञान, विश्वास और नई दिशा...

भारत केवल शहरों और महानगरों का देश नहीं है।इसकी वास्तविक आत्मा गांवों में बसती है,जहाँ खेतों की हरियाली,किसान का श्रम और ग्रामीण संस्कृति मिलकर राष्ट्र की आर्थिक शक्ति को मजबूत बनाते हैं।भारतीय लोकतंत्र की जड़ें यदि गाँवों में हैं,तो गाँवों की धड़कन किसान है।यही कारण है कि खेती, किसान और ग्रामीण भारत से जुड़ी सूचना,शिक्षा और जागरूकता का महत्व अत्यंत बढ़ जाता है।इसी आवश्यकता को समझते हुए 26 मई 2015को भारत के सार्वजनिक सेवा प्रसारक दूरदर्शन ने 'डीडी किसान' चैनल की शुरूआत की थी।आज यह चैनल अपनी सफलतापूर्वक 11 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी कर चुका है। यह केवल एक टेलीविजन चैनल नहीं,बल्कि भारतीय कृषि समाज की आवाज,किसानों का साथी और ग्रामीण भारत का विकास मंच बन चुका है।डीडी किसान की शुरूआत ऐसे समय हुई थी जब भारतीय कृषि अनेक चुनौतियों से जूझ रही थी।जलवायु परिवर्तन, अनिश्चित मानसून,खेती की बढ़ती लागत, घटती कृषि योग्य भूमि,बाजार की अस्थिरता और वैज्ञानिक जानकारी के अभाव जैसी समस्याएँ किसानों को प्रभावित कर रही थीं।ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल जागरूकता सीमित थी और अधिकांश किसान परंपरागत अनुभवों के आधार पर खेती कर रहे थे।ऐसे समय में किसानों के लिए समर्पित 247 चैनल की शुरूआत अपने आप में ऐतिहासिक कदम था।इस चैनल का उद्देश्य केवल कृषि समाचार देना नहीं था,बल्कि 'किसान को सूचना से सशक्त' बनाना था।यही कारण है कि डीडी किसान ने खेती को परंपरागत सीमाओं से निकाल कर आधुनिक विज्ञान,तकनीक और बाजार व्यवस्था से जोड़ने का कार्य किया।भारत दुनिया की सबसे बड़ी कृषि अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। देश की बड़ी आबादी प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है।ऐसे विशाल कृषि समाज के लिए समर्पित राष्ट्रीय चैनल की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी।डीडी किसान ने इस आवश्यकता को पूरा करते हुए किसानों तक उपयोगी और वैज्ञानिक जानकारी पहुँचाने का सशक्त माध्यम तैयार किया।डीडी किसान की सबसे बड़ी विशेषता यह रही कि इसने किसानों को 'सूचना का अधिकार' व्यवहारिक रूप में प्रदान किया। वर्षों तक किसान केवल स्थानीय अनुभवों और सीमित जानकारी पर निर्भर रहते थे,लेकिन इस चैनल ने खेती को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने की नई सोच विकसित की। मौसम आधारित खेती,जल संरक्षण,ड्रिप इरिगेशन,प्राकृतिक खेती, जैविक उर्वरकों का उपयोग, फसल विविधीकरण, मधुमक्खी पालन,मत्स्य पालन,डेयरी उद्योग और कृषि आधारित स्वरोजगार जैसे विषयों को लगातार प्रमुखता दी गई।चैनल के लोकप्रिय कार्यक्रम 'मौसम खबर'और'मंडी समाचार' किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुए।'मौसम खबर' में विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों के अनुसार मौसम पूवार्नुमान और फसल आधारित सलाह दी जाती रही, जबकि 'मंडी समाचार' ने किसानों को विभिन्न मंडियों के भाव और बाजार की जानकारी देकर बेहतर निर्णय लेने में सहायता प्रदान की।डीडी किसान ने किसानों को खेती की बदलती तकनीकों से भी जोड़ा। आज देश का किसान मोबाइल एप, ड्रोन तकनीक,मिट्टी परीक्षण, माइक्रो इरिगेशन,डिजिटल मंडी और प्राकृतिक खेती जैसे आधुनिक कृषि शब्दों से परिचित है।इस जागरूकता के पीछे जनसंचार माध्यमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है,जिसमें डीडी किसान अग्रणी रहा।चैनल ने केवल खेती तक अपने कार्यक्रम सीमित नहीं रखे, बल्कि ग्रामीण जीवन के व्यापक विकास को भी केंद्र में रखा।महिला स्वयं सहायता समूह,ग्रामीण उद्यमिता, डिजिटल भुगतान,कौशल विकास,ग्रामीण स्वास्थ्य,शिक्षा और सरकारी योजनाओं की जानकारी जैसे विषयों को भी प्रमुखता दी गई।यही कारण है कि यह चैनल 'कृषि चैनल' से आगे बढ़कर 'ग्रामीण भारत का विकास चैनल' बन गया।डीडी किसान की एक प्रेरक पहल 'सफल किसान' कार्यक्रम रहा। इसमें देशभर के उन किसानों की कहानियाँ दिखाई गईं जिन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद आधुनिक तकनीक अपनाकर उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की।किसी किसान ने जैविक खेती से लाखों की आय अर्जित की, तो किसी ने मशरूम उत्पादन, मधुमक्खी पालन और मत्स्य पालन को रोजगार का माध्यम बनाया।इन वास्तविक कहानियों ने लाखों किसानों के भीतर आत्मविश्वास जगाया।भारत में दूरदर्शन की परंपरा स्वयं अत्यंत गौरवशाली रही है।वर्ष 1967 में शुरू हुआ 'कृषि दर्शन' कार्यक्रम भारतीय टेलीविजन इतिहास के सबसे लंबे समय तक चलने वाले कार्यक्रमों में गिना जाता है।डीडी किसान ने उसी परंपरा को आधुनिक स्वरूप और 24 घंटे की निरंतरता प्रदान की।डीडी किसान की एक बड़ी उपलब्धि यह रही कि इसने कृषि वैज्ञानिकों,शोध संस्थानों और किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित किया।कृषि विश्वविद्यालयों और कृषि विज्ञान केंद्रों से जुड़े विशेषज्ञों को मंच देकर चैनल ने वैज्ञानिक शोध को खेतों तक पहुँचाने का कार्य किया।इससे 'लैब टू लैंड' की अवधारणा को मजबूती मिली।आज डिजिटल मीडिया के युग में भी डीडी किसान का महत्व कम नहीं हुआ है।देश के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में आज भी दूरदर्शन और डीडी फ्री डिश की पहुँच अत्यंत व्यापक है।सीमित संसाधनों वाले किसान परिवारों तक निःशुल्क पहुँचने की क्षमता ने इस चैनल को विशेष रूप से प्रभावशाली बनाया है।यही इसकी सबसे बड़ी सामाजिक शक्ति है।ग्रामीण भारत में आज भी ऐसे लाखों परिवार हैं जहाँ निजी डिजिटल प्लेटफॉर्म या महँगे चैनल उपलब्ध नहीं हैं,लेकिन डीडी किसान उनके घर तक पहुँचता है।यही कारण है कि इसकी विश्वसनीयता लगातार बनी हुई है।डीडी किसान ने प्राकृतिक खेती और जैविक खेती को लोकप्रिय बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया।पिछले कुछ वर्षों में रसायन मुक्त खेती,देसी बीजों के संरक्षण और मोटे अनाज यानी मिलेट्स के प्रति बढ़ती जागरूकता में जनसंचार माध्यमों की बड़ी भूमिका रही है।चैनल ने लगातार मिलेट्स, गो आधारित खेती और पर्यावरण संतुलन जैसे विषयों को प्रसारित कर कृषि को सतत विकास से जोड़ने का प्रयास किया।जल संकट और बदलते जलवायु परिदृश्य को देखते हुए चैनल ने 'पर ड्रॉप मोर क्रॉप',सूक्ष्म सिंचाई और वर्षा जल संचयन जैसी तकनीकों को भी प्रमुखता दी।खेती में पानी बचाने की तकनीकों पर आधारित कार्यक्रम ग्रामीण क्षेत्रों में काफी लोकप्रिय हुए।डीडी किसान ने ग्रामीण महिलाओं की भूमिका को भी नई पहचान दी।खेतों से लेकर पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण तक ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है।चैनल ने महिला किसानों और स्वयं सहायता समूहों की सफलता की कहानियों को सामने लाकर उन्हें प्रेरणा का स्रोत बनाया। वैश्विक महामारी कोविड- 19 महामारी के दौरान डीडी किसान किसानों के लिए भरोसेमंद सूचना माध्यम बनकर उभरा। लॉकडाउन के समय किसानों के सामने फसल कटाई,श्रमिक संकट और परिवहन जैसी समस्याएँ थीं।उस समय चैनल ने किसानों तक आवश्यक जानकारी पहुँचाने का महत्वपूर्ण कार्य किया।उस दौर में यह चैनल ग्रामीण भारत की सूचना जीवनरेखा बन गया था।तकनीकी दृष्टि से भी डीडी किसान ने समय के साथ स्वयं को बदला है।हाल के वर्षों में चैनल ने डिजिटल प्लेटफॉर्म और आधुनिक प्रस्तुति शैली को अपनाया।आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एआई एंकर 'एआई कृष' और 'एआई भूमि' की शुरूआत ने इसे तकनीकी नवाचार की दिशा में भी अग्रणी बना दिया।यह इस बात का संकेत है कि भारतीय कृषि संचार भी तेजी से डिजिटल भविष्य की ओर बढ़ रहा है।डीडी किसान की 11 वर्षों की यात्रा वास्तव में भारतीय कृषि संचार क्रांति की कहानी है।यह यात्रा केवल एक चैनल की सफलता नहीं, बल्कि उस सोच की सफलता है जिसमें किसान को राष्ट्र निर्माण का केंद्र माना गया।आज भारत 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ रहा है।ऐसे समय में कृषि क्षेत्र की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।खाद्य सुरक्षा, ग्रामीण रोजगार और आत्मनिर्भर भारत की आधारशिला किसान ही हैं।इसलिए किसानों को सशक्त बनाना केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है।

ट्रंप को समझ आ गया कि चीन का मुकाबला अकेले नहीं, भारत के साथ मिलकर किया जा सकता है

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा।

अमेरिका को अब इस बात का भलीभांति एहसास हो चुका है कि चीन जैसी उभरती महाशक्ति को रोक पाना उसके अकेले बूते की बात नहीं रह गई है। यही कारण है कि चीन से लगभग खाली हाथ लौटे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब उम्मीद की सबसे मजबूत किरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दरबार में दिखाई दे रही है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो का भारत दौरा दरअसल इसी बदली हुई वैश्विक मजबूरी और रणनीति का संकेत है। ट्रंप ने जिस तरह भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से बातचीत के दौरान सार्वजनिक तौर पर कहा कि 'मुझे प्रधानमंत्री मोदी बहुत पसंद हैं। मोदी महान हैं और वो मेरे दोस्त हैं।' ट्रंप ने यह तक कहा कि 'हम भारत के इतने करीब पहले कभी नहीं थे और भारत मुझ पर तथा अमेरिका पर सौ फीसदी भरोसा कर सकता है।' यह बयान सिर्फ दोस्ती का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उस बदले हुए अमेरिकी रुख का संकेत है जिसमें वॉशिंगटन अब भारत को एशिया में शक्ति संतुलन बनाए रखने वाले सबसे अहम स्तंभ के रूप में देख रहा है। दिलचस्प बात यह भी रही कि मार्को रुबियो ने अपने भारत दौरे में ताजमहल के दीदार का कार्यक्रम भी रखा। कूटनीतिक गलियारों में इसे केवल पर्यटन नहीं, बल्कि एक प्रतीकात्मक संदेश माना जा रहा है, मानो अमेरिका भारत को यह भरोसा दिलाना चाहता हो कि वह इस बार दबाव नहीं, बल्कि मोहब्बत और साझेदारी का पैगाम लेकर आया है।

देखा जाये तो पिछले कुछ वर्षों में अमेरिका की विदेश नीति में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। ट्रंप प्रशासन के दौरान 'अमेरिका फर्स्ट' की नीति ने सहयोगी देशों में असहजता पैदा की। कई देशों को लगा कि वॉशिंगटन अब भरोसेमंद साथी नहीं रहा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। चीन की आर्थिक और सैन्य ताकत जिस तेजी से बढ़ी है, उसने अमेरिका को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि एशिया में उसका प्रभाव बनाए रखने के लिए भारत जैसी लोकतांत्रिक और उभरती शक्ति के साथ मजबूत रिश्ते जरूरी हैं।

दरअसल, चीन केवल व्यापारिक प्रतिस्पर्धी नहीं रहा। वह अब वैश्विक सप्लाई चेन, तकनीक, रक्षा उत्पादन और सामरिक निवेश के जरिए दुनिया पर अपना प्रभाव बढ़ा रहा है। दक्षिण चीन सागर से लेकर ताइवान तक, बीजिंग का आक्रामक रवैया अमेरिका के लिए चुनौती बन चुका है। ऐसे में भारत अमेरिका के लिए एक स्वाभाविक विकल्प बनकर उभरा है। भारत एक ऐसा देश है जिसकी अर्थव्यवस्था तेजी से बढ़ रही है, जिसके पास विशाल बाजार है और जो लोकतांत्रिक मूल्यों की बात करता है।

अमेरिका यह भी समझ चुका है कि केवल सैन्य शक्ति से चीन को रोका नहीं जा सकता। इसके लिए आर्थिक नेटवर्क, तकनीकी साझेदारी और भरोसेमंद औद्योगिक ढांचा जरूरी है। यही कारण है कि सेमीकंडक्टर, रक्षा निर्माण, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्रिटिकल मिनरल्स और डिजिटल टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

उधर, भारत के लिए भी यह अवसर कम महत्वपूर्ण नहीं है। लंबे समय तक भारत ने गुटनिरपेक्ष नीति और रणनीतिक स्वायत्तता को प्राथमिकता दी। लेकिन अब नई दिल्ली समझ रही है कि वैश्विक शक्ति संतुलन में सक्रिय भूमिका निभाए बिना अपने हित सुरक्षित नहीं रखे जा सकते। यही वजह है कि भारत क्वॉड जैसे मंचों में सक्रिय है और अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ सहयोग बढ़ा रहा है। हालांकि, भारत की चुनौती यह है कि वह अमेरिका के साथ नजदीकी बढ़ाते हुए अपनी स्वतंत्र विदेश नीति भी बनाए रखे। रूस के साथ रक्षा संबंध हों या पश्चिम एशिया में संतुलन, भारत किसी एक खेमे में पूरी तरह शामिल होने से बचता रहा है। यही उसकी सबसे बड़ी कूटनीतिक ताकत भी है।

एक चीज और उभर कर आ रही है कि अमेरिका को अब भारत के साथ संबंधों में सिर्फ रणनीतिक भाषा नहीं, बल्कि व्यावहारिक निवेश की भी जरूरत है। अगर वॉशिंगटन वास्तव में चीन का प्रभाव कम करना चाहता है, तो उसे भारत में निर्माण, तकनीक और औद्योगिक ढांचे को मजबूत करने में गंभीर निवेश करना होगा। केवल भाषणों और समझौतों से बात नहीं बनेगी। देखा जाये तो भारत के भीतर कई ऐसे क्षेत्र हैं जहां अमेरिकी निवेश बड़ा बदलाव ला सकता है। उच्च तकनीक, रक्षा उपकरण निर्माण, डिजिटल डेटा सुरक्षा और आपूर्ति श्रृंखला के क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ सकता है। इससे दोनों देशों को फायदा होगा। एक तो अमेरिका को चीन पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी दूसरा भारत को वैश्विक उत्पादन केंद्र बनने का मौका मिलेगा।

लेकिन इस साझेदारी की असली परीक्षा भरोसे पर होगी। अमेरिका का पिछला रिकॉर्ड कई बार अस्थिर रहा है। अफगानिस्तान से अचानक वापसी और बदलती नीतियों ने उसके सहयोगियों को सतर्क किया है। भारत इसलिए हर कदम सोच-समझकर उठा रहा है। वैसे भी आज की दुनिया में गठबंधन केवल युद्ध लड़ने के लिए नहीं बनते, बल्कि तकनीक, व्यापार, डेटा और सप्लाई चेन पर नियंत्रण के लिए भी बनते हैं। अमेरिका और भारत के रिश्ते अब इसी नए दौर में प्रवेश कर चुके हैं। यह संबंध केवल दो देशों के बीच साझेदारी नहीं, बल्कि एशिया और दुनिया की नई शक्ति संरचना का आधार बन सकता है। मार्को रुबियो की यात्रा इसी बदलती भू-राजनीति का संदेश है। संकेत साफ है कि अमेरिका को अब भारत की जरूरत महसूस हो रही है। और भारत भी यह समझ चुका है कि वैश्विक राजनीति में अब निर्णायक खिलाड़ी बनकर उतरने का समय आ गया है।

इसके अलावा, हाल के घटनाक्रमों ने यह भी साफ कर दिया है कि अमेरिका की चीन नीति उतनी सफल नहीं रही, जितनी ट्रंप प्रशासन उम्मीद कर रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हाल ही में चीन दौरे पर गए थे, लेकिन वहां उन्हें कोई बड़ी रणनीतिक सफलता हासिल नहीं हुई। व्यापार, तकनीक और भू-राजनीतिक तनाव जैसे मुद्दों पर बीजिंग ने अमेरिकी दबाव के सामने झुकने के संकेत नहीं दिए। विश्लेषकों का मानना है कि इसी के बाद वॉशिंगटन को दोबारा यह एहसास हुआ कि एशिया में चीन का संतुलन केवल भारत के सहयोग से ही संभव है। यही वजह है कि ट्रंप के सुर अब बदले-बदले नजर आ रहे हैं। ट्रंप की चीन यात्रा के तुरंत बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो भारत पहुंचे और उन्होंने भारत को ह्लनेचुरल पार्टनरह्व बताते हुए रिश्तों को नई दिशा देने की बात कही। माना जा रहा है कि ट्रंप ने अपने बेहद करीबी सहयोगियों में गिने जाने वाले भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को भारत के साथ रिश्तों को फिर से मजबूत करने की जिम्मेदारी दी है। खुद सर्जियो गोर ने सार्वजनिक रूप से कहा कि ट्रंप भारत और प्रधानमंत्री मोदी के साथ संबंधों को बेहद अहम मानते हैं। दरअसल, अमेरिका अब समझ चुका है कि चीन के साथ 'प्रतिस्पर्धा और सहयोग' की उसकी रणनीति सीमित परिणाम दे रही है, जबकि भारत के साथ मजबूत साझेदारी इंडो-पैसिफिक में उसे कहीं अधिक स्थिर और भरोसेमंद आधार दे सकती है।

संभवतः यह भी एक कारण है कि अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने अपने दौरे के दौरान साफ शब्दों में कहा कि भारत अब अमेरिका के 'सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक सहयोगियों' में शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बैठकों के बाद रुबियो ने संकेत दिए कि दोनों देशों के बीच लंबे समय से लंबित व्यापार समझौता अब अंतिम चरण में पहुंच चुका है और आने वाले कुछ हफ्तों में इस पर सहमति बन सकती है। रुबियो ने यह भी स्पष्ट किया कि यह साझेदारी केवल टैरिफ या व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य टेक्नोलॉजी, निवेश, सप्लाई चेन और सामरिक सुरक्षा में गहरा सहयोग स्थापित करना है। क्वॉड को लेकर भी अमेरिका अब केवल औपचारिक बैठकों से आगे बढ़कर उसे वास्तविक आर्थिक और सामरिक गठबंधन के रूप में विकसित करना चाहता है, जिसमें समुद्री सुरक्षा, क्रिटिकल मिनरल्स और चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला प्रमुख एजेंडा होंगे। रुबियो के बयानों से यह साफ झलकता है कि वाशिंगटन अब भारत को केवल दक्षिण एशिया की शक्ति नहीं, बल्कि इंडो-पैसिफिक रणनीति के केंद्रीय स्तंभ के रूप में देख रहा है।

बहरहाल, यह पूरा घटनाक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की संतुलित और दूरदर्शी कूटनीति की बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। पिछले लगभग एक वर्ष से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारत के खिलाफ तीखे बयान, व्यापारिक दबाव और कई असहज संकेत लगातार सामने आते रहे, लेकिन नई दिल्ली ने कभी भी भावनात्मक प्रतिक्रिया या सार्वजनिक बयानबाजी का रास्ता नहीं चुना। मोदी सरकार ने संयम, धैर्य और रणनीतिक चुप्पी बनाए रखते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता दी। भारत न तो अमेरिकी दबाव के आगे झुका और न ही संबंधों को टकराव की दिशा में जाने दिया। इसकी बजाय सही समय का इंतजार करते हुए भारत ने अपनी आर्थिक ताकत, वैश्विक प्रतिष्ठा और रणनीतिक महत्व को और मजबूत किया। आज स्थिति यह है कि वही अमेरिका, जो कभी भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था, अब रिश्तों को सुधारने और भारत को अपना सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताने पर मजबूर है। यह केवल कूटनीतिक जीत नहीं, बल्कि उस आत्मविश्वासी भारत की तस्वीर है जिसने दुनिया को दिखा दिया कि मजबूत राष्ट्र शोर से नहीं, बल्कि धैर्य, संतुलन और सही रणनीति से अपनी जगह बनाते हैं।
~~~~~~~~

एसी के साथ पंखा चलाना सही है या गलत?

बिजली बिल बचाने का आसान तरीका

गर्मी के मौसम में कमरे को जल्दी ठंडा करने के लिए लोग अक्सर एसी और पंखा एक साथ चला लेते हैं। हालांकि, कई लोगों के मन में यह सवाल रहता है कि क्या एसी और फैन को साथ चलाना सही है या इससे बिजली का बिल ज्यादा आता है। कुछ लोग तो यह भी मानते हैं कि पंखा चलाने से एसी पर दबाव बढ़ता है और मशीन खराब हो सकती है। लेकिन सच इसके बिल्कुल उलट है। एसी और पंखा एक-दूसरे के दुश्मन नहीं, बल्कि अच्छे साथी हैं। अगर इन्हें सही तरीके से साथ इस्तेमाल किया जाए तो कमरा जल्दी ठंडा होता है, एसी पर ज्यादा लोड नहीं पड़ता और बिली की खपत भी कम हो जसकती है।

कूलिंग क्यों नहीं होती

गर्मियों में कमरा काफी गर्म रहता है और ऐसे में अगर आप एसी 16-21-24 पर चलाते हैं, तो उस पर लोड ज्यादा पड़ता है और कूलिंग मन-मुताबिक नहीं होती। जब एसी पर लोड बढ़ेगा तब बिजली की खपत भी होगी और यही कारण है कि आपका बिल ज्यादा आता है।

एसी-पंखा साथ चलाने से क्या होगा?

मान लीजिए कि आपने सिर्फ एसी चलाया हुआ है, जो कमरे की हवा को धीरे-धीरे ठंडा कर रहा है। इस प्रोसेस में समय लगेगा और करीब आधे-1 घंटे के बाद कमरा ढंग से ठंडा होगा। अगर फौरन चिल्ड करना चाहेंगे तो एसी को लो टेंपरेचर पर रखना पड़ेगा। लेकिन अगर आप साथ में 2-3 नंबर पर पंखा चला लेते हैं, तो ये कमरे की कोने-कोने की हवा को ठंडा करने में जल्दी मदद करेगा। अगर आप 24 नंबर पर एसी चला रहे हैं और साथ में 3 नंबर पर पंखा, तो कमरा जल्दी ठंडा होगा और एसी पर ज्यादा लोड नहीं आएगा।

बिजली बिल कैसे बचेगा

जब आप कम स्पीड में एसी चलाएंगे तो बिजली का बिल खुद ही कम आएगा और एयर कंडीशनर की मशीन पर लोड भी कम पड़ेगा। पंखे के साथ आप एसी का टेंपरेचर 24-25-26 पर रख सकते हैं और ऐसे में आपका रूम बिल्कुल चिल्ड हो जाएगा।

रात में सुकून की नींद

कई लोग एसी रातभर चलाते हैं, तो कमरे में नमी बनी रहती है या अजीब सी महक के कारण सो नहीं पाते। पंखा साथ में चलाते हैं, तो एसी से कमरे में नमी नहीं होगी और चैन की नींद आएगी। पंखे की हवा से एसी कमरे को कुछ ही देर में ठंडा कर देगा और नमी गायब हो जाएगी।

कूलिंग टिप्स

अगर आपका कमरा काफी बड़ा है, तब आप ये तरीका अपनाकर देखें। अगर कमरा छोटा। ये दोनों चीजें आपको बेहतर कंफर्म और बैलेंस्ड है, तो एसी को 22 पर सेट करके कुछ देर के लिए चलाएं और पंखा बंद रखें। इसके बाद हल्का पंखा चलाकर एसी का टेंपरेचर कम करें। साथ ही एसी चलाने से पहले कमरे की खिड़कियां, दरवाजे बंद करें, जिससे हवा बाहर न जाएं और कमरा जल्दी कूल होकूलिंग देंगे।

बाजार वाले पतले दूध से भी निकलेगी रोटी जितनी मोटी मलाई!

पतले दूध में मलाई पतली जमती है या फिर जम ही नहीं पाती। अगर आप भी फुल क्रीम दूध नहीं खरीदते हैं, तो हम आपको पतले दूध में गाढ़ी मलाई जमाने का आसान तरीका बताने जा रहे हैं। इसके बाद आप डेयरी हो या फिर बाजार का पतला दूध सभी में रोटी जितनी मोटी मलाई जमा लेंगे।

दूध हर घर में आता है और उससे मलाई निकालकर घी भी बनाया जाता है। कई लोग मलाई ऐसे ही निकालते हैं, जो खाने या फिर कुछ और बनाने के काम में आए। लेकिन अगर आप डेयरी या फिर बाजार से पतला वाला दूध खरीदते हैं, तो मोटी मलाई का निशान दूर-दूर तक नहीं रहता। इन दूध में पतली मलाई जमती है, जो किसी काम की नहीं होती। अगर आप भी पतली मलाई जमने से परेशान रहती हैं, तो अब एक ट्रिक अपनाकर पतले और पानी मिले दूध से भी रोटी जितनी मोटी मलाई जमा सकती हैं। कई महिलाएं दूध में सिर्फ 1 चम्मच खास चीज मिलाकर मलाई को ज्यादा गाढ़ा और मोटा बना लेती हैं। खास बात ये है कि इसके लिए ज्यादा मेहनत भी नहीं करनी पड़ती।

दूध कैसे उबालें

अक्सर हम दूध को तेज आंच पर चढ़ा देते हैं और एक उबाल आते ही गैस बंद कर देते हैं। ऐसा करने से दूध अच्छी तरह पक नहीं पाता, और यही वजह होती है कि उस पर मोटी मलाई नहीं जमती। अगर आप चाहती हैं कि दूध पर बाजार जैसी गाढ़ी मलाई जमे, तो सबसे पहले दूध को हमेशा धीमी आंच पर पकाना शुरू करें। भले ही इसमें थोड़ा ज्यादा समय लगे, लेकिन धीमी आंच पर दूध अच्छे से खौलता है और उसका टेक्सचर भी बेहतर हो जाता है। जब दूध धीरे-धीरे पकते हुए पहली उबाल लेने लगे, तभी आपको अपनी सीक्रेट ट्रिक अपनानी है। इसी स्टेज पर थोड़ा-सा मिल्क पाउडर मिलाने से दूध में फैट और सॉलिड्स बढ़ जाते हैं, जिससे बाद में मलाई ज्यादा मोटी और गाढ़ी जमती है। यही छोटा-सा तरीका पतले दूध को भी मलाईदार बना देता है।

क्या मिलाना है

दूध जब हल्की पहली उबाल लेने लगे, तब उसमें 1 चम्मच मिल्क पाउडर मिला दें। मिल्क पाउडर का स्वाद दूध में महसूस नहीं होगा, लेकिन इससे मलाई काफी गाढ़ी और मोटी जमेगी। मिल्क पाउडर डालने के बाद दूध को चम्मच से अच्छी तरह चलाएं और फिर दूसरी उबाल आने दें। इसके बाद गैस बंद कर दें और दूध को ठंडा होने दें। फिर इसे फ्रिज में रख दें। कुछ घंटों बाद आप देखेंगे कि पतले दूध पर भी मोटी मलाई जमकर ऊपर तैर रही है।

क्यों काम करती है ये ट्रिक?

मिल्क पाउडर दूध में फैट और सॉलिड्स बढ़ाने का काम करता है। इसी वजह से मलाई ज्यादा और मोटी जमती है। अगर आप फुल क्रीम दूध नहीं लेते, तो यह तरीका सबसे आसान और असरदार है। बस ध्यान रखें कि दूध को बार-बार न चलाएं और ठंडा होने के तुरंत बाद फ्रिज में रख दें। यह तरीका आप डेयरी वाले दूध के साथ भी आसानी से आजमा सकती हैं।

नींबू के छिलकों

से आपकी तुलसी होगी घनी और स्वस्थ!

घर में लगी तुलसी सिर्फ एक पौधा नहीं, बल्कि आस्था, सेहत और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक मानी जाती है। लेकिन अक्सर लोग शिकायत करते हैं कि उनकी तुलसी ठीक से बढ़ नहीं रही, पत्तियां पीली पड़ जाती हैं या पौधा बार-बार सूखने लगता है। ऐसे में लोग महंगे फर्टिलाइजर और केमिकल का सहारा लेते हैं, जबकि इसका आसान और मुफ्त समाधान आपके किचन में ही मौजूद होता है नींबू के छिलके।

क्यों खास है नींबू के छिलकों का इस्तेमाल?

अक्सर हम नींबू का रस निकालने के बाद उसके छिलकों को बेकार समझकर फेंक देते हैं। लेकिन यही छिलके तुलसी के लिए किसी नेचुरल टॉनिक से कम नहीं हैं। इनमें मौजूद सिट्रस ऑयल, एंटी-बैक्टीरियल गुण और पोषक तत्व पौधे की ग्रोथ को बेहतर बनाने में मदद करते हैं।

कीड़ों से बचाने का प्राकृतिक तरीका

तुलसी के पौधे पर छोटे-छोटे कीड़े या चींटियां लग जाना एक आम समस्या है। नींबू के छिलकों की तेज खुशबू इन कीड़ों को दूर भगाने में मदद करती है। जब आप इन्हें मिट्टी में डालते हैं, तो यह एक नेचुरल कीटनाशक की तरह काम करते हैं और पौधे को सुरक्षित रखते हैं।

मिट्टी को बनाते हैं ज्यादा उपजाऊ

तुलसी के पौधे को हल्की एसिडिक मिट्टी पसंद होती है। नींबू के छिलके मिट्टी के श्च॥ स्तर को संतुलित करने में मदद करते हैं, जिससे जड़ें पोषक तत्वों को बेहतर तरीके से अवशोषित कर पाती हैं। इसका असर यह होता है कि पौधा तेजी से बढ़ता है और ज्यादा हरा-भरा दिखाई देता है।

फंगस और सड़न से बचाव

अधिक पानी या नमी के कारण तुलसी की जड़ों में फंगस लगने की समस्या हो सकती है। नींबू के छिलकों में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण इस समस्या को कम करने में मदद करते हैं। साथ ही, यह मिट्टी में आने वाली बदबू को भी दूर कर देते हैं और उसे ताजा बनाए रखते हैं।

इस्तेमाल करने के आसान तरीके

नींबू के छिलकों का सही फायदा पाने के लिए इन्हें सीधे इस्तेमाल करने के बजाय कुछ आसान तरीकों को अपनाना बेहतर होता है। आप छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर गमले की मिट्टी में हल्का दबा सकते हैं। दूसरा तरीका है, इन्हें 2-3 दिन पानी में भिगोकर उस पानी को छान लें और पौधे में डालें यह एक लिक्विड फर्टिलाइजर की तरह काम करता है। अगर लंबे समय तक इस्तेमाल करना हो, तो छिलकों को सुखाकर पीस लें और महीने में एक बार मिट्टी में मिला दें।

इस्तेमाल करते समय रखें ये सावधानियां

ध्यान रखें कि नींबू के छिलकों का ज्यादा इस्तेमाल भी नुकसान कर सकता है। हफ्ते में एक बार से ज्यादा इसका प्रयोग न करें। अगर मिट्टी पहले से ज्यादा एसिडिक है, तो इसका उपयोग करने से बचें। साथ ही, छिलकों को हमेशा मिट्टी के अंदर दबाकर रखें, ताकि ऊपर फंगस न लगे।

गर्मियों में शिशुओं की सेहत का रखें ख्याल, खिलाएं ये खाना

गर्मियों का मौसम में बच्चों की सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है, खास कर छोटे बच्चों का। ऐसे में पेरेंट्स अक्सर सोचते है कि बच्चों का ध्यान कैसे रखा जाएं, उन्हें गर्मियों मे खाने के लिए क्या दिया जाएं। जिससे बच्चों का शरीर स्वस्थ और हाइड्रेटिड रहे। गर्मियों में शिशुओं (0-1 साल) का आहार हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला होना चाहिए। लेकिन क्या खिलाना है, यह बच्चे की उम्र (6 महीने से कम या ज़्यादा) पर निर्भर करता है। चलिए एक्सपर्ट से जानते हैं कि बच्चों को गर्मी में क्या खिलाना चाहिए?

छोटे बच्चों को गर्मियों में कैसा खाना खिलाए?

गर्मियों में शिशुओं को हल्का, पौष्टिक और शरीर को ठंडक देने वाला आहार खिलाना चाहिए। एक्सपर्ट के अनुसार, गर्मी के मौसम में बच्चों को ठंडा और हाइड्रेटेड रखने के लिए हल्के, आसानी से पचने वाले और पानी से भरपूर खाने की जरूरत होती है। बच्चों को भारी खाना नहीं खिलाना चाहिए, उन्हें हल्का और जल्दी पचने वाला खाना खिलाना चाहिए।

6 महीने से कम उम्र के बच्चों को क्या दें?

एक्सपर्ट के मुताबिक, 6 महीने से कम उम्र के बच्चों के लिए तो मां का दूध ही काफी होता है। क्योंकि इसमें पहले से ही सही मात्रा में पानी और पोषक तत्व होते हैं। जब तक डॉक्टर शिशु को पानी पिलाने की सलाह न दे, उन्हें पीने के लिए पानी भी नहीं देना चाहिए।

6 महीने से ज्यादा के बच्चों को क्या खिलाना चाहिए?

जब बच्चा 6 महीने से ज्यादा का हो जाए तो आप धीरे-धीरे ठोस आहार शुरू कर सकते हैं। एक्सपर्ट के मुताबिक, चावल का पानी , मूंग दाल की पतली खिचड़ी, दलिया (हल्का और पतला), फल (अच्छी तरह मैश करके), केला, सेब (उबालकर या स्टीम करके), पपीता, तरबूज (बीज निकालकर, कम मात्रा में) आप बच्चों को ये आहार दे सकते है।

बच्चों को सब्जियां खिलाएं

बच्चों को उबली और मैश की हुई सब्जियां खिलानी चाहिए। जैसे, गाजर, लौकी, कद्दू, आलू।

बच्चों को गर्मी से बचाने के लिए ये भी दें

बच्चों को गर्मी में उबला और ठंडा किया हुआ पानी (6 महीने बाद), घर का बना छाछ (बहुत पतला, थोड़ा सा), नारियल पानी (कम मात्रा में, डॉक्टर की सलाह से) दें।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,134 , निफ्टी 330 अंक उछला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन भारी तेजी के साथ बंद हुआ। ये उछाल दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिका-ईरान के बीच समझौते की बढ़ती उम्मीदों से भी निवेशकों में उत्साह आया है। इसी कारण दिन भर के बाजारों के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,134 अंक बढ़कर 76,549.82 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 330 अंक की ऊपर आकर 24,049.55 के पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान हर क्षेत्र में तेजी रही। ऑयल एंड गैस, मीडिया, ऑटो, बैंकिंग, एनर्जी और रिएल्टी सेक्टर्स में 1-1 फीसदी से ज्यादा की मजबूती रही। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी बढ़त रही। बड़े शेयरों के साथ-साथ छोटे और मध्यम शेयरों में भी आज काफी खरीदारी रहीं। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.8 फीसदी की बढ़त रही जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स भी 1 फीसदी उछला।

आज अदाणी समूह की अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयरों में उछाल आया। एक रिपोर्ट के बाद कंपनी के शेयरों में निवेशकों ने जमकर खरीदारी की, जिससे यह स्टॉक 12 फीसदी से ज्यादा उछलकर 2,850.80 के साथ अपने 52 हफ्ते के नए उच्च स्तर पर पहुंच गये।

बाजार में कुछ शेयरों में मुनाफावसूली दर्ज की गयी। इसमें मैक्स हेल्थकेयर , ओएनजीसी, हिंडाल्को, टीसीएस , बजाज ऑटो, डॉलर के मुकाबले रुपये में शानदार रिकवरी रही। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेजी के साथ शुरुआत रही।

सुबह के शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 835 अंकों की बढ़त के साथ 76,250 के स्तर पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 247 अंक चढ़कर 23,967 पर पहुंच गया। एशियाई बाजारों से मिले मजबूत संकेतों ने भी भारतीय बाजार में को बल मिला।

अनिल अंबानी की रिलायंस पावर मुनाफे से घाटे में आई, लुढ़कर कर आधे हुए शेयर

नई दिल्ली।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर मुनाफे से घाटे में आ गई है। अनिल अंबानी की पावर कंपनी को 31 मार्च 2026 को खत्म हुई चौथी तिमाही में 494 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में रिलायंस पावर को 125.57 करोड़ रुपए का कंसॉलिडेटेड मुनाफा हुआ था। रिलायंस पावर के शेयर सोमवार को बीएसई में गिरावट के साथ 26.67 रुपए पर कारोबार कर रहे थे। रिलायंस पावर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई लेवल से आधे से ज्यादा लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयर 11 जून 2025 को 76.49 रुपए पर थे। कंपनी के शेयर 25 मई को 26.67 रुपए पर जा पहुंचे हैं। पिछले एक महीने में कंपनी के शेयरों में 9 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले 6 महीने में रिलायंस पावर के शेयर 28 फीसदी से ज्यादा टूट गए हैं। इस साल अब तक रिलायंस पावर के शेयरों में 23 फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखने को मिली है। रिलायंस पावर के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 95 फीसदी से ज्यादा लुढ़क गए हैं। रिलायंस पावर के शेयरों का ऑल टाइम हाई लेवल 565.65 रुपए है। कंपनी के शेयर 11 फरवरी 2008 को इस स्तर पर थे। इस लेवल से रिलायंस पावर के शेयर 95 फीसदी से ज्यादा टूट गए हैं। रिलायंस पावर ने मई 2008 में अपने शेयरधारकों को बोनस शेयर का तोहफा भी दिया है। कंपनी ने 3:5 के रेशियो में अपने निवेशकों को बोनस शेयर दिए यानी, कंपनी ने हर 5 शेयर पर अपने शेयरधारकों को 3 बोनस शेयर बांटे। रिलायंस पावर की टोटल इनकम चौथी तिमाही में घटकर 1946.33 करोड़ रुपए रही। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की टोटल इनकम 2065.64 करोड़ रुपए रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 336.89 करोड़ रुपए का घाटा हुआ है। वहीं, इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में रिलायंस पावर को 2947.83 करोड़ रुपए का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2026 में कंपनी की टोटल इनकम घटकर 7988.52 करोड़ रुपए रही है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 8257.04 करोड़ रुपए थी।

बकरीद पर 28 मई को भारतीय शेयर बाजार बंद रहेगा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह सप्ताह अहम रहने वाला है। केंद्र सरकार ने बकरीद (ईद-उल-अजहा) के उपलक्ष्य में आगामी गुरुवार, 28 मई को गजेटेड हॉलिडे घोषित कर दिया है। इस घोषणा के बाद नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इस दिन कोई ट्रेडिंग नहीं होगी। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने इस संबंध में आधिकारिक नोटिफिकेशन जारी कर स्थिति स्पष्ट कर दी है। अब इक्विटी, डेरिवेटिव्स और अन्य सभी सेगमेंट में निवेश करने वाले अपनी खरीद-बिक्री की रणनीति में बदलाव करेंगे। गौरतलब है कि मई का महीना पहले से ही निवेशकों के लिए छुट्टियों भरा रहा है, जिसकी शुरुआत 1 मई के अवकाश से हुई थी। 28 मई की छुट्टी के बाद, 30 और 31 मई को वीकेंड होने के कारण निवेशकों को लंबा अवकाश मिलेगा। हालांकि, इस दौरान अमेरिका, यूरोप और एशियाई बाजारों में सामान्य ट्रेडिंग जारी रहेगी, इसलिए वैश्विक घटनाक्रमों पर नज़र बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

भू-राजनीतिक नरमी से क्रिप्टो बाजार में उछाल, बिटकॉइन 77,325 डॉलर पार

मुंबई ।

पश्चिम एशिया में अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव में नरमी के संकेतों के बाद क्रिप्टो करेंसी बाजार में दूसरे दिन भी तेजी जारी है। प्रमुख क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन 77,325.74 डालर के स्तर पर पहुंच गया है। इस सकारात्मक बदलाव के कारण निवेशकों का रुझान जोखिम वाली संपत्तियों की ओर बढ़ा है। ईरान और अमेरिका के बीच संभावित शांति समझौते और भू-राजनीतिक तनाव कम होने की उम्मीद ने वैश्विक बाजारों को प्रभावित किया है। सोमवार को कच्चे तेल की कीमतों में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई, जबकि क्रिप्टो बाजार में रौनक लौट आई। भारतीय समयानुसार सुबह 11:50 बजे बिटकॉइन 77,325.74 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था, जो रविवार को 76,688 डॉलर के आसपास था। पिछले 24 घंटों में इसने 0.75 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है, जबकि इसके` पिछले कारोबारी` दिन दोपहर से पहले 1.64 फीसदी की तेजी देखी गई थी। हालांकि, ईरान के हालिया बयान ने बाजार में नई अनिश्चितता पैदा कर दी है, जिसमें कहा गया है कि यदि अमेरिका उसकी फीज की गई संपत्ति को रिलीज नहीं करता है तो युद्धविराम विफल हो सकता है।

तिमाही नतीजे से आयशर मोटर्स के शेयरों में 5.8 फीसदी की तेजी, निवेशक खुश

कंपनी का प्रदर्शन मार्च क्वार्टर में उम्मीद से बढ़कर अच्छा रहा

नई दिल्ली।

रॉयल इनफील्ड बनाने वाली आयशर मोटर्स के शेयरों की कीमतों में सोमवार को 5.8 फीसदी की तेजी आई। कंपनी के शेयरों में तेजी के पीछे की वजह तिमाही नतीजे हैं, जिससे निवेशक काफी खुश हैं। जीएसटी कटौती की वजह से इस कंपनी का प्रदर्शन मार्च क्वार्टर के दौरान उम्मीद से बढ़कर अच्छा रहा। बीएसई में सोमवार को आयशर मोटर्स के शेयर बढ़त के साथ 7200.10 रुपए के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव 5.8 फीसदी से ज्यादा की तेजी के साथ 7389.55 रुपए के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गए थे।

आयशर मोटर्स ने बताया कि मार्च तिमाही में प्रॉफिट 1519.95 करोड़ रुपए रहा है। सालाना आधार पर आयशर मोटर्स का प्रॉफिट 11.58 फीसदी बढ़ा है। पिछले वित्त वर्ष के इसी तिमाही में कंपनी का प्रॉफिट 1362.15 करोड़ रुपए था। जनवरी से मार्च तिमाही के दौरान कंपनी का रेवन्यू से 6080.09 करोड़ रुपए रहा। एक साल पहले इसी तिमाही में कंपनी का रेवन्यू 5241.11 करोड़ रुपए रहा था। बता दें, मार्च क्वार्टर के दौरान रॉयल इनफील्ड की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई है। कंपनी ने कुल 313811 यूनिट बाइक बेची है।

पूरे वित्त वर्ष की बात करें तो आयशर मोटर्स का प्रॉफिट 16.5 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 5515.23 करोड़ रुपए रहा।

वित्त वर्ष 2026 में कंपनी का रेवन्यू से 24 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद 23407.56 करोड़ रुपए रहा है। आयशर के शेयरों के

प्रदर्शन को लेकर एक्सपर्ट्स बुलिश हैं।

गोल्डमेन सेसे ने 8400 रुपए का टारगेट प्राइस सेट किया है। ब्रोकरेज हाउस की तरफ से बाय रेटिंग दी गई है। वहीं, सीएलएसए ने 7651 रुपए का टारगेट प्राइस सेट किया है।

इस ब्रोकरेज हाउस ने आउटपरफॉर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज हाउस एचएसबीसी ने 8200 रुपए का टारगेट प्राइस आयशर मोटर्स के शेयरों के लिए दिया है। बीते एक साल में कंपनी के शेयरों की कीमतों में 35 फीसदी से ज्यादा देखने को मिली। इस कंपनी ने 3 साल में निवेशकों को 101 फीसदी का रिटर्न दिया है।

ग्रामीण रोजगार के नए युग की शुरुआत, वीबी-जी-राम जी के मसौदा नियम जारी

1 जुलाई 2026 से मनरेगा की जगह लेगा यह अधिनियम

मुंबई ।

केंद्र सरकार ने विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 (वीबी-जी-राम जी) के मसौदा नियम सार्वजनिक टिप्पणियों के लिए जारी कर दिए। यह नया अधिनियम 1 जुलाई 2026 से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा और ग्रामीण रोजगार गारंटी के लिए एक नए आवंटन मॉडल का प्रस्ताव करता है। मसौदा नियमों पर 21 जून 2026 तक टिप्पणियां आमंत्रित की गई हैं। वीबी-जी-राम जी के मसौदा नियमों के अनुसार, केंद्र एक वित्त वर्ष में राज्यों को मानक निधि आवंटन के लिए 16वें वित्त आयोग के क्षैतिज हस्तांतरण फॉर्मूले का उपयोग करेगा। वित्त वर्ष 2027 से शुरू होकर, इस मानदंड-आधारित आवंटन का एक हिस्सा राज्यों के प्रदर्शन से भी जुड़ा होगा, जिसमें समय पर मजदूरी भुगतान, सामाजिक ऑडिट का अनुपालन और कार्यों को पूरा करने का प्रतिशत जैसे कारक शामिल होंगे। केंद्र शासित प्रदेशों के लिए आवंटन प्रदर्शन या अन्य उपयुक्त मानदंडों पर आधारित होगा। अधिनियम के तहत केंद्र और राज्यों के बीच कोष का साझाकरण 60:40 होगा, जबकि उत्तर-पूर्वी और पहाड़ी राज्यों के लिए यह अनुपात 90:10 रहेगा। हालांकि, सिविल सोसायटी के एक समूह ने इस नए मानक आवंटन की आलोचना की है।

उनका तर्क है कि यह केंद्र को राज्यों को आवंटित की जाने वाली धनराशि की मात्रा मनमाने ढंग से तय करने का अधिकार देता है, जिससे रोजगार के दिनों की संख्या प्रभावित होगी और यह मनरेगा की मांग-आधारित भावना के विरुद्ध है। इसके जवाब में केंद्र ने स्पष्ट किया है कि मानदंड-आधारित धन मुहैया कराना वीबी-जी-राम जी को भारत सरकार की अधिकांश योजनाओं के बजट मॉडल के अनुरूप बनाता है और इससे रोजगार गारंटी कम नहीं होगी।

पाकिस्तान-श्रीलंका से कम बढ़ी भारत में पेट्रोल-डीजल की कीमतें

पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस और नेपाल में 30 से 86 फीसदी तक की बढ़ोतरी

नई दिल्ली ।

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें एक बार फिर बढ़ाई गई हैं, जो 10 दिनों में चौथी वृद्धि है। हालांकि, यह बढ़ोतरी पाकिस्तान, श्रीलंका और म्यांमार जैसे कई पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है, जहां ईंधन के दाम आसमान छू रहे हैं। सोमवार की बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में पेट्रोल 102.12 रुपये और डीजल 95.20 रुपये प्रति लीटर हो गया है। बीते 10 दिनों में पेट्रोल 7.35 रुपये और डीजल 7.53 रुपये महंगा हुआ है। इसके विपरीत म्यांमार में पेट्रोल 90 फीसदी और डीजल 110 फीसदी तक महंगा हुआ है। पाकिस्तान, श्रीलंका, यूएई, फिलीपींस और नेपाल जैसे देशों में भी 30 से 86 फीसदी तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। यूरोपीय यूनियन में तो पेट्रोल 180 रुपये और डीजल 184 रुपये प्रति लीटर के औसत भाव पर बिक रहा है, जो भारत से कहीं अधिक

है। यह बढ़ोतरी तेल कंपनियों को हो रहे भारी घाटे को कम करने के लिए की जा रही है। यूक्रेन युद्ध के कारण 76 दिनों तक कीमत न बढ़ने से कंपनियों को रोजाना 1000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था, जो अब घटकर 500 करोड़ रुपये रह गया है।

भारत में सोने का शौक बना अर्थव्यवस्था की चुनौती

नई दिल्ली।

भारत में सोना सदियों से भरोसे और सुरक्षा का प्रतीक रहा है, पर अब इसकी भारी खरीददारी देश की अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती बन गई है। विशेषज्ञ बढ़ते आयात बिल और कमजोर रुपये के मद्देनजर सोने को परंपरा नहीं, बल्कि जरूरत और निवेश के नजरिए से देखने की सलाह दे रहे हैं, ताकि खरीददारी का तरीका बदला जा सके। भारतीय परिवारों के पास अनुमानित 34,600 टन सोना मौजूद है, लेकिन भारत अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इससे चालू खाता घाटा बढ़ता है और रुपये पर दबाव आता है, जो कच्चे तेल की कीमतों के साथ मिलकर आर्थिक दबाव बढ़ाता है। इसी कारण, हाल ही में प्रधानमंत्री ने लोगों से अनावश्यक सोना खरीद टालने की अपील की थी। विशेषज्ञों का मानना है कि लोग अक्सर गहना, निवेश और केवल मुनाफे के लिए की जाने वाली ट्रेडिंग के बीच अंतर नहीं कर पाते। पारंपरिक ज्वेलरी खरीद में मेकिंग चार्ज, जीएसटी और शुद्धता का आकलन मुश्किल होता है।

ईंधन मूल्य वृद्धि से चमके तेल विपणन कंपनियों के शेयर

एचपीसीएल, बीपीसीएल और आईओसी के शेयरों में 4 से 6 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली ।

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि के बाद सोमवार को सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) के शेयरों में जोरदार तेजी दर्ज की गई। कीमतों में बढ़ोतरी का सीधा असर कंपनियों के मुनाफे की उम्मीद पर पड़ा, जिससे निवेशक आकर्षित हुए। बीएसई पर हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) का शेयर 5.86 प्रतिशत बढ़कर 412.55 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गया। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) में 4.55 प्रतिशत और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) के शेयर में 4.15 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। यह तेजी सोमवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 2.61 से 2.71 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के तुरंत बाद आई, जो दो सप्ताह से भी कम समय में चौथी वृद्धि है। 15 मई से अब तक कुल 7.5 रुपये प्रति लीटर की वृद्धि हो चुकी है, जिससे महंगाई और परिवहन लागत बढ़ने की चिंताएं

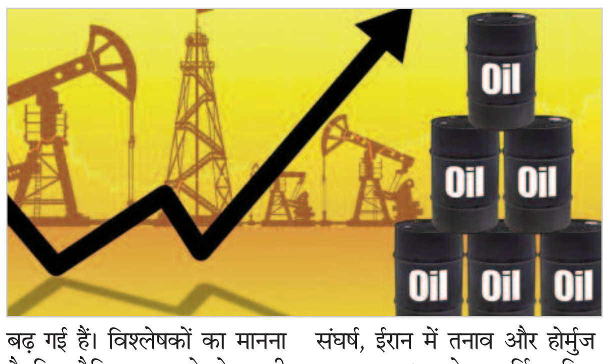

बढ़ गई हैं। विश्लेषकों का मानना है कि वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में फरवरी के अंत से अब तक 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है। अमेरिका-इजराइल संघर्ष, ईरान में तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य से आपूर्ति बाधित होने की आशंका इसकी मुख्य वजहें हैं, जो कच्चे तेल को महंगा कर रही हैं।

सेमीकंडक्टर मिशन के अंतर्गत 76,000 करोड़ का अधिकांश फंड किया गया उपयोग

धोलेरा में डिस्प्ले फैब को मिली मंजूरी, 22 महीनों में पहली माइक्रो-एलईडी स्क्रीन का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

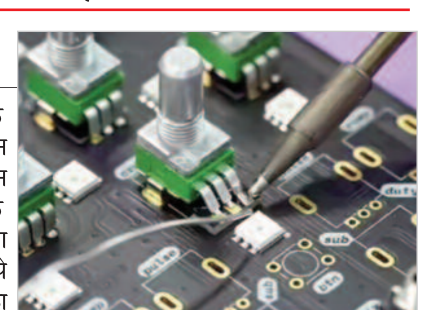

भारत के महत्वाकांक्षी इंडियन सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के तहत निर्धारित लगभग 76,000 करोड़ रुपये के अधिकांश फंड का उपयोग कर लिया गया है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि इस साल देश में माइक्रो-एलईडी पैनल और माइक्रोचिप से जुड़ी कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं शुरू होने वाली हैं, जो भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करेंगी। सेमीकंडक्टर नीति के तहत, गुजरात के धोलेरा में माइक्रो-एलईडी तकनीक लाने के लिए एक डिस्प्ले फैब को हाल ही में मंजूरी मिली है। मंत्री के अनुसार यह भारत के डिस्प्ले इकोसिस्टम के लिए एक उल्लेखनीय अवसर है। वैश्विक डिस्प्ले उद्योग में ज्योमेट्री के आकार में तेजी से कमी आ रही है, और 50 माइक्रोन पर माइक्रो-एलईडी उपयोगकर्ता अनुभव और कीमत दोनों में एलसीडी व ओएलईडी के साथ सीधे प्रतिस्पर्धी बन जाता है। धोलेरा संयंत्र में मिनी-एलईडी और माइक्रो-एलईडी दोनों तकनीकें इस्तेमाल होंगी, जिसमें माइक्रो-एलईडी चिप का आकार 30 माइक्रोन गुणा 60 माइक्रोन होगा। उम्मीद है कि इस संयंत्र से पहली माइक्रो-एलईडी स्क्रीन लगभग 22 महीनों में तैयार हो जाएगी। सरकार माइक्रो-एलईडी को आज की तकनीक मानती है और इसमें भारत के लिए आगे बढ़ने का अवसर देखती है। रणनीति में प्रौद्योगिकी को साबित करना, आपूर्ति श्रृंखला बनाना, कार्यबल को प्रशिक्षित करना और फिर विस्तार करना शामिल है। इस लक्ष्य के साथ, भारत 2035 तक सेमीकंडक्टर विनिर्माण में दुनिया के शीर्ष देशों में शामिल होने की राह पर है, जिसमें डिस्प्ले निर्माण एक अहम हिस्सा है। सरकार भविष्य में विस्तार के लिए अतिरिक्त सहायता देने को भी तैयार है।

जून में रेपो दर स्थिर रख सकता है आरबीआई सर्वेक्षण

चालू वित्त वर्ष में दरों में बढ़ोतरी की संभावना

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और आपूर्ति श्रृंखला में संभावित व्यवधानों से उत्पन्न महंगाई की आशंका के बावजूद, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) अपनी आगामी बैठक 3-5 जून में रेपो दर को वर्तमान स्तर पर यथावत बनाए रख सकती है। एक सर्वेक्षण में अधिकांश प्रतिभागियों ने यह उम्मीद जताई है। हालांकि, सर्वेक्षण में शामिल लगभग सभी विशेषज्ञों ने मौजूदा वित्त वर्ष में कम से कम एक बार दर वृद्धि की संभावना व्यक्त की है, जो ब्याज दरों के रुख में जल्द बदलाव का संकेत देता है। विश्लेषकों का मानना है कि खुदरा मुद्रास्फीति का आरबीआई के लक्ष्य (4 फीसदी) से नीचे बने रहना और पश्चिम एशिया संघर्ष के विकास दर पर संभावित नकारात्मक प्रभाव, केंद्रीय बैंक को प्रतीक्षा करो और देखो की रणनीति अपनाने के लिए प्रेरित करेगा।

एचडीएफसी बैंक की एक अर्थशास्त्री के अनुसार, मौजूदा हालात में आरबीआई के लिए स्थिति पर नजर रखना सबसे उपयुक्त होगा। अप्रैल में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 3.48 फीसदी हो गई, जो मार्च में 3.40 फीसदी थी, मुख्य रूप से खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण। हालांकि, यह अभी भी आरबीआई के 2 से 6 फीसदी के वहनीय दायरे में है। सर्वेक्षण के प्रतिभागियों का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में रेपो दर में एक से लेकर तीन बार तक वृद्धि हो सकती है। उम्मीद है कि एमपीसी जून से नीतिगत दरों में वृद्धि शुरू कर देगी, जिससे वित्त वर्ष 2027 में कुल 50 आधार अंकों की बढ़ोतरी होगी।

इसका कारण जिंसों के ऊंचे दाम और रुपये पर बढ़ता दबाव है, जिसने पिछले एक साल में डॉलर के मुकाबले 10 फीसदी से अधिक की गिरावट देखी है, जिससे मुद्रास्फीति का जोखिम बढ़ गया है। आरबीआई का मुद्रास्फीति लक्ष्य का लचीला ढांचा उसे आपूर्ति-पक्ष के झटकों को नजरअंदाज करने की गुंजाइश प्रदान करता है, जब तक कि मुद्रास्फीति 6 फीसदी की ऊपरी सीमा से नीचे रहती है।

उपभोक्ताओं को अब मिलेगा पूरा ईंधन, डिस्पेंसर जांच के बदले नियम

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने पेट्रोल पंपों और गैस स्टेशनों पर उपभोक्ताओं को सही मात्रा में ईंधन सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र (जीएटीसी) इन वितरण मशीनों की जांच कर उनकी सटीकता की पुष्टि करेंगे। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल के साथ-साथ सीएनजी, एलपीजी, एलएनजी और भविष्य के ईंधन हाइड्रोजन डिस्पेंसरों की सटीक माप सुनिश्चित करने के लिए कानूनी माप विज्ञान नियमों में संशोधन किया है। इस बदलाव के बाद, अब सरकारी मान्यता प्राप्त परीक्षण केंद्र इन सभी ईंधन वितरण मशीनों की जांच करेंगे, जिससे उपभोक्ताओं को मिलने वाली मात्रा में पारदर्शिता और सटीकता बढ़ेगी। पहले जीएटीसी केवल 18 प्रकार के उपकरणों की जांच करते थे, लेकिन पांच नए ईंधन वितरण तंत्रों को शामिल करने के बाद यह संख्या बढ़कर 23 हो गई है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य ईंधन वितरण में धोखाधड़ी पर अंकुश लगाना, राज्यों के विभागों पर बढ़ते दबाव को कम करना और स्वच्छ ईंधन के बढ़ते चलन के बीच उपभोक्ताओं के हितों की बेहतर सुरक्षा करना है। नए नियमों के तहत पेट्रोल-डीजल डिस्पेंसर की जांच के लिए प्रति

नोजल 5 हजार रुपये और अन्य ईंधन के लिए 10 हजार रुपये शुल्क निर्धारित किया गया है। इससे निजी प्रयोगशालाओं की भागीदारी बढ़ेगी और जांच प्रक्रिया में तेजी व दक्षता आने की उम्मीद है।

रहाणे अभी आईपीएल खेलते रहेंगे, संन्यास के संकेत नहीं दिये

कोलकाता।
कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) टीम आईपीएल के 19 वें सत्र में यहां दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ हार के साथ ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो गयी है। केकेआर का इस सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा है और टीम लीग स्तर के 14 मैचों में से केवल 6 ही जीता पायी जबकि उसके एक मैच का परिणाम नहीं निकला। इससे 13 अंक लेकर वह 7वें स्थान पर रही। रहाणे की कप्तानी में ये लगातार दूसरा सत्र है जब टीम प्लेऑफ में नहीं पहुंच पायी है। टूर्नामेंट से टीम के बाहर होने के बाद रहाणे से जब उनके भविष्य की योजना को बारे में पूछा गया तो उन्होंने संन्यास के कोई संकेत नहीं दिये। उन्होंने कहा, ÷मेरे लिए बस कुछ दिनों का ब्रेक है। मैं मुंबई में अपनी स्थानीय लीग खेलने जा रहा हूं जिसके लिए मैं उत्साहित हूं। मैं तब तक खुश हूं जब तक मैं क्रिकेट खेल रहा हूं। कुछ दिनों के बेक्र के बाद फिर फिर मैदान में आउंगा।÷ इससे साफ है कि वि अभी खेलते रहेंगे। रहाणे ने कहा कि सत्र समाप्त होने के बाद सभी खिलाड़ियों के साथ एक बैठक होगी। उन्होंने कहा, ÷मुझे लगता है कि फिलहाल खिलाड़ियों की अपनी प्रतिबद्धताएं हैं।

आईपीएल प्लेऑफ प्रारुप इस प्रकार करता है काम

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग क्रिकेअ (आईपीएल) के प्लेऑफ मुकाबले मंगलवार से शुरु हो रहे हैं। इसमें लीग स्टेज में शीर्ष पर रही चार सर्वश्रेष्ठ चार टीमें खिताब के लिए टकरायेगी। ये प्रारुप पारंपरिक सेमीफाइनल प्रणाली से अलग है और इसमें प्लेऑफ के ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीमों को पुरस्कृत करने और खेल को और अधिक रोमांचक बनाने के लिए लाया गया है। ये प्रारुप इस प्रकार काम करता है।

जहां आईसीसी के बड़े टूर्नामेंट्स में सेमीफाइनल होते हैं। वहीं प्लेऑफ की प्रणाली ऐसी है कि एक हार के बाद भी टीम को अवसर मिलता है। जिससे एक खराब दिन के कारण कोई टीम बाहर नहीं हो सकती। इसमें कुल चार मुकाबले होते हैं- क्वालीफायर 1, एलिमिनेटर, क्वालीफायर 2 और फाइनल।

क्वालीफायर 1 अंक तालिका में शीर्ष दो स्थान पर रहने वाली टीमें क्वालीफायर 1 खेलती हैं। इस मैच का विजेता सीधे फाइनल में जगह बनाता है, जबकि हारने वाली टीम को टूर्नामेंट से बाहर नहीं किया जाता। उसे अपनी किस्मत आज़माने का एक और मौका मिलता है, और वह क्वालीफायर 2 में जाती है। यह शीर्ष दो में रहने का सबसे बड़ा लाभ है।

एलिमिनेटर- नंबर तीन और चार पर रहने वाली टीमों के बीच एलिमिनेटर मुकाबला होता है। यह नॉक आउट मैच होता है। इसमें हारने वाली टीम का सफर तुरंत खत्म हो जाता है। वहीं जीतने वाली टीम क्वालीफायर 2 में प्रवेश करती है।

क्वालीफायर 2- यह फाइनल में पहुंचने का अंतिम रास्ता है। इसमें क्वालीफायर 1 में हारने वाली टीम और एलिमिनेटर की विजेता टीम खेलती है। इसमें जीतने वाली टीम फाइनल में जाती है, जबकि हारने वाली टीम बाहर हो जाती है।

इससे साफ है कि लीग में केवल शीर्ष 4 में आना ही काफी नहीं, बल्कि शीर्ष -2 में

जगह बनाना सबसे लाभदायक है। ऐसे में फाइनल में पहुंचने के लिए दो अवसर मिलते हैं।

इसके विपरीत, तीसरे और चौथे स्थान की टीमों के लिए राह बेहद चुनौतीपूर्ण होती है; उन्हें ट्रॉफी जीतने के लिए लगातार तीन मैच जीतने होते हैं, एक भी हार उन्हें बाहर कर देती है।

इस प्रकार हुई शुरुआतआईपीएल ने अपने शुरुआती तीन सीज़न (2008-2010) में पारंपरिक सेमीफाइनल प्रारुप का इस्तेमाल किया था। लेकिन ग्रुप स्टेज में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद एक खराब दिन के कारण बाहर होने वाली टीमों को राहत देने दे प्रारुप शुरु किया गया। इसी को ध्यान में रखते हुए, 2011 में आईपीएल में पहली बार प्लेऑफ प्रारुप को पेश किया गया।

यह इतना सफल और रोमांचक साबित हुआ कि आज ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश सहित दुनिया भर की कई अन्य क्रिकेट लीग भी इसी प्रारुप के आधार पर चल रही हैं।

फ्रेंच ओपन में जीत के साथ ही दूसरे दौर में पहुंचे जोकोविच

पेरिस ।

सर्बिया के शीर्ष खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने रौला गैरा में शुरु हुए फ्रैंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट में जीत के साथ शुरुआत की है। जोकोविच ने पहले ही दी दौर में मेजबान देश के खिलाड़ी जियोवानी एमपेट्शी पेरीकार्ड को 5-7, 7-5, 6-1, 6-4 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनायी। यह बेहद कड़ा रहा। इस दौरान जोकोविच ने एकसाथ कई नए रिकॉर्ड भी बनाये। इस मैच की शुरुआत जोकोविच के लिए आसान नहीं रही। युवा पेरीकार्ड ने अपनी दमदार सर्विस से उन्हें पहले सेट में एक भी ब्रेक अंक नहीं दिया। पेरीकार्ड ने जोकोविच की सर्विस तोड़कर पहला सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में भी जोकोविच को संघर्ष करना पड़ा और वह शुरुआत में नौ ब्रेक पॉइंट में से एक भी भुना नहीं पाए। हालांकि, महत्वपूर्ण पलों में अपनी अनुभव का इस्तेमाल करते हुए जोकोविच ने वापसी की। 5-6 के स्कोर पर पेरीकार्ड ने तीन सेट अंक बचाये, लेकिन

एक लंबी रैली के बाद उनका फोरहैंड पासिंग शॉट कोर्ट से बाहर चला गया, और जोकोविच ने निर्णायक ब्रेक हासिल कर दूसरा सेट 7-5 से जीत लिया, जिससे स्कोर बराबर हो गया। इसके बाद, जोकोविच ने और पेरीकार्ड को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। तीसरे सेट को 6-1 और चौथे को 6-4 से जीतकर उन्होंने कुल 2 घंटे 51 मिनट तक चले इस मुकाबले को अपने नाम किया।

मिलर की एक गलती से दिल्ली कैपिटल्स प्लेऑफ के हाथ से निकला प्लेऑफ का अवसर

नई दिल्ली ।

आईपीएल 2026 के इस सत्र में सीज़न दिल्ली कैपिटल्स के लिए की टीम 14 अंकों के साथ छठे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना पायी। दिल्ली की टीम को किस्मत का भी साथ नहीं मिला और प्लेऑफ की दौड़ से उनका बाहर होना केवल एक रन के अंतर से हुआ। डेविड मिलर का एक गलत फैसला भी इसका कारण बना। लीग की शुरुआत में दिल्ली कैपिटल्स ने अपने पहले दो मैच जीते थे। उनका तीसरा मुकाबला गुजरात टाइटन्स के खिलाफ था, जो बेहद रोमांचक रहा। 211 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली कैपिटल्स जीत के बेहद करीब थी। अंतिम ओवर में जीत के लिए उसे 13 रनों की ज़रूरत थी, और गुजरात की ओर से प्रसिद्ध कृष्णा गेंदबाज़ी कर रहे थे। पहली गेंद पर विपराज निगम ने चौका जड़कर लगाया पर अगली ही गेंद पर वे आउट हो गए। नए बल्लेबाज़ कुलदीप यादव ने तीसरी गेंद पर एक रन लिया, जिसके बाद सारी उम्मीदें अनुभवी बल्लेबाज़ डेविड मिलर पर आ गईं। चौथी गेंद पर मिलर ने एक ज़ोरदार छक्का लगाया जिससे मैच दिल्ली के पाले में आ गया। ऐसे में अंतिम दो गेंदों पर जीत के लिए सिर्फ़ दो रन चाहिए थे, और मिलर क्रीज़ पर थे। मिलर ने शॉट खेला पर रन नहीं लिया। इस एक गलती से टीम के हाथ से मैच निकल गया क्योंक इसके बाद एक बाई रन लेने के प्रयास में कुलदीप यादव रन आउट हो गए और दिल्ली कैपिटल्स मुकाबला एक रन से हार गयी।

आईपीएल 2026 में ऑरेंज कैप के लिए सुदर्शन पर्पल कैप के लिए भुवनेश्वर शीर्ष पर पहुंचे

मुम्बई ।

आईपीएल के 19 सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त होने के बाद सबसे अधिक रनों के लिए मिलने वाली ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन शीर्ष पर हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो सबसे अधिक विकेटों के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार नंबर एक पर हैं। वहीं राजस्थान रॉयल्स के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर अंतिम लीग मैच में शानदार प्रदर्शन कर शीर्ष तीन गेंदबाजों में आ गये हैं।

मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेले गए मुकाबले में आर्चर ने 4 ओवर में केवल 17 रन खर्च देकर 3 महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसी के साथ ही आर्चर के आईपीएल 2026 सत्र में कुल 21 विकेट हो गये हैं। वे अब 14 मुकाबलों में 21 विकेट लेकर सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार 14 मुकाबलों में 24 विकेट लेकर नंबर एक पर बने हुए हैं। वहीं गुजरात टाइटंस के अनुभवी गेंदबाज कगिसो रबाडा इतने ही मुकाबलों में 24 विकेट विकेट लेकर दूसरे स्थान पर हैं। वहीं जोफ्रा आर्चर अब 21 विकेट के साथ तीसरे स्थान पर आ गए हैं। राशिद खान 14 मुकाबलों में 19 विकेट लेने के साथ पांचवें नंबर पर मौजूद हैं। ऑरेंज कैप के लिए गुजरात के सुदर्शन नंबर एक पर हैं। उनके नाम 14 मुकाबलों में

157 के स्ट्राइक रेट से कुल 638 रन हैं। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल भी 13 मुकाबलों में 616 रन बनाकर दूसरे स्थान पर हैं।

सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर-बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 606 रनों के साथ तीसरे नंबर पर मौजूद हैं। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान केएल राहुल 14 मुकाबलों में 593 रनों के साथ चौथे स्थान पर आ गए हैं। वहीं, राजस्थान रॉयल्स के 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी 583 रनों के साथ शीर्ष पांच में अपनी जगह बनाए हुए हैं

संक्षिप्त समाचार

आईपीएल 2026 में सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम बनी सनराइजर्स हैदराबाद

मुम्बई ।
इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र के लीग स्तर के मुकाबले समाप्त हो गये हैं। इसमें सनराइजर्स हैदराबाद टीम सबसे अधिक रन बनाने वाली टीम के तौर पर सामने आयी है। आईपीएल 2026 के लीग स्तर में 70 रोमांचक मुकाबलों के बाद कुल 25,846 रन बने। इन मैचों के बाद चार टीमें रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटंस, सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स प्लेऑफ में पहुंची हैं। क्वालीफायर-1 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच 26 मई को जबकि एलिमिनेटर सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स के बीच 27 मई को धर्मशाला में खेला जाएगा। इस पूरे लीग चरण के दौरान बल्लेबाज हावी रहे। सबसे ज्यादा रन बनाने वाली टीम सनराइजर्स हैदराबाद रही। उसने लीग स्टेज में कुल 2,854 रन बनये। आंकड़ों पर गौर करें तो 10 में से 9 टीमें 2500 रनों का आंकड़ा पार करने में सफल रहीं, जबकि कोलकाता नाइट राइडर्स सबसे कम 2,309 रन बनाकर इस सूची में सबसे नीचे रही। सनराइजर्स हैदराबाद के बाद पंजाब किंग्स 2,711 रनों के साथ दूसरे, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 2,642 रनों के साथ तीसरे, राजस्थान रॉयल्स 2,619 रनों के साथ चौथे, दिल्ली कैपिटल्स 2,559 रनों के साथ पांचवें, गुजरात टाइटंस 2,558 रनों के साथ छठे, मुंबई इंडियंस 2,553 रनों के साथ सातवें, चेन्नई सुपर किंग्स 2,553 रनों के साथ आठवें और लखनऊ सुपर जायंट्स 2,511 रनों के साथ नौवें पायदान पर रही। इस सत्र में कुल 16,790 रन चौके और छक्के से बने । लीग स्टेज में कुल 2,174 चौके और रिकॉर्ड तोड़ 1,349 छक्के लगे, जो आईपीएल इतिहास में पहली बार छक्कों का आंकड़ा 1300 के पार ले गया है। व्यक्तिगत प्रदर्शन की बात करें तो राजस्थान रॉयल्स के वैभव सूर्यवंशी ने सर्वाधिक 53 छक्के लगाये, वहीं गुजरात टाइटंस के साई सुदर्शन ने 62 चौकों के साथ सबसे ज्यादा चौके लगाने का रिकॉर्ड अपने नाम किया। गेंदबाजी और फील्डिंग के आंकड़ों पर नज़र डालें तो लीग स्टेज के दौरान कुल 15,731 गेंदें फेंकी गईं, जिसमें 759 वाइड और 58 नो बॉल भी शामिल थीं।

आईपीएल के 19 वें सत्र में बुमराह के नाम दर्ज हुआ अनचाहा विश्व रिकार्ड

एक विकेट के लिए लुटाये 102 रन

मुम्बई ।

मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का आईपीएल के 19 वे सत्र में प्रदर्शन बेहद खराब रहा और वह केवल 4 विकेट ही ले पाये। सबसे हैरानी की बात ये रही कि उन्होंने एक विकेट के लिए 102 रन लुट दिये। इस प्रकार बुमराह के नाम इस सत्र में टी20 क्रिकेट इतिहास का सबसे शर्मनाक रिकॉर्ड दर्ज हुआ है। उनके आंकड़े इतने हैरानी भरे रहे कि लग ही नहीं रहा था कि बुमराह गेंदबाजी कर रहे हैं। अपनी सटीक यॉर्कर और धीमी गेंदों के कारण बल्लेबाजों के विकेट लेने वाले बुमरार पर इस सत्र में जमकर चौके, छक्के लगे। सत्र में बुमराह ने कुल 13 मैच खेले और हैरान वाली बात यह रही कि वे केवल 4 विकेट ही ले पाए। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ लीग के अंतिम मुकाबले में उन्हें आराम दिया गया था। सत्र के 13 मैचों में 4 विकेटों के लिए उन्होंने कुल 410 रन दे दिये। ये रन उन्होंने 294 गेंदों में दिए गए। यदि उनके एक विकेट पर खर्च हुए रनों का औसत निकाला जाए, तो यह आंकड़ा हैरान कर देने वाला 102.5 रन प्रति विकेट आता है। टी20 क्रिकेट के इतिहास में यह किसी भी ऐसे गेंदबाज का सबसे खराब औसत है जिसने एक ही टूर्नामेंट में 40 या उससे अधिक ओवर फेंके हों। बुमराह ने इस सीजन में कुल 49 ओवर गेंदबाजी की थी। बुमराह टी20 विश्व कप 2024 के प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट और टी20 विश्व कप 2026 फाइनल के प्लेयर ऑफ द मैच जैसे अवार्ड विजेता रहे हैं। ऐसे विश्व-स्तरीय प्रदर्शन के बाद आईपीएल में उनका उनके प्रदर्शन में गिरावट निराशा की बात है। इस खराब प्रदर्शन के पीछे के कारणों को मुंबई इंडियंस के कोच महेला जयवर्धने ने स्पष्ट किया है। उनके अनुसार, बुमराह के खराब फॉर्म का एक बड़ा कारण उनकी फिटनेस संबंधी दिक्कतें रही हैं। जयवर्धने ने बताया कि टी20 विश्व कप से वापस आने के बाद से ही बुमराह थोड़ी परेशानी से जूझ रहे थे, जिससे विश्व कप के दौरान भी उन्होंने खेला था। इसका सीधा असर टूर्नामेंट के दौरान उनकी लया और तेजी दोनों पर पड़ा, जिससे उनकी रफ्तार में कमी

आई। कोच ने यह भी जोड़ा कि इस सत्र में विपक्षी टीमों ने बुमराह के एक अलग रणनीति बनायी थी। मुंबई इंडियंस के दूसरे गेंदबाज दूसरी छोर से दबाव बनाने में सफल नहीं हो पाए, जिसका फायदा उठाते हुए बल्लेबाजों ने बुमराह के खिलाफ अधिक जोखिम लिया जिसमें वे सफल रहे। गया है जिसे वे और उनके प्रशंसक जल्द से जल्द भुलाना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को दिया करारा जवाब

मुम्बई ।

भारतीय टी20 क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने उनकी फिटनेस पर सवाल उठाने वालों को आड़े हाथों लिया है। सूर्यकुमार के अनुसार ऐसे लोगों को क्रिकेट की समझ नहीं है। सूर्या ने कहा कि उनकी कलाई में कोई चोट नहीं लगी है और उससे जुड़ी जो भी खबरें आ रही हैं। वह केवल अफवाह भर हैं। सूर्या ने कहा कि जिस प्रकार से उन्होंने आईपीएल में बल्लेबाजी की है उससे उनकी फिटनेस साबित होती है। आईपीएल के इस सत्र में सूर्यकुमार अधिक रन नहीं बना पाये जिससे उनके फार्म पर सवाल उठ रहे हैं। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में दिख रही है। ऐसे में अपनी कथित चोट को लेकर सूर्यकुमार ने कहा, सबसे पहले, मैं एक बात साफ कर देना चाहता हूं। जो लोग कलाई की चोट की बात कर रहे हैं, वे या तो पक्के फिजियो हैं या ऐसे लोग हैं जिन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। उन्होंने तर्क दिया, अगर मुझे सच में कलाई की चोट या ऐसी कोई समस्या होती, तो मैं अभ्यास और मैचों में वो शॉट नहीं खेल पाता, खासकर मेरे फ्लिक शॉट, जो पूरी तरह से कलाई और हाथ-आंख के तालमेल पर आधारित होते हैं। इस बल्लेबाज ने कहा कि वह केवल उन चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जिन्हें वह नियंत्रित कर सकते हैं। सूर्या ने कहा, मैं इस बारे में ज्यादा कुछ नहीं कहना चाहता, क्योंकि यह मेरे नियंत्रण में नहीं है। ये सभी अनियंत्रित कारक हैं और मैं इन पर ज्यादा ध्यान नहीं देता। आईपीएल के खराब प्रदर्शन को लेकर भी सूर्या ने कहा कि उन्होंने काम के तरीके में में कोई बदलाव नहीं किया है। उन्होंने बताया, मैंने पूरे सीजन में कड़ी मेहनत की है। मैंने साल की शुरुआत में भी कड़ी मेहनत की थी। न्यूजीलैंड सीरीज में, मैंने प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवॉर्ड जीता था। फिर मेरा वर्ल्ड कप अच्छा रहा, कम से कम मेरे हिसाब से तो ऐसा ही था। फिर आईपीएल आया। मैंने आईपीएल में रन नहीं बनाए, लेकिन मैंने कभी कड़ी मेहनत करना बंद नहीं किया। उन्होंने आगे कहा, मैं उस पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश करता हूं जो मेरे हाथ में है। आखिरकार, प्रदर्शन की कोई गारंटी नहीं होती। जो आपके नियंत्रण में है, वह है कड़ी मेहनत। इसलिए मैं कड़ी मेहनत करता रहता हूं और अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करता हूं।

बीमारी से जूझते कांबली का दिखा अटूट क्रिकेट प्रेम, मैच देखने स्टेडियम पहुंचे

मुम्बई ।
पूर्व क्रिकेट विनोद गंभीर रुप से बीमार होने के बाद भी मुंबई इंडियंस और राजस्थान रॉयल्स के बीच आईपीएल मैच देखने वानखेड़े स्टेडियम पहुंचे। गंभीर इस दौरान बिना सहारे के ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। इसके बाद भी उनका स्टेडियम पहुंचना क्रिकेट के प्रति उनके जुनून को दिखता है। इस एक वीडिया भी सोशल मीडिया पर छाया है। इसमें 54 साल के कांबली दो लोगों का सहारा लिए हुए धीरे-धीरे चलते हुए दिखाई दे रहे हैं। कमजोर दिख रहे कांबली के चेहरे पर हालांकि क्रिकेट देखने की खुशी इस दौरान नजर आयी। कांबली के स्वास्थ्य को लेकर पिछले कुछ समय से लगातार चिंताएं बनी हुई हैं। उनकी बीमारी और अस्पताल में लंबे समय तक भर्ती रहने की खबरें आती रही हैं। इस वीडियो से संकेत मिलते हैं कि वह अब धीरे-धीरे ठीक हो रहे हैं। कांबली काफी समय बाद सार्वजनिक तौर पर नजर आए हैं।

मैदान पर दिल का दौरा पड़ने के बाद कर्नाटक के पूर्व रणजी क्रिकेटर अक्षय की मौत

बेंगलुरु ।

बेंगलुरु में एक मैच के दौरान ही पूर्व रणजी क्रिकेटर एसएल अक्षय को दिल का मौत का दौरा पड़ा। अक्षय को तत्काल अस्पताल ले जाया गया पर उन्हें बचाया नहीं जा सका। 39 साल के अक्षय की अचानक ही इस प्रकार हुई मौत होने से क्रिकेट जगह में दुख की लहर फैल गयी है। यह दुखद घटना बेंगलुरु के केआर पुरम में एक थर्ड-डिवीजन मैच के दौरान हुई। एक रिपोर्टों के अनुसार अक्षय मैच में दोपहर के समय अक्षय फील्डिंग कर रहे थे। तभी उन्होंने अचानक सीने में तेज दर्द की शिकायत की। बिना किसी देरी के उन्हें तत्काल ही पास के अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अक्षय ने अपने करियर में कर्नाटक के लिए रणजी ट्रॉफी में खेला था।

आईपीएल प्लेऑफ के पहले क्वालिफायर में उतरने जा रहीं आरसीबी और टाइटंस को हारने पर भी मिलेगा दूसरा अवसर

मुम्बई ।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के लीग स्तर के रोमांचक मुकाबले खत्म होने के साथ ही अब प्लेऑफ मुकाबले शुरु होंगे। इसमें शीर्ष चार टीमों रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और गुजरात टाइटंस (जीटी) के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स ने जगह बनायी है। अंक तालिका में पहले दो स्थान हासिल करने वाली आरसीबी और गुजरात टाइटंस के बीच पहला क्वालिफायर मंगलवार को खेला जाएगा। इस मुकाबले में हारने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने का एक और अवसर मिलेगा। आईपीएल के प्लेऑफ नियमों के अनुसार, लीग स्टेज में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीमों को एक विशेष लाभ मिलता है। वे सीधे पहले क्वालिफायर में भिड़ती हैं, और इस मुकाबले में हारने के बाद भी बाहर नहीं होती हैं। पहले क्वालिफायर में पराजित होने वाली टीम को दूसरे क्वालिफायर में खेलने का अवसर मिलता है, जहां उसका सामना एलिमिनेटर मुकाबले की विजेता टीम से होता है। इस तरह, आरसीबी और जीटी, दोनों में से जो भी टीम पहले क्वालिफायर में हारती है, उसे फाइनल में जगह बनाने के लिए एक और अवसर मिलेगा। इससे मुकाबले का रोमांच भी बढ़ जाएगा।

इस सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का प्रदर्शन असाधारण रहा है। डिफेंडिंग चैंपियन के रूप में, रजत पाटीदार की कुशल अगुवाई में टीम ने लगातार दूसरी बार प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की की है। लीग स्टेज के 14 मुकाबलों में से 9 में जीत दर्ज कर और केवल 5 में हार का सामना कर, आरसीबी ने 18 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। बल्लेबाजी में, पूर्व कप्तान विराट कोहली ने 14 मैचों में 163 के शानदार स्ट्राइक रेट से 557 रन बनाकर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी है। देवदत्त पडिक्कल ने भी बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जबकि कप्तान रजत पाटीदार ने खुद भी मध्यक्रम में महत्वपूर्ण पारियां खेली हैं। टिम डेविड ने निचले क्रम में फिनिशर की भूमिका को बखूबी निभाया है, जिससे टीम को कई अहम जीत मिली हैं। गेंदबाजी

की बात करें तो भुवनेश्वर कुमार ने इस सीजन अपनी स्विंग और नियंत्रण से बल्लेबाजों को खूब परेशान किया है, और उन्हें जोश हेजलवुड का भी साथ मिला। वहीं दूसरी ओर, युवा शुभमन गिल के नेतृत्व में गुजरात टाइटंस ने भी इस सीजन में धमाकेदार खेला है। 14 लीग मैचों में 9 जीत और 18 अंकों के साथ, जीटी ने अंक तालिका में दूसरा स्थान सुरक्षित किया।

राहुल ने गेल का रिकॉर्ड तोड़ा, कई अन्य उपलब्धियां भी अपने नाम कीं

नई दिल्ली । दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज केएल राहुल ने आईपीएल 2026 में अंतिम लीग मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ अपनी अर्धशतकीय पारी के दौरान ही एक बड़ा रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अपनी इस पारी में राहुल ने 5 चौके और 4 छक्के लगाये। इसी के साथ ही राहुल ने आईपीएल में छक्के लगाने के मामले में गेल का एक रिकार्ड तोड़ दिया। राहुल अब आईपीएल में सबसे ज्यादा तीन अलग-अलग फ्रेंचाइजी में एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाने का कीर्तिमान स्थापित किया है। दिल्ली कैपिटल्स के लिए इस सीजन में राहुल ने 31 छक्के लगाये हैं। इससे पहले, राहुल ने पंजाब किंग्स के लिए 2018 में (32 छक्के) और 2021 में (30 छक्के), तथा लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए 2022 में (30 छक्के) लगाये थे। इससे वह आईपीएल इतिहास में तीन टीमों से इतने अधिक छक्के लगाने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। इस रिकॉर्ड को तोड़कर राहुल ने क्रिस गेल और ऑस्ट्रेलिया के ग्लेन मैक्सवेल जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया, जिन्होंने यह कारनामा 2-2 आईपीएल टीमों के लिए किया था। क्रिस गेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए चार बार (2011, 2012, 2013, 2015) और पंजाब किंग्स के लिए एक बार (2019) एक सत्र में 30 से अधिक छक्के लगाए थे। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल ने पंजाब किंग्स (2014) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (2023) के लिए 1-1 बार यह रिकार्ड बनाया था। सिर्फ छक्कों के रिकॉर्ड तक ही केएल राहुल का कमाल सीमित नहीं रहा। कोलकाता के खिलाफ लगाया गया यह अर्धशतक उनके आईपीएल करियर का 51वां अर्धशतक था।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होगी। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-1-3-5

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)
व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें, शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। खान-पान में सावधानी रखें। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। शुभांक-2-4-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-3-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होगें। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अच्छे समय इन्तजार करें। कर्म प्रधान विचार धारा बनाये रखें। शुभांक-6-7-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। बचते-बचते कलह विवाद का डर बना रहेगा। शुभांक-2-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। शुभांक-3-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)
मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। शुभांक-4-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
आलसी न बनें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंग। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-5-6-8

काकुरो पहेली - 3900

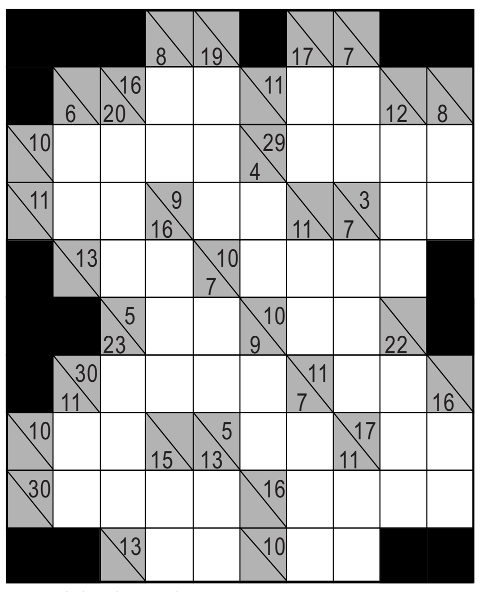

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

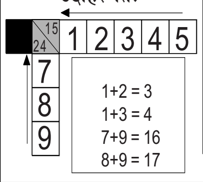

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 3899 का हल

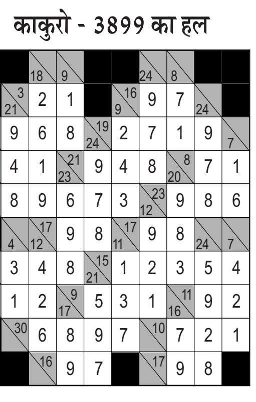

लॉफिंग ज़ोन

एक बार चमन अपनी नवविवाहिता पत्नी के साथ फिल्म देखने गया। वहाँ भी उसकी पत्नी हर समय उससे बातचीत में ही लगी रही। तंग आकर उसने इंटरवेल में पत्नी के लिए पान खरीदा और उसे दे दिया।

पत्नी बोली- एक पान तुम भी ले लो?

चमन बोला- मैं तो बिना पान खाए भी खामोश रह सकता हूँ।

□ □ □

चिंटू (चमन से)- क्या तुम बता सकते हो कि एक आदमी नेता बनने के बाद क्या खास काम करता है?

चमन- चुनाव के पहले वह अपना हाथ हिलाता है और बाद में जनता के विश्वास को।

□ □ □

कवि सम्मेलन के दौरान एक व्यक्ति अपने पास की कुर्सी पर बैठे कवि से बोला- कविवर, आपके पास पाँच सौ के छुट्टे है क्या?

कविवर (जिनके जेब में फूटी कौड़ी भी नहीं थी) इत्मीनान से बोले- छुट्टे तो नहीं हैं! किंतु.... यह पूछकर आपने जो मेरा मान बढ़ाया है, उसके लिए मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 3900

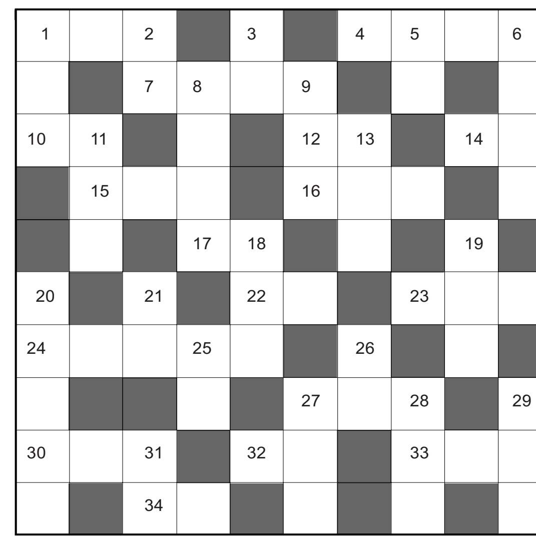

बायें से दायें:-

१. 'तू सामने जब आता' गीत वाली शाहरूख, माधुरी की फिल्म-३
४. शाहरूख, ट्विंकल की 'आशिक हूँ मैं कातिल भी' गीतवाली फिल्म-४
७. 'आके चली बांके चली' गीत वाली संजीव कुमार, शर्मिला टैगोर, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. 'दिल चीज क्या है' गीत वाली 'उमराव जान' की नायिका-२
१२. राजेंद्र कुमार, माला की 'जिसके सपने हमें' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'मैं तुझ से मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा की फिल्म-२
१५. अक्षयकुमार, रवीना की 'टिप टिप बरसा पानी' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'संभाला है मैं ने' गीत वाली मिथुन, अतुल, पूजा भट्ट की फिल्म-३
१७. जैकी, रति अग्निहोत्री की 'छोड़ो मुझे छोड़ों' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'हुतूतू' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी?-२
२३. 'ये रेशमी जुल्फे' गीत वाली राजेश, मुमताज की फिल्म-१,२
२४. मिथुन, चंकी, रितुपर्णा, सोमी अली की १९९४ की एक फिल्म-३,२
२७. 'बनाके क्यूँ बिगाड़ा रे' गीत वाली अमिताभ, जया की फिल्म-३
३०. जीतेंद्र, रामेश्वरी की 'काहे बिंदिया लगाई' गीतवाली फिल्म-३
३२. 'एक लड़की जिसके होठों' गीत वाली संजय, जैकी, शिल्पा की फिल्म-२
३३. सनी, संजय, रवीना, दिव्या की 'दिल ना किसी का' गीत वाली फिल्म-३
३४. 'तू प्यार का सागर है तेरी इक बूंद के प्यासे हम' गीत वाली बलराज साहनी, नूतन की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'तन्हा तन्हा दिल' गीत वाली फिल्म-३
२. 'कहना है तुमसे कहना' गीत वाली आमिर, मनीषा की फिल्म-२
३. फिल्म 'मिलन' में मनीषा कोईराला के साथ नायक का नाम-२
५. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दिया की फिल्म-२
६. बॉबी, अक्षय, अमीषा की 'दिल ने कर लिया' गीत वाली फिल्म-४
८. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा की फिल्म-४
९. ऋषि, श्रीदेवी की 'भूली बिसरी प्रेम कहानी' गीत वाली फिल्म-३
११. राजेश खन्ना, धर्मेंद्र, वहीदा की फिल्म-३
१३. 'हसीना गोरी गोरी' गीत वाली फिल्म-३
१८. फिल्म 'खानदान' की नायिका कौन थी-३
१९. 'मैं प्यासा तुम सावन' गीतवाली फिल्म-३
२०. 'हम साथ साथ हैं' में सोनाली के पिता की भूमिका किसने की थी?-३,२
२१. 'इन आँखों को आशिक' गीत वाली राजेश, सुलक्षण की फिल्म-२
२५. मनोज वाजपेयी, उर्मिला की एक सस्पेंस फिल्म-२
२६. 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२७. फरदीन, उर्मिला की फिल्म-३
२८. 'गोरी जो मटके' गीत वाली फिल्म-३
२९. सनी, मीनाक्षी की 'सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
३१. संजीवकुमार, रेखा, मौसमी चटर्जी की १९८१ की एक फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 3899

सूडोकु -3900

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से ९ तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 3899 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 3900

बाएँ से दाएँ

1.धरोहर,थाती-4
5.अकबर के नवरत्नों में से एक-4
8.गुणगान-3
9.प्रेम (अंग्रेजी-2)
11.भरोसा,विश्वास-3
12.दुःख,परेशानी,कष्ट-4
14.हिंदू कैलेंडर में एक माह-2
15.गागर,घड़ा-3
17.जांघ-2
19.असावधान-5
22.करतूत,होशियारी-5
25.डूबा हुआ,समाप्त-2
26.तीक्ष्ण,तेज-3
27.अधर्म,अपकृत्य-2
28.मनमौजी,चंचल-4
30.हत्या,वध-3
31.पंख-2
33.मायका-3
35.व्यापार,व्यवसाय (उर्दू-4)
36.कृपा,रहम (उर्दू-4)

ऊपर से नीचे

2.फूलों का हार-2
3.वेश्या, कोठे पर नाचनेवाली-4
4.शांति,सुख-चैन-3,2
5.अस्वस्थ,मरीज-3
6.दम,ताकत-2
7.भगवान राम के पुत्र-2,2
10.उन्मत,मदमस्त-4
13.दिलीप कुमार व वैजयंती माला की फिल्म (3)
16.बोलने का तरीका-3
17.रास्ता-2
18.पराया-2
20.परीक्षा-3
21.वचन-2
22.खेती-2
23.अभिमान-3
24.फिल्म 'मैंने प्यार किया' में सलमान खान की मां-2,2
25.बलपूर्वक उठा ले जाना-5
26.ईश्वर,राजा-4
28.मन को अच्छा लगने वाला-4
29.शाप से पीड़ित-3
32.अवकाश,मंजूरी-2
34.संध्या-2

शब्द पहेली -3899 का हल

दांतों का दिल से रिश्ता

दांतों का ताल्लुक सिर्फ खाना चबाने-काटने या फिर खूबसूरती से ही नहीं है, बल्कि इसका संबंध दिल से भी है। दिल के कई तरह के रोगों के लिए दांतों की बीमारियां जिम्मेदार हैं...

सुंदर दिखने के लिए सफेद और स्वस्थ दांत जरूरी हैं। कहा जाता है कि दांत खराब तो पूरी सेहत खराब। मसूढ़े यदि रिस रहे हों, तो मुंह में भयंकर बदबू तो पैदा करते ही हैं, दांतों को भी कमजोर और कांतिहीन बना देते हैं। अगर आपके दांत खराब हैं, तो कई तरह की बीमारियां आपको घेर सकती हैं, जिनमें दिल की बीमारी प्रमुख है।

अध्ययनों से साबित हो चुका है कि ओरल यानी मुंह के दो बैक्टीरिया, स्ट्रिटोकोकस गार्डोनी और स्ट्रिटोकोकस सैनग्यूनिस सीधे तौर पर हार्ट अटैक के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। हार्ट पेशंट्स को तेज एंटीबॉयोटिक्स दिए जाते हैं, लेकिन कुछ दिनों बाद बैक्टीरिया दवा के विरुद्ध प्रतिरोधक क्षमता विकसित कर लेते हैं। इसलिए दांतों की साफ-सफाई सबसे ज्यादा जरूरी है।

इसलिए पड़ते हैं निशान

खाने की गलत आदतों व दांतों की ठीक तरह देखभाल न करने के कारण इन पर निशान पड़ जाते हैं। चाय, कॉफी, कोला, रैड वाइन इत्यादि के ज्यादा सेवन से कुछ समय बाद दांतों का रंग पीला/हल्का भूरा हो जाता है। तम्बाकू से दांतों पर संतरी रंग के निशान पड़ जाते हैं, जबकि स्मोकिंग से दांतों का रंग गहरा भूरा हो जाता है।

बचाव है जरूरी

मुंह में छोटे-छोटे बैक्टीरिया सारा दिन आपके दांतों, मसूढ़ों, होंठों और जीभ पर घूमते रहते हैं। कुछ बैक्टीरिया दांतों के इनैमल पर चिपक जाते हैं। यदि इन्हें साफ न किया जाए, तो इनकी संख्या बहुत तेजी से बढ़ती जाती है और दांतों पर प्लाक जमा होना शुरू हो जाता है। प्लाक के अंदर एसिड पैदा होते हैं, जो उन खनिजों को घोल देते हैं, जो दांतों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसलिए दिन में दो ब्रश करें और कुछ भी खाने के बाद कुल्ला जरूर करें। इसके अलावा प्लाक व टारटार को साफ करवाने के लिए साल में एक बार स्केलिंग व पॉलिश जरूर करवानी चाहिए। यदि ऐसा नहीं किया जाता, तो प्लाक बढ़ता जाता है। जब प्लाक बहुत ज्यादा हो जाए, तो हड्डी को नुकसान पहुंचना शुरू हो जाता है। ऐसे में अगर स्केलिंग करवई जाए, तो दांत हिल सकता है।

दांतों की ब्लीच

दांतों को ब्लीच करने से ये सफेद हो जाते हैं और उन पर लगे दाग-धब्बे मिट जाते हैं या हल्के हो जाते हैं। लेकिन यह सफेदी स्थायी नहीं होती। 7-8 महीने बाद दांतों की सफेदी कम होनी शुरू हो जाती है।

पॉलिश और ब्लीच में अंतर

पॉलिश से दांतों पर लगे निशान साफ हो जाते हैं और इससे दांतों और मसूढ़ों की मसाज भी होती है, जबकि ब्लीच, पॉलिश के बाद की जाती है। दांतों की सफाई किए बगैर ब्लीच करने से बढ़िया रिजल्ट नहीं आता। स्केलिंग और पॉलिश हर साल करवानी चाहिए, जबकि बार-बार ब्लीचिंग करवाने से दांतों का कैल्शियम व मिनरल घुल कर निकल जाता है और वे चॉक जैसे दिखने लगते हैं।

खुद न करें ब्लीचिंग

दांतों को घर पर ब्लीच करने का जोखिम न लें। बाजार में उपलब्ध ब्लीचिंग किट्स का इस्तेमाल अगर आप निर्देशानुसार भी करते हैं, तो भी दांतों को नुकसान पहुंच सकता है। इसका कारण यह है कि दांतों को कितने पोटेंसिव वाली ब्लीच की जरूरत है, यह केवल डॉक्टर ही बता सकते हैं। ज्यादा पोटेंसिव वाली ब्लीच का इस्तेमाल करने से दांत ज्यादा सेंसिटिव हो जाते हैं और इन पर ठंडा/गर्म लगना शुरू हो जाता है। दूसरा ब्लीचिंग करते समय मसूढ़ों की हिफाजत के लिए गम गाड्र्स का इस्तेमाल जरूरी होता है, जो आप घर पर नहीं कर सकते।

खतरनाक है

कई लोग चेहरे पर लगाने वाली ब्लीच से ही दांतों को ब्लीच करने का प्रयास करते हैं, लेकिन इससे दांतों का रंग काला पड़ जाता है।

हार्ट अटैक का खतरा

दांत अगर मोतियों की तरह सफेद हों, तो ये न केवल आपकी खूबसूरती में इजाफा करते हैं, बल्कि आपके दिल को भी सेहतमंद रखते हैं। वैज्ञानिकों का तो यहां तक मानना है कि दांतों को साफ रखकर हार्ट अटैक से बचा जा सकता है। हाल में हुए अध्ययनों से पता चला है कि सड़े-गले और टूटे-फूटे दांतों, खून रिसते मसूढ़ों की वजह से दांत 700 तरह के बैक्टीरिया का घर बन जाते हैं। मुंह के रास्ते ये बैक्टीरिया खून में पहुंचते हैं और फिर सारे शरीर के सभी भीतरी तंत्रों को कुतरना शुरू कर देते हैं।

RATE TARIFF
राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
RASHTRIYA SHIKHAR
NATIONAL HINDI DAILY

DISPLAY B&W
Rs. 750/-
(Per Sq. cm)

DISPLAY COLOR
Rs. 750/- +
50% Extra
(Per Sq. cm)

CLASSIFIED DISPLAY
Rs. 75/-
(Per Sq. cm)
Note : Court Notice Rs. 2000/- (4x10) Rs. 50/- Per Sq. Cm. Extra for additional space.

CLASSIFIED Run On words
Rs. 15/-
(Per Word)
Note : For Classified run on words-Minimum-40 words Maximum 60 Words

Covering Area
Delhi NCR
&
Western U.P.

Special Page / Position Premium

Front Page (Semi)	-	50%	Island Position	-	50%	Strip Advt.	-	15%
Front Page (Solus)	-	75%	Right Hand Page	-	10%	Political Advt.	-	50%
Back Page	-	25%	Top of AD Column	-	15%	Pull Outs	-	50%
Page Three	-	20%	Any Other Spl. Position	-	10%	Discount as per deal		

Mechanical Data : 8 Cols. Per Page, Col. Width 33cm., Col. Length 50cm.

Ghaziabad Office : 64, Navyug Market, 1st Floor, Ghaziabad (UP)
Corporate Office : G-237, HIG, Pratap Vihar, Ghaziabad (U.P.)-201001
Mob.: 9310230557, 9625163807, E-mail : rashtriyashikhar@gmail.com, Website : www.rashtriyashikhar.com
Follow us : @ RashtriyaShikhar/

सैफ अली खान ने बताई प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह

सैफ अली खान हाल ही में 'कर्तव्य' फिल्म में नजर आए हैं। फिल्म में उनके काम की प्रशंसा हुई है। बतौर अभिनेता सैफ अली खान लगातार काम कर रहे हैं, लेकिन बतौर निर्माता सैफ ने कुछ ही फिल्मों के निर्माण के बाद अपने प्रोडक्शन हाउस 'इल्यूमिनाती फिल्म्स' को बंद कर दिया। जबकि सैफ ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले कुछ सफल फिल्में भी बनाईं। अब सैफ अली खान ने प्रोडक्शन हाउस बंद करने की वजह बताई है।

यह कष्टदायक काम है 'लव आज कल' से बतौर प्रोड्यूसर अपनी शुरुआत करने के बाद सैफ अली खान ने अपने प्रोडक्शन हाउस के तले 'एजेंट विनोद', 'कॉकटेल', 'गो गोवा गॉन' और 'हैप्पी एंडिंग' जैसी फिल्मों का निर्माण किया। लेकिन जल्द ही उन्होंने अपना प्रोडक्शन हाउस बंद कर दिया। अब सैफ ने स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान इसके पीछे के कारण के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह एक बहुत बोरिंग काम हो सकता है। लेकिन यह बहुत क्रिएटिव है। मुझे एक आइडिया के साथ साउंड और लुक जैसी क्रिएटिव चीजों पर बात करने का आइडिया पसंद है। मुझे निर्माण करने में मजा आया, लेकिन यह बहुत कष्टदायक भी हो सकता है। इल्यूमिनाती फिल्म्स की सफलता का श्रेय मेरे डिस्ट्रिब्यूशन पार्टनर, इरोस इंटरनेशनल और मेरे प्रोड्यूसिंग पार्टनर दिनेश विजयन की मैडॉक फिल्म्स को भी जाता है।

समय बदलता रहता है

अभिनेता ने आगे कहा कि समय बदलता रहता है, लोग बदलते रहते हैं। यह हर जगह देखने को मिलता है। दिनेश एक बेहतरीन निर्माता बन गए हैं और यह बहुत अच्छी बात है। हमारा भी एक अच्छा दौर था। मैंने उससे बहुत फायदा कमाया और इसमें इरोस की उस समय की एक्टिविटीज का भी बहुत बड़ा योगदान था। यह एक शानदार मौका था, लेकिन कुछ चीजें हमेशा के लिए बनी रहती हैं।

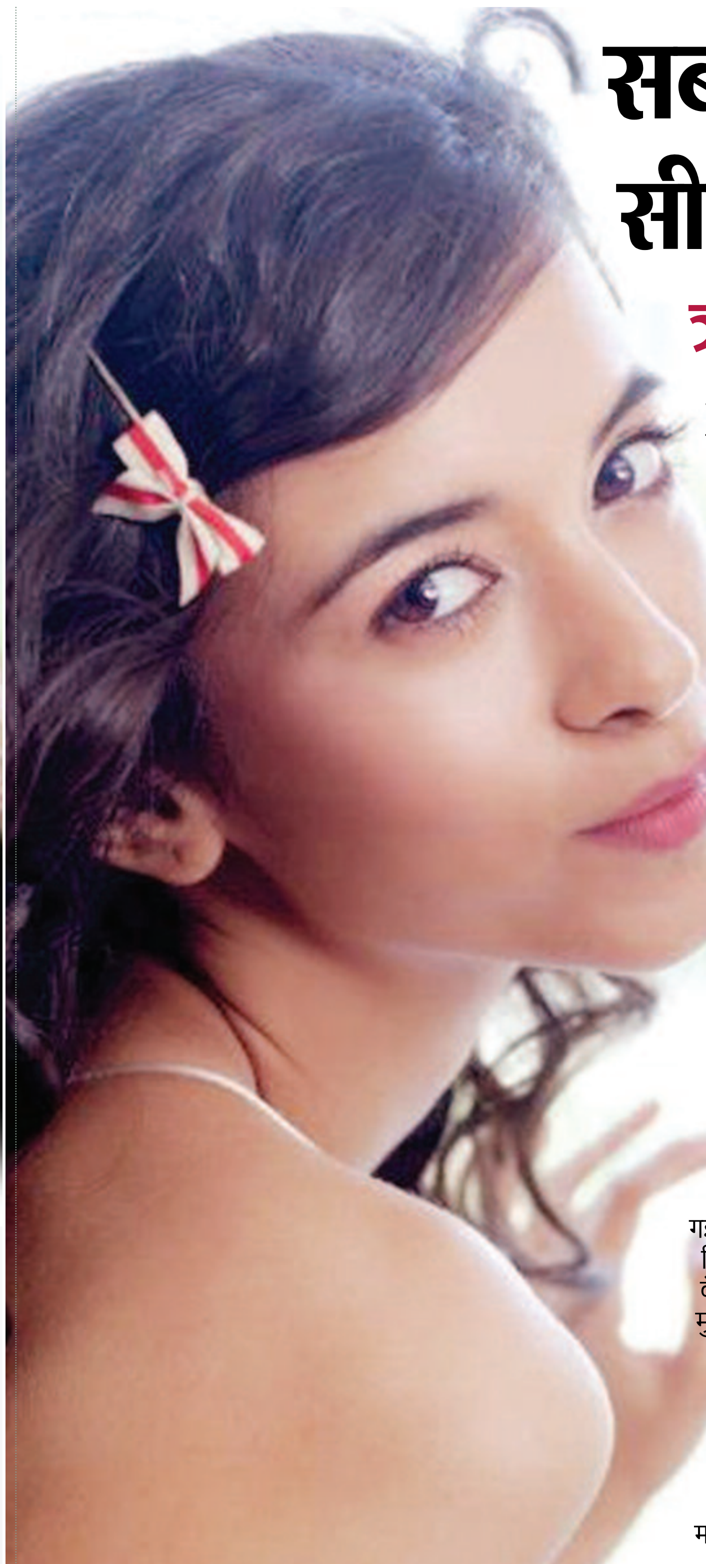

सबा आजाद ने पूरी की सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग

ऋतिक रोशन ने की है प्रोड्यूस

बॉलीवुड स्टार ऋतिक रोशन की गर्लफ्रेंड व अभिनेत्री सबा आजाद जल्द ही ऋतिक के प्रोडक्शन हाउस एचआरएक्स फिल्म्स के बैनर तले बन रहे अगले प्रोजेक्ट में नजर आएंगी। हाल ही में सबा ने खुलासा किया कि उन्होंने आगामी थ्रिलर सीरीज 'स्टॉर्म' की शूटिंग पूरी कर ली है। सबा ने अपने सीरीज की कहानी और अपने किरदार को लेकर बात की।

बताया करियर का सबसे मुश्किल किरदार

हालिया बातचीत के दौरान सबा आजाद ने बताया कि इस भूमिका ने उन्हें इमोशनली बहुत प्रभावित किया। उन्होंने इस किरदार को अपने करियर की अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण परफॉर्मेंस में से एक बताया। सीरीज में काम करने के अपने अनुभव को साझा करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि यह पूरी प्रक्रिया मेरे लिए काफी हैरान करने वाली और शानदार रही। इस सीरीज ने मुझे उन तरीकों से झकझोर दिया, जिनकी मैंने उम्मीद नहीं की थी। मुझे लगता है कि मैं इसे घर ले गई और मुझे नहीं लगता कि मैं पहले कभी किसी किरदार को घर ले गई हूं। मैं लोगों के इसे देखने के लिए काफी उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि उस शो में कुछ बेहतरीन कलाकार हैं और अजीतपाल सिंह (निर्देशक) एक जीनियस हैं।

ऐसी है 'स्टॉर्म' की कहानी

'स्टॉर्म' की कहानी मुंबई में हाउसिंग प्रोजेक्ट से जुड़े एक घोटाले में फंसी पांच महिलाओं के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, ये महिलाएं भ्रष्टाचार, धोखे और मुंबई जैसे शहर में अपने जीवन के संघर्ष से जूझती नजर आती हैं। इस सीरीज में सबा आजाद के अलावा पार्वती थिरुवोथु, अलाया एफ,

सृष्टि श्रीवास्तव और रामा शर्मा सहित कई दमदार कलाकार नजर आएंगे। अजीतपाल सिंह द्वारा निर्देशित 'स्टॉरम' का निर्माण ऋतिक रोशन और ईशान रोशन अपने बैनर एचआरएक्स फिल्म्स के तहत कर रहे हैं। कहानी अजीतपाल सिंह, फ्रांकोइस लुनेल और स्वाति दास द्वारा लिखी गई है।

अनुराग कश्यप की फिल्म में नजर आएंगी सबा

'स्टॉर्म' के अलावा सबा आजाद का इस साल एक और बड़ा प्रोजेक्ट रिलीज होने वाला है। वह अमेजन एमएक्स प्लेयर पर प्रसारित होने वाले 'व्हाट्स योर गायनेक?' के दूसरे सीजन में नजर आएंगी। इसके बाद अभिनेत्री फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप की आगामी क्राइम ड्रामा फिल्म 'बंदर' में बॉबी देओल और सान्या मल्होत्रा के साथ दिखाई देंगी। यह फिल्म 5 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

इंडस्ट्री में काम करने के तरीके पर बोलीं सई मांजरेकर

मनोरंजन की दुनिया में अक्सर देखा जाता है कि कलाकार तेजी से सफलता पाने और ट्रेंड के साथ चलने की कोशिश करते हैं। लेकिन एक्ट्रेस सई मांजरेकर इससे बिल्कुल उलट सोच रखती हैं। उनका मानना है कि एक अच्छा कलाकार बनने के लिए समय देना जरूरी होता है और हर प्रोजेक्ट सोच-समझकर चुनना चाहिए, ताकि उनका काम लंबे समय तक लोगों के दिलों में बना रहे। सई मांजरेकर ने अपने काम करने के तरीके को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''अब मुझे यह समझ में आ गया है कि एक एक्टर के तौर पर खुद को समय देना बहुत जरूरी होता है। मैं आजकल के ट्रेंड के पीछे भागने में विश्वास नहीं रखती, बल्कि ऐसे काम करना चाहती हूं, जो एक कलाकार के रूप में मुझे आगे बढ़ने में मदद करें। मेरा मानना है कि जब कोई काम दिल से किया जाता है, तो वह लोगों पर गहरी छाप छोड़ता है और लंबे समय तक याद रखा जाता है।'' सई ने आगे कहा, ''मैं हर प्रोजेक्ट के साथ खुद को बेहतर बनाना चाहती हूं। जल्दबाजी में काम करने के बजाय अपने ही तरीके से आगे बढ़ना पसंद करती हूं। मेरे लिए करियर में लंबा टिके रहना तभी संभव है, जब मैं अपने काम के प्रति ईमानदार रहूंगी और वही कहानियां चुनूंगी, जिनसे मैं खुद भी जुड़ाव महसूस करती हूं।'' उन्होंने कहा कि इस सोच के साथ वह अपने हर किरदार में सच्चाई और गहराई लाने की कोशिश करती हैं।

बता दें कि सई मंजरेकर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'इंडिया हाउस' को लेकर चर्चा में है। यह फिल्म आजादी से पहले के दौर की कहानी पर आधारित है, जिसमें उस समय के सामाजिक और सांस्कृतिक पहलुओं को बड़े स्तर पर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को राम चरण अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए प्रोड्यूस कर रहे हैं, और यह उनका पहला प्रोडक्शन प्रोजेक्ट भी है।

अक्षय कुमार के डांस की मुरीद हुईं अक्षरा सिंह

अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार के साथ भोजपुरी गाने पर डांस करने की ख्वाहिश जताई है। जिसका एक खास वीडियो अभिनेत्री ने सोशल मीडिया हैंडल पर शेयर किया है। वीडियो शेयर कर मांगा मौका अक्षरा सिंह ने शुक्रवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो की शुरुआत में वह अपने टैब पर अक्षय कुमार का मशहूर गाना 'टिप-टिप बरसा पानी' देखती नजर आ रही हैं। इसके बाद वह वीडियो में अक्षय कुमार से कहती हैं, 'प्रणाम अक्षय, मेरा नाम अक्षरा सिंह है और मैं भोजपुरी सिनेमा में काम करती हूं।'

अक्षय के साथ डांस करना चाहती हैं अक्षरा

अक्षरा ने आगे कहा, 'मैं काफी समय से आपके हिंदी गाने देख रही हूं। आपने कई हिंदी गानों पर डांस किया है, अब थोड़ा भोजपुरी गानों पर भी हमारे साथ ठुमका लगाइए। आप बस दिन और समय बता दीजिए, मैं आ जाऊंगी।'

अक्षय का रिप्लाई

अक्षरा ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'भोजपुरी गाने पर ठुमका लगाने का एक चांस दे दें क्या, अक्षय कुमार?' अक्षरा सिंह का यह अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। सोशल मीडिया क्रिएटर्स इस पर जमकर कमेंट कर रहे हैं। अक्षरा के इस वीडियो पर अक्षय कुमार ने रिप्लाई दिया है। अक्षय ने लिखा, 'तो फिर बात पक्की अक्षरा। समय सुबह 11:30 बजे, दिन सोमवार, 25 मई और जगह सभी सोशल मीडिया। मिलते हैं।'

तुम्बाड 2 में कैमियो और तीसरे में लीड रोल करेंगी आलिया

फिल्म 'तुम्बाड 2' अगले साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। इस फिल्म का दर्शकों के बीच क्रेज है। अब फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आई है। फिल्म में फीमेल लीड के लिए एक नामी एक्ट्रेस का नाम सामने आ रहा है। आलिया भट्ट इन दिनों कान फिल्म फेस्टिवल में अपनी मौजूदगी को लेकर चर्चा में हैं। इसी बीच अब एक्ट्रेस को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आलिया भट्ट जल्द ही 'तुम्बाड 2' का हिस्सा बनने वाली हैं।

खबरों की मानें तो आलिया फिल्म में 15 दिनों का एक एक्सटेंडेड कैमियो करेंगी, लेकिन उनका किरदार कहानी के लिए काफी अहम होगा। इतना ही नहीं, उनका यही किरदार आगे जाकर 'तुम्बाड 3' में मुख्य भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि तीसरे पार्ट में आलिया, सोहम शाह के साथ लीड रोल में नजर आएंगी।

इस फिल्म में नजर आएंगी आलिया भट्ट रिपोर्ट्स के अनुसार, आलिया मई के अंत तक अपने कैमियो की शूटिंग पूरी कर लेंगी। इसके बाद वह 'लव एंड वॉर' की शूटिंग में व्यस्त हो जाएंगी। इस फिल्म का निर्देशन संजयलीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म में आलिया के साथ रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि यह फिल्म अगस्त 2026 तक पूरी हो जाएगी।

ओटीटी ने महिलाओं को अलग नजरिए से देखना शुरू कर दिया है

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी ने सिनेमा, अपनी अपकमिंग फिल्म 'मिर्जापुर' और अभिनय के शुरुआती दौर के किस्से साझा किए।

नई सोच को अगर डिफाइन करोगे तो कितना बदलाव आया है?

नई सोच में सबसे मुश्किल चीज होती है कि हमारी जो खुद की सोच होती है, उसमें बहुत सारी चीजें होती हैं जो हमारी सोच को हमारी बनाती है। हम क्या फिल्मे देखते हैं। हम नाटक देखने जाते हैं या नहीं। आर्ट और कल्चर से एजुकेशन से जब हम खुद को जोड़ते हैं तो ये सब चीजें हमें बहुत प्रभावित करती हैं। मेरा बैकग्राउंड बहुत अकेडमिक है। मेरी सोच बदलती रही और यह बहुत जरूरी है। हमें अपनी सोच को पकड़कर नहीं रखना है। हमें ग्रो करना है। अनुभवों की वजह से मैं हूं। डरिए मत नई सोच से। कोई जबर्दस्ती तो नहीं कह रहा कि यही करना है आपको। एक और चीज मैं कहूंगी कि धैर्य रखिए। सुनिए और समझिए कि सामने वाला क्या कहने को कोशिश कर रहा है।

गोलू के किरदार से लाइफ कितनी बदली?

मिर्जापुर तो लव है हमारा। गोलू और मिर्जापुर अब मेरे साथ नौ साल से है। नौ साल की रिलेशनशिप बहुत सुंदर होती है। इस सफर में क्या-क्या जुड़ा? अली फजल, वो भी लखनऊ से है। मिर्जापुर की जब मैंने स्क्रिप्ट पढ़ी और पहला एपिसोड पढ़ा तो बहुत मजा आया। मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा होना है। गोलू के साथ-साथ मैंने भी बहुत ग्रोथ की है।

मिर्जापुर की फिल्म भी आने वाली है?

हमारी फिल्म लंबी तो होगी। आप क्या कहानी बताना चाहते हो, कितना टाइम चाहिए उसे बताने में। हम एक्टिंग तो उतनी ही करेंगे। लेकिन, सीरीज में आप डूब सकते हो। उसका मजा अलग है। ओटीटी ने राइटर, डायरेक्टर, महिला किरदार, क्रू सदस्यों को बहुत सारे मौके दिए हैं। महिलाओं को अब सिर्फ ब्रैकेट में नहीं डाला जा रहा है। किरदार में अब नए कलर और फ्लेवर हैं।

बदलाव आता है तो बदलाव पूरी इंडस्ट्री में आता है। यहां हम जहां तक पहुंचे हैं, इसमें बहुत सारी औरतों का तो रोल है ही, मेल एक्टर्स का भी बहुत हाथ है। पीछे से कुछ सीखने को है अगर तो वह सीखकर आगे बढ़ना चाहिए। यह जिम्मेदारी दर्शकों की है। दर्शक जो देखेगा, वही बनेगा। मैं यहा सभी से रिक्वेस्ट करना चाहूंगी कि वैसा कंटेंट देखिए, जिसे आप देखना चाहते हैं।

श्वेता प्रोड्यूसर भी हैं आप। कंटेंट का आइडिया कहां से आया?

सोच की बात है। डर में नहीं रहना चाहिए। डर की वजह से हम अपने परों को काट देते हैं, जिनसे हम उड़ सकते हैं।

कई एक्ट्रेस अब आवाज उठाने लगी हैं कि आठ घंटे ही हमें काम को देने हैं। निर्माता के रूप में आप कैसे देखती हो?

बहुत सारी बातें पहले ही क्लियर कर लेनी चाहिए। अभी एक प्रोजेक्ट है, जहां कई शर्तें हैं। वैनिटी वैन नहीं होगी। फोन की इजाजात नहीं होगी तो पहले ही इन पर बात करो। प्रोजेक्ट पर निर्भर करता है सब। मैं महिलाओं के केस में यह कह सकती हूं कि बहुत काम करना होता है। प्रोफेशनली भी हम जो वक्त मांग रहे हैं, वह हमारी मेंटल पीस के लिए बहुत जरूरी है। बहुत फॉर ग्रांटेड ले लिया हम लोगों को। वह टाइम का जो हम मांग रहे हैं, सोच-समझकर मांग रहे हैं।

आप थिएटर से भी कैसे जुड़ी रहीं

मैं एक्टर बनना चाहती थी, क्योंकि मैं एक्टर्स को स्टेज पर देखती थी दिल्ली में। मैं लंदन भी गई थी अपनी दोस्त के साथ। वहां हमने परफॉर्मेंस देखीं। मेरे पापा ने भी बचपन में कहा था कि जो भी पैसा या टाइम आप खर्च कर रहे हो उसे अनुभवों पर खर्च करो, क्योंकि यह जिंदगी भर साथ रहता है। सही टाइम वो होता है, जब आप किसी चीज को लेकर फैसला ले लो। मेरे माता-पिता बहुत प्रेरित करने वाले हैं। बचपन से ही मुझे बहुत प्रेरित किया गया था, डांस के लिए और ड्रामा के लिए। उन्हें ऐसा लगा होगा कि यह मेरी पर्सनैलिटी में बहुत हेल्पफुल होगा। इसके लिए मेरे पेरेंट्स का शुक्रिया। मैं भी उन चीजों को पकड़े रखी। मैं केजी से स्टेज पर रही हूं। मैं गर्मी की छुट्टियों में भी वर्क शॉप करती थी। लेकिन, ये मत भूलना कि आपने जब शुरू किया तो क्यों शुरू किया? खुद पर कोई प्रेशर मत डालो। लाइफ को एंजॉय करो।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका की पीएम बोलीं- तनाव भरी दुनिया में कॉमनवेल्थ बेहद जरूरी मंच

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका की पीएम हरिनी अमरसूरिया ने कहा है कि आज के बढ़ते वैश्विक तनाव और अस्थिर माहौल में राष्ट्रमंडल राष्ट्र सदस्य देशों के लिए एक बेहद महत्वपूर्ण मंच बन गया है। उन्होंने 21 मई 2026 को कॉमनवेल्थ महासचिव शर्ली बॉचवे से मुलाकात के बाद यह बयान दिया। श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया में बहुपक्षीय सहयोग और अंतरराष्ट्रीय कानून लगातार कमजोर हो रहे हैं। ऐसे समय में कॉमनवेल्थ जैसे संगठन देशों के बीच भरोसा बढ़ाने और संवाद बनाए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि सहयोग, साझेदारी और एक-दूसरे की आवाज सुनना आज पहले से ज्यादा जरूरी हो गया है। अमारसूर्या ने कहा कि कॉमनवेल्थ की सबसे बड़ी ताकत इसकी विविध सदस्यता है, जहां छोटे और विकासशील देशों को भी अपनी बात रखने का मौका मिलता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में चल रहे संघर्षों का असर सीधे श्रीलंका जैसे देशों पर पड़ रहा है। मध्य पूर्व संकट के कारण खाद्य पदार्थ, ईंधन और उर्वरकों की कीमतें बढ़ी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार लोगों पर पड़ रहे असर को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि कॉमनवेल्थ आने वाले समय में और अधिक प्रभावशाली भूमिका निभा सकता है।

बांग्लादेश- दो अहम बंदरगाहों का इस्तेमाल करेगा अमेरिका

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश और अमेरिका के बीच हुए 3 बड़े रणनीतिक समझौतों के बाद बंगाल की खाड़ी और हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक समीकरण बदलने के संकेत मिल रहे हैं। बांग्लादेश ने अमेरिका को अपने दो अहम बंदरगाहों चिटगांव-मतारबाड़ी के इस्तेमाल की अनुमति देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं साझा करने पर भी सहमति बनी है। अमेरिकी नौसेना व सैन्य जहाज अब इन दोनों बंदरगाहों का इस्तेमाल कर सकेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि इससे अमेरिका की हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में रणनीतिक मौजूदगी काफी मजबूत होगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार द्वीप समूह से करीब 1100 किमी दूर है, इसलिए इसे भारत की सुरक्षा और सामरिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अमेरिका की विशेष नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे अहम समुद्री व्यापार मार्गों में शामिल है और वैश्विक समुद्री व्यापार का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा इसी रास्ते से गुजरता है। तेल, गैस और अन्य जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति के लिए भी यह मार्ग बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

स्पेन : रैली निकाल मांगा पीएम का इस्तीफा

मैड्रिड, एजेंसी। स्पेन के समाजवादी प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के इस्तीफे की मांग को लेकर शनिवार को राजधानी मैड्रिड में हजारों स्पैनवासियों ने विशाल विरोध रैली निकाली। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों ने पीएम के आधिकारिक आवास के चारों और लगी बाधाओं को तोड़ने की कोशिश भी की। स्पेनिश सिविल सोसाइटी एसोसिएशन की अगुवाई में स्पैनवासियों ने यह रैली भ्रष्टाचार के कई घोटालों के सामने आने के विरोध में निकाली। इन लोगों के हाथों में समाजवादी माफिया का इस्तीफा और अन्य नारों वाले बैनर थे। विपक्षी पीपल्स पार्टी और धुर-दक्षिणपंथी वॉक्स पार्टी के नेताओं ने भी इसमें बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। इस दौरान पुलिस ने पीएम के आवास मॉवलोआ पैलेस की तरफ जाने वाली मुख्य सड़क पर नकाबपोश लोगों के एक समूह को हिरासत में लिया। इस पैलेस में ही सांचेज अपने परिवार के साथ रहते हैं। मार्च फॉर डिग्निटी (गरिमा मार्च) में हजारों प्रदर्शनकारी शामिल हुए।

सेनेगल : राष्ट्रपति ने पीएम को हटाया

डकार, एजेंसी। सेनेगल के राष्ट्रपति बासिरू दियोमाये फाये ने वर्षों से जारी तनाव के बाद पीएम ओस्मान सोनको को बर्खास्त कर दिया है। सरकार के महासचिव उमर सांबा बा ने शुक्रवार देर रात इस फैसले की घोषणा की। पास्टेफ पार्टी के फाये व सोनको के बीच खुले टकराव के बाद यह बर्खास्तगी की गई। दबा ने कहा, पीएम को बर्खास्त करने के बाद सरकार के सभी सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया।

स्पेसएक्स का अब तक का सबसे बड़ा स्टारशिप प्रक्षेपित

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्पेसएक्स ने अब तक का अपना सबसे बड़ा, शक्तिशाली व अगली पीढ़ी के उन्नत स्टारशिप रॉकेट का सफल परीक्षण किया। इस परीक्षण में रॉकेट में 20 नकली उपग्रहों का एक समूह तैनात किया था। स्टारशिप, टेक्सास के दक्षिणी छोर से रवाना हुआ और हिंद महासागर में नियंत्रित लैंडिंग की। यह उस रॉकेट की 12वीं परीक्षण उड़ान है, जिसे एलन मस्क लोगों को मंगल तक ले जाने के लिए तैयार कर रहे हैं।

ट्रंप थे व्हाइट हाउस के अंदर, बाहर चलीं गोलियां; सीक्रेट सर्विस ने संदिग्ध को किया ढेर

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में व्हाइट हाउस के पास शनिवार रात अचानक गोलीबारी से हड़कंप मच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, व्हाइट हाउस परिसर के नजदीक 17 स्ट्रीट और पेनसिल्वेनिया एवेन्यू एनडब्ल्यू इलाके में करीब 30 राउंड गोलियां चलने की आवाज सुनी गई। यह इलाका आइजनहावर कार्यकारी कार्यालय भवन के पास स्थित है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक संदिग्ध बंदूकधारी ने व्हाइट हाउस के बाहर बने सुरक्षा बूथ पर फायरिंग शुरू कर दी, जहां सीक्रेट सर्विस के अधिकारी तैनात थे। जवाबी कार्रवाई में सीक्रेट सर्विस के जवानों ने भी गोली चलाई, जिसमें संदिग्ध हमलावर घायल हो गया। इस गोलीबारी में एक राहगीर भी घायल हुआ। अधिकारियों के मुताबिक, दोनों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हालांकि किसी सीक्रेट सर्विस अधिकारी के घायल होने की खबर नहीं है।

गोलीबारी के समय व्हाइट हाउस में मौजूद थे ट्रंप : घटना के समय अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप व्हाइट हाउस के अंदर मौजूद थे। फिलहाल उनके सुरक्षित होने की जानकारी दी गई है। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि व्हाइट हाउस की छत पर काउंटर स्नाइपर्स को तैनात किया गया, ताकि किसी भी संभावित खतरे से तुरंत निपटा जा सके। घटना के समय सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी थी। इस गोलीबारी के बाद पूरे इलाके में भारी सुरक्षा तैनात कर दी गई। व्हाइट हाउस के नॉर्थ लॉन को तुरंत खाली कराया गया और कुछ समय के लिए लॉकडाउन लागू किया गया। वहां मौजूद पत्रकारों ने बताया कि गोलियों की आवाज सुनते ही उन्हें प्रेस ब्रीफिंग रूम के अंदर सुरक्षित जगह पर जाने के लिए कहा गया।

सोशल मीडिया पर अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने दी जानकारी : अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि उन्हें 17वीं स्ट्रीट और पेंसिल्वेनिया एवेन्यू के पास गोली चलने की सूचना मिली है। यह इलाका व्हाइट हाउस से सिर्फ एक ब्लॉक दूर बताया जा रहा है। एजेंसी ने कहा कि जमीन पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों के साथ मिलकर जानकारी की पुष्टि की जा रही है।

रिपोर्ट- हमलावर खुद को जीजस मानता था : मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, नासिरे बेस्ट मानसिक रूप से परेशान था और वह पहले भी कई बार व्हाइट हाउस के आसपास देखा गया था। उसके खिलाफ कोर्ट का आदेश था कि वह व्हाइट हाउस के पास नहीं आए, लेकिन उसने इस आदेश को नहीं माना। रिपोर्ट के मुताबिक, 26 जून 2025 को उसने सड़क पर गाड़ियों का रास्ता रोक दिया था। इसके बाद उसे इलाज के लिए मेंटल हेल्थ सेंटर भेजा गया था। करीब दो हफ्ते बाद, 10 जुलाई 2025 को वह व्हाइट हाउस के प्रतिबंधित इलाके में घुसने की कोशिश करते हुए पकड़ा गया था। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि गिरफ्तारी के समय उसने खुद को आज के दौर का जीजस बताया था। उसने अधिकारियों से यह भी कहा था कि वह गिरफ्तार होना चाहता था।

इलाके में 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही : गोलीबारी के बाद व्हाइट हाउस परिसर में अफरा-तफरी मच गई। वहां मौजूद पत्रकारों और स्टाफ को तुरंत सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया। सीक्रेट सर्विस एजेंट्स हथियारों के साथ पूरे इलाके में तैनात हो गए और करीब 40 मिनट तक लॉकडाउन जैसी स्थिति रही। एफबीआई, सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने इलाके को घेर लिया और जांच शुरू कर दी। व्हाइट हाउस कॉम्प्लेक्स के नॉर्थ लॉन को खाली करा दिया गया है। [illegible] डायरेक्टर काश पटेल ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सुरक्षा एजेंसियां फायरिंग की खबर पर कार्रवाई कर रही हैं।

व्हाइट हाउस में मौजूद थे कई पत्रकार : रॉयटर्स की रिपोर्ट्स के अनुसार शनिवार को व्हाइट हाउस परिसर के आसपास मौजूद पत्रकारों ने कई गोलियों की आवाजें सुनीं। इसके बाद सुरक्षा अधिकारियों ने तुरंत सभी पत्रकारों को प्रेस ब्रीफिंग रूम में जाने का निर्देश दिया। कुछ देर बाद सीक्रेट सर्विस के अधिकारियों ने सुरक्षा कारणों से उन्हें बाहर निकलने से भी रोक दिया। इससे इलाके में तनाव और सतर्कता का माहौल बन गया।

घटना के समय राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप सुरक्षित बताए गए हैं और उन्हें किसी प्रकार का नुकसान नहीं पहुंचा है। वहीं, वॉशिंगटन मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने फिलहाल मामले पर विस्तृत बयान जारी नहीं किया है। माना जा रहा है कि पुलिस जल्द ही मामले को लेकर बयान जारी कर सकती है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां पूरे इलाके की निगरानी कर रही हैं और आसपास की गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

कांगो में इबोला का खतरा बढ़ाः इलाज केंद्र में आगजनी के बाद 18 संदिग्ध मरीज लापता

किंशासा , एजेंसी। कांगो के पूर्वी हिस्से में इबोला वायरस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। हालात तब और गंभीर हो गए जब गुस्साए लोगों ने इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाए गए एक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। इस घटना के बाद 18 संदिग्ध मरीज वहां से भाग निकले और अब उनका कोई पता नहीं चल पाया है। यह एक सप्ताह के भीतर दूसरा हमला है। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं वायरस को और तेजी से फैलाने का खतरा बढ़ा रही हैं। इलाके में पहले से ही डर और तनाव का माहौल बना हुआ है। स्थानीय अस्पताल के निदेशक डॉ. रिचर्ड लोकुडी ने बताया कि मोंगबवालु शहर में शुक्रवार रात कुछ लोग इलाज केंद्र पहुंचे और वहां लगे एक टेंट में आग लगा दी। यह टेंट संदिग्ध और पुष्टि वाले इबोला मरीजों के इलाज के लिए बनाया गया था। यह केंद्र अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठन बिना सीमाओं के डॉक्टर की मदद से चलाया जा रहा था। आग लगने के बाद अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई और मरीज जान बचाने के लिए बाहर भागने लगे। इसी दौरान 18 संदिग्ध मरीज लापता हो गए। अधिकारियों ने कहा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है क्योंकि संक्रमित लोग समुदाय में वायरस फैला सकते हैं। इससे एक दिन पहले र्वामपारा शहर में भी एक इलाज केंद्र को आग लगा दी गई थी। वहां एक व्यक्ति की इबोला से मौत का शक था और प्रशासन ने परिवार को शव ले जाने की अनुमति नहीं दी थी। इबोला से मरने वाले लोगों के शव बेहद संक्रामक माने जाते हैं और अंतिम संस्कार के दौरान वायरस फैलने का खतरा बढ़ जाता है। इसी वजह से प्रशासन खुद अंतिम संस्कार करवा रहा है। लेकिन कई परिवार और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शनिवार को र्वामपारा में भारी सुरक्षा के बीच इबोला मरीजों का सामूहिक अंतिम संस्कार किया गया। सैनिकों और पुलिस की मौजूदगी में रेड क्रॉस के कर्मचारी सुरक्षा सूट पहनकर ताबूत दफनाते दिखाई दिए। परिवार के लोग दूर खड़े होकर रोते रहे। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि कांगो में इबोला का खतरा अब बहुत उच्च स्तर पर पहुंच गया है। हालांकि वैश्विक स्तर पर इसके फैलने का खतरा अभी कम माना जा रहा है। डब्ल्यूएचओ प्रमुख टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने बताया कि असली संक्रमितों की संख्या आधिकारिक आंकड़ों से कहीं ज्यादा हो सकती है। यह वायरस बंडीबुग्यो प्रकार का दुर्लभ इबोला है, जिसका अभी कोई टीका उपलब्ध नहीं है। अधिकारियों के अनुसार शुरुआती मामलों की पहचान में देरी हुई, जिससे वायरस कई हफ्तों तक बिना पकड़े फैलता रहा। पूर्वोत्तर कांगो में प्रशासन ने 50 से ज्यादा लोगों के जुटने और अंतिम संस्कार सभाओं पर रोक लगा दी है।रेड क्रॉस और रेड क्रिसेंट सोसाइटीज का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ ने बताया कि उसके तीन स्वयंसेवकों की भी इबोला संक्रमण से मौत हुई है।

मोरक्को के राजा ने अफ्रीका कप फाइनल हिंसा के 18 सेनेगली प्रशंसकों को दी माफी; सांचेज से मांगा इस्तीफा

रबात, एजेंसी। मोरक्को के राजा मोहम्मद ने अफ्रीका कप ऑफ नेशंस फाइनल के दौरान हुई हिंसा के मामले में जेल भेजे गए 18 सेनेगली फुटबॉल प्रशंसकों को माफ कर दिया है। यह फैसला ईद-अल-अजहा के मौके पर मानवीय आधार पर लिया गया। इन प्रशंसकों को फरवरी 2026 में खेल परिसर को नुकसान पहुंचाने और खेल आयोजन के दौरान हिंसा फैलाने के आरोप में एक साल तक की सजा सुनाई गई थी। कुछ लोग अपनी सजा पूरी भी कर चुके थे। जनवरी में खेले गए अफ्रीका कप फाइनल में सेनेगल और मोरक्को के बीच मुकाबले के दौरान भारी हंगामा हुआ था। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ सेनेगली समर्थकों ने मैदान में घुसने की कोशिश की थी। वहीं सेनेगल की टीम ने मेजबान मोरक्को को दिए गए आखिरी मिनट के पेनल्टी फैसले का विरोध करते हुए मैदान छोड़ दिया था। हालांकि सेनेगल ने मैच 1-0 से जीत लिया था, लेकिन बाद में अफ्रीकी फुटबॉल परिसंघ ने विवादित फैसला लेते हुए सेनेगल से खिताब छीनकर मोरक्को को चैंपियन घोषित कर दिया। सेनेगल ने इस फैसले के खिलाफ अपील की थी। घटना के बाद दोनों देशों में तनाव बढ़ गया था और सोशल मीडिया पर नफरत फैलाने वाले संदेश भी सामने आए थे। इसके बावजूद दोनों देशों के नेताओं ने आपसी रिश्ते मजबूत बनाए रखने और व्यापार बढ़ाने पर सहमति जताई।

असीम मुनीर ने पेजेश्कियन और गालिबाफ से की मुलाकात, ईरान के राष्ट्रपति ने इस्लामिक एकता पर दिया जोर

तेहरान, एजेंसी। पाकिस्तान के फील्ड मार्शल असीम मुनीर अमेरिका और ईरान के बीच स्थायी सीजफायर से संबंधित बातचीत के सिलसिले में तेहरान पहुंचे, जहां उन्होंने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन, विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची और ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से मुलाकात की। ईरान के आईआरआईबी की रिपोर्ट के अनुसार, सीडीएफ मुनीर ने ईरान के संसदीय स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी मुलाकात की है। अल अरबिया ने जानकार सूत्रों के हवाले से बताया कि मुनीर ने तेहरान को अमेरिका के मैसेज भेजे थे और उन मैसेज में युद्ध फिर से शुरू करने की धमकी भी शामिल थी। मेहर न्यूज के अनुसार, ईरान के राष्ट्रपति ने कहा कि 'अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए।' पेजेश्कियन ने मुनीर से मुलाकात के दौरान अपनी बात की शुरुआत इस्लामिक एकता की जरूरत पर जोर देते हुए की। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ने असल में अंतरराष्ट्रीय कानूनी फ्रेमवर्क के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाई है। ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन ने जोर दिया, 'हम बस अपने देश के जायज और कानूनी अधिकारों को असलियत में लाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अमेरिकियों के साथ बातचीत का रिकॉर्ड और अनुभव बताता है कि हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। ' बार-बार वादे तोड़ने, बातचीत के दौरान हमलों और अधिकारियों की हत्याओं की वजह से अमेरिका पर ईरानियों के भरोसे में कमी का जिक्र करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा, 'ऐसे हालात में, ईरान बातचीत के रास्ते पर है, पाकिस्तान जैसे दोस्त देशों के साथ भाईचारे वाले संबंधों पर भरोसा कर रहा है, लेकिन हमारा मुख्य मकसद बस सही समाधान के साथ ईरानी देश के हितों को सुरक्षित करना है। ' उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में अमेरिका नहीं जीतेगा; बल्कि, इस इलाके और दुनिया के देशों को गंभीर नुकसान होगा। यहूदी शासन ही एकमात्र पार्टी है जो युद्ध के जरिए इस इलाके में अपने फायदे सुरक्षित करना चाहती है। ' दूसरी तरफ, मुनीर ने कहा कि इजरायल मुसलमानों के बीच झगड़े और मतभेद में अपना फायदा ढूंढता है। पाकिस्तान सिर्फ स्थिरता बनाना चाहता है और इलाके में युद्ध को जारी रहने और दोबारा होने से रोकना चाहता है। सेना ने एक बयान में कहा है कि आसिम मुनीर ने ईरान का एक छोटा लेकिन बहुत फायदेमंद दौरा पूरा कर लिया है। इस दौरे के दौरान उन्होंने ईरानी नेतृत्व के साथ उच्च स्तरीय मीटिंग की। बयान में कहा गया है कि पिछले ?24 घंटों में हुई बातचीत से आखिरी समझौते की दिशा में अच्छी तरक्की हुई है। इसके अलावा, पाकिस्तान टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने तेहरान में ईरान के कृषि मंत्री घोलमरेजा नूरी घेजेलजेह से मुलाकात की। दोनों पक्षों ने कृषि क्षेत्र में समझौतों में तेजी लाने और जरूरी चीजों के ट्रांसपोर्ट को आसान बनाने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने दोनों देशों के बीच कृषि और पशुधन व्यापार में साझा मौकों पर भी जोर दिया।

सर्बिया में सरकार विरोधी प्रदर्शन तेज, बेलग्रेड में प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प

बेलग्रेड, एजेंसी। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद हालात तनावपूर्ण हो गए। हजारों लोगों ने राष्ट्रपति के खिलाफ प्रदर्शन किया। रैली खत्म होने के बाद कुछ प्रदर्शनकारी समूहों और दंगा पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर, बोतलें और फ्लेयर फेंके, जबकि पुलिस ने जवाब में पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया। सर्बिया में पिछले कई महीनों से भ्रष्टाचार और सरकार विरोधी आंदोलन चल रहा है। इस प्रदर्शन को छात्र संगठनों और युवाओं का बड़ा समर्थन मिला। सर्बिया की राजधानी बेलग्रेड में सरकार विरोधी रैली के बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच हिंसक झड़पें हुईं। हजारों लोग राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिच की सरकार के खिलाफ सड़कों पर उतरे। प्रदर्शन की शुरुआत नवंबर 2024 की ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद हुई थी। छात्र संगठन भ्रष्टाचार के खिलाफ आंदोलन चला रहे हैं और समय से पहले चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने भीड़ को हटाने के लिए पेपर स्प्रे का इस्तेमाल किया।

प्रदर्शन के बाद बेलग्रेड में हिंसा कैसे भड़की : बेलग्रेड के केंद्रीय चौक पर हुई बड़ी रैली शुरुआत में शांतिपूर्ण रही। प्रदर्शनकारी 'स्टूडेंट्स विन' लिखी टी-शर्ट और बैनर लेकर पहुंचे थे। लेकिन मुख्य कार्यक्रम खत्म होने के बाद कुछ युवा समूह पुलिस से भिड़ गए। रिपोर्ट के अनुसार इनमें कई फुटबॉल हूलीगन भी शामिल थे। प्रदर्शनकारियों ने सड़कों पर कूड़ेदान लाकर बैरिकेड बनाए और पुलिस पर चीजें फेंकीं। इसके बाद दंगा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए भीड़ को तितर-बितर करने की कोशिश की। पुलिस ने इलाके में दंगा नियंत्रण वाहन भी तैनात किए ताकि प्रदर्शनकारी दोबारा मुख्य इलाके में न पहुंच सकें।

छात्र आंदोलन आखिर किस मुद्दे पर शुरू हुआ : सर्बिया में यह आंदोलन नवंबर 2024 में हुई एक ट्रेन स्टेशन दुर्घटना के बाद शुरू हुआ था। देश के उत्तरी हिस्से में हुई इस दुर्घटना में 16 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद छात्रों ने भ्रष्टाचार और सरकारी लापरवाही के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन शुरू कर दिए। आंदोलन लगातार बढ़ता गया और भारी दबाव के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री मिलोस वुसेविक को इस्तीफा देना पड़ा। हालांकि बाद में सरकार ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ सख्त रुख अपना लिया। छात्र संगठनों का आरोप है कि सरकार भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग को रोकने में विफल रही है। प्रदर्शनकारी अब समय से पहले संसदीय चुनाव कराने और कानून के शासन को मजबूत करने की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि सरकार में अपराध और भ्रष्टाचार बढ़ रहा है। प्रदर्शन में शामिल माजा मिलास मार्कोविच नाम की एक प्रदर्शनकारी ने कहा कि छात्रों ने अपनी ऊर्जा और एकजुटता से लोगों को साथ लाने का काम किया है।

रूस के कॉलेज पर हुए ड्रोन हमले में मौत का आंकड़ा बढ़ा, मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हुई

मॉस्को, एजेंसी। रूस के लुहांस्क इलाके के स्टारोबेल्स्क में एक डॉरमेट्री पर हुए हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 18 हो गई है। स्थानीय मीडिया की ओर से साझा की गई जानकारी के अनुसार मलबे में और शव मिले हैं। रूस के आपातकालीन स्थिति मंत्रालय की प्रेस सर्विस ने बताया कि मलबे के नीचे तीन और बच्चे हो सकते हैं। रूस की तास न्यूज एजेंसी ने मंत्रालय के एक अधिकारी के हवाले से बताया, 'मलबे से दो और लोगों की लाशें बरामद की गईं। इससे घायलों की कुल संख्या 60 हो गई है, जिनमें से 18 की मौत हो गई है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने शुक्रवार को स्टारोबिल्स्क कॉलेज पर यूक्रेन के हमले की निंदा की थी। रूसी जांच कमेटी की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको के मुताबिक, कॉलेज को यूक्रेन की आर्म्ड फोर्सेज ने चार फिक्स्ड-विंग यूएवी से हमला किया था। जब हमला हुआ, तो 14 से 18 साल के 86 बच्चे उस जगह पर मौजूद थे। संयुक्त राष्ट्र ने भी इस हमले की निंदा की है। यूएन महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा, 'हम आम लोगों और आम लोगों के इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने वाले किसी भी हमले की कड़ी निंदा करते हैं, चाहे वे कहीं भी हों। यूक्रेन के बारे में, मैं यह बताना चाहूंगा कि हम स्टारोबिल्स्क शहर में एक कॉलेज की बिल्डिंग और डॉरमेट्री पर रातभर हुई गोलाबारी की रिपोर्ट पर चिंता के साथ नजर रख रहे हैं, जिसमें बच्चों समेत कई लोग मारे गए और घायल हुए हैं। ' इस तरह के हमले अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का उल्लंघन हैं। दुजारिक ने आगे कहा, 'हम सभी संबंधित पक्षों से अपील करते हैं कि वे ऐसे किसी भी काम से बचें जिससे पहले से ही खतरनाक स्थिति और बिगड़ सकती है।

हमले के बाद रूस के कहने पर बुलाई गई सुरक्षा परिषद की मीटिंग में वैनेसा फ्रेजियर ने कहा कि हथियारों वाली लड़ाई के दौरान बच्चों, स्कूलों और अस्पतालों को कभी भी टारगेट नहीं बनाया जाना चाहिए। फ्रेजियर ने कहा, 'आम लोगों, बच्चों, मानवीय मदद करने वाले लोगों और आम चीजों को, जिसमें स्कूल और अस्पताल भी शामिल हैं, कभी भी निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। बच्चों की सुरक्षा प्राथमिकता बनी रहनी चाहिए। उनके घरों, उनके क्लासरूम और उनके भविष्य को नुकसान नहीं स्वीकार किया जा सकता। ' यूएन में अमेरिका की उपस्थायी प्रतिनिधि टैमी ब्रूस ने कहा, 'हम कल रात लुहांस्क में हुई मौतों और घायलों की रिपोर्ट पर नजर रख रहे हैं। इस हमले से जुड़े कई सवालों के जवाब अभी भी नहीं मिले हैं। जब तक हम इन सवालों के जवाब का इंतजार कर रहे हैं, हम युद्ध को हमेशा के लिए, बातचीत से खत्म करने के तरीके के तौर पर तुरंत और पूरी तरह से सीजफायर की जरूरत पर जोर देते हैं।

ट्रंप का बड़ा दावा : अमेरिका-ईरान शांति समझौता लगभग तय, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज खोला जाएगा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वाशिंगटन और तेहरान एक बड़े शांति समझौते को अंतिम रूप देने के काफी करीब पहुंच चुके हैं। यह बातचीत मध्य पूर्व और दक्षिण एशिया के कई नेताओं के साथ हुई कॉल्स के बाद आगे बढ़ी, जिनमें पाकिस्तान के आर्मी चीफ जनरल आसिम मुनीर और खाड़ी देशों के नेता भी शामिल थे। शनिवार को 'ट्रुथ सोशल' पर किए गए एक पोस्ट में ट्रंप ने कहा कि अमेरिका, ईरान और क्षेत्र के कई देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है और अब सिर्फ कुछ आखिरी बातें बाकी हैं। ट्रंप ने लिखा, 'मैं व्हाइट हाउस के ओवल ऑफिस में हूं, जहां अभी हमारी सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद, यूएई के मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, कतर के अमीर तमीम बिन हमद बिन खलीफा अल थानी, प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलरहमान बिन जासिम बिन जाबेर अल थानी, कतर के मंत्री अली अल-थावादी, पाकिस्तान के फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर अहमद शाह, तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन, मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी, जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय और बहरीन के राजा हमद बिन ईसा अल खलीफा के साथ बहुत अच्छी बातचीत हुई। यह बातचीत ईरान और शांति से जुड़े एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर केंद्रित थी। '

ट्रंप ने कहा कि यह हाल के महीनों में ईरान और क्षेत्रीय सुरक्षा को लेकर उनकी सबसे बड़ी कूटनीतिक पहल में से एक है। उन्होंने आगे कहा कि? अमेरिका, ईरान और ऊपर बताए गए दूसरे देशों के बीच समझौता लगभग तय हो चुका है, बस अंतिम मंजूरी बाकी है। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने अलग से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी बात की और वह भी बहुत अच्छी रही।

ट्रंप के मुताबिक, अब बातचीत समझौते की आखिरी शर्तों और विवरणों पर चल रही है। डील के अंतिम पहलुओं और बारीकियों पर चर्चा जारी है, और जल्द ही इसकी घोषणा की जाएगी। ट्रंप के बयान का सबसे अहम हिस्सा स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर था। यह एक बेहद महत्वपूर्ण समुद्री रास्ता है, जहां से दुनिया के बड़े हिस्से का तेल गुजरता है। उन्होंने लिखा, 'समझौते के कई दूसरे हिस्सों के साथ-साथ स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को भी खोला जाएगा।' इस बयान पर भारत में भी खास नजर रहेगी, क्योंकि भारत अपनी तेल जरूरतों के लिए खाड़ी देशों से बड़े पैमाने पर आयात करता है और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तनाव को हमेशा चिंता की नजर से देखता रहा है।

अगर ईरान से जुड़ा तनाव कम होता है, तो इससे तेल की कीमतों, शिपिंग में रुकावट और सप्लाई चेन से जुड़े जोखिमों को कम करने में मदद मिल सकती है। हालांकि, ट्रंप ने इस प्रस्तावित समझौता ज्ञापन की पूरी जानकारी साझा नहीं की और न ही यह बताया कि इसमें कौन-सा देश क्या भूमिका निभाएगा। व्हाइट हाउस की तरफ से भी फिलहाल कोई अतिरिक्त जानकारी जारी नहीं की गई है।

60 दिन के लिए बढ़ेगा अमेरिका-ईरान युद्धविराम : अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने को लेकर बड़ी कूटनीतिक हलचल तेज हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देश 60 दिन के लिए युद्धविराम बढ़ाने के करीब पहुंच गए हैं। इस समझौते में होर्मुज जलडमरूमध्य को धीरे-धीरे दोबारा खोलने और ईरान के उच्च स्तर पर संवर्धित यूरेनियम भंडार को कम करने या सौंपने जैसे मुद्दे शामिल हैं। इसके बदले अमेरिका ईरानी बंदरगाहों पर लगी पाबंदियों में ढील देने और कुछ प्रतिबंध हटाने पर सहमत हो सकता है। इस पूरे घटनाक्रम को पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)